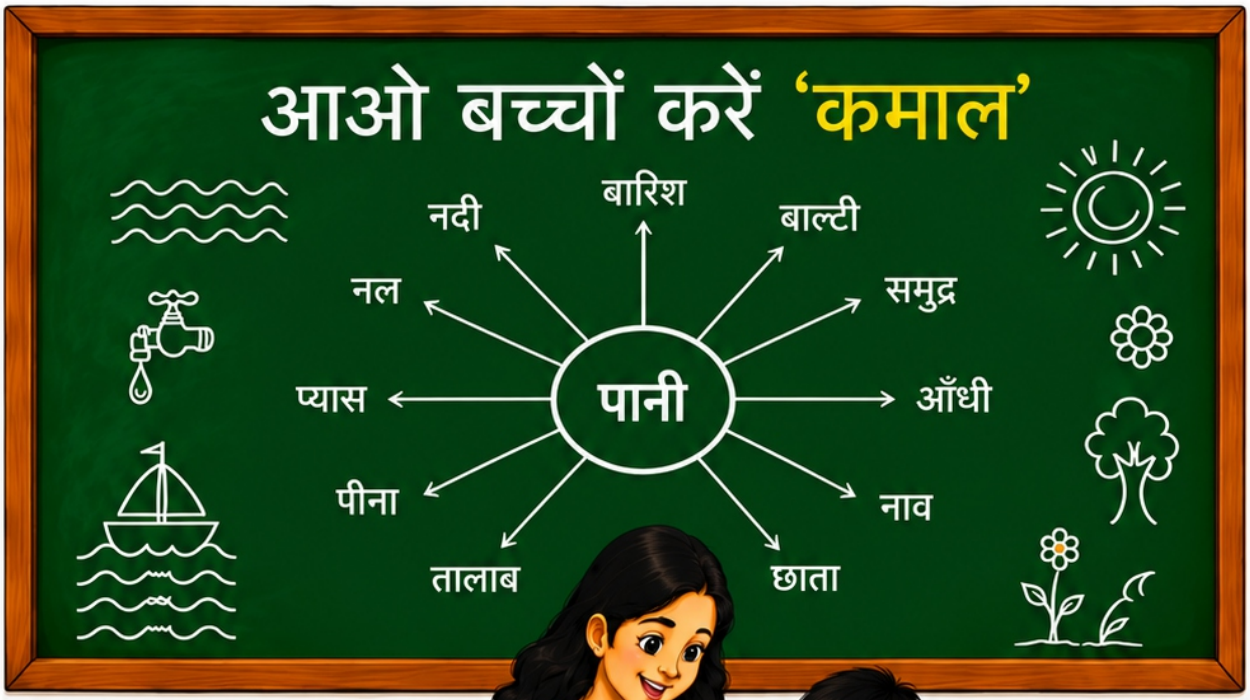
समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT





कक्षा
4

शिक्षक संदर्शिका
वीणा

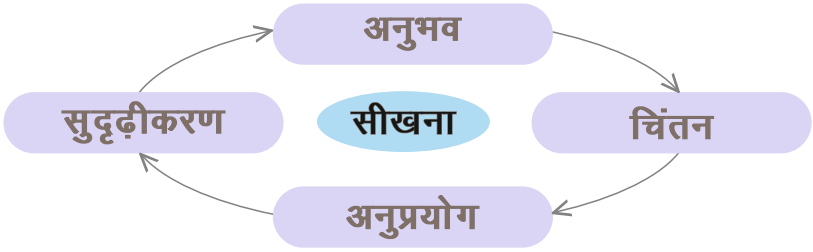
वर्ष
2026-27

भाषा शिक्षण प्रक्रिया

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

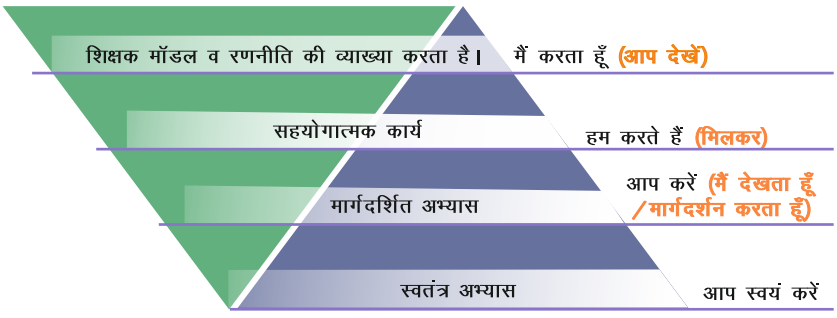
सिद्धांत और पद्धति

सीखना एक चक्रीय प्रक्रिया है!



प्रक्रिया और उत्तरदायित्व

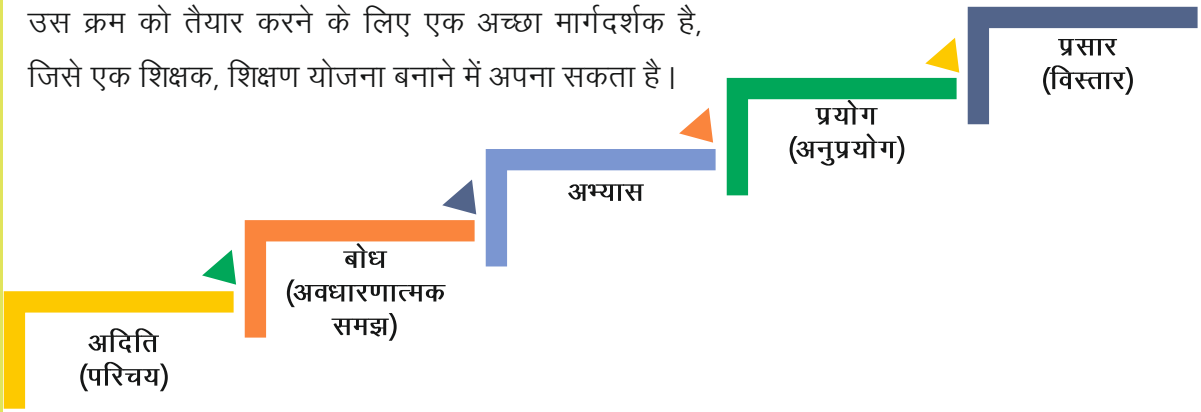
शिक्षक की ज़िम्मेदारी



विद्यार्थी की ज़िम्मेदारी

पाँच चरणों वाली सीखने की प्रक्रिया 'पंचादि'

उस क्रम को तैयार करने के लिए एक अच्छा मार्गदर्शक है, जिसे एक शिक्षक, शिक्षण योजना बनाने में अपना सकता है।



एक शिक्षक के रूप में मैं–

1 समानता

हर बच्चे के साथ समान और निष्पक्ष व्यवहार करूँगा / करूँगी।



2 सम्मान और गरिमा

प्रत्येक बच्चे की गरिमा, भावनाओं और विचारों का सम्मान करूँगा / करूँगी।



3 भेदभाव से मुक्ति

जाति, धर्म, लिंग, भाषा या सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करूँगा / करूँगी।



4 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

बच्चों को प्रश्न पूछने, अपनी बात कहने और विचार व्यक्त करने का अवसर दूँगा / दूँगी।



5 समान अवसर

बालिकाओं और बालकों को सीखने, भागीदारी और आगे बढ़ने के समान अवसर दूँगा / दूँगी।



6 सहयोग और सद्भाव

बच्चों में सहयोग, संवेदनशीलता, सहिष्णुता और भाईचारे की भावना विकसित करूँगा / करूँगी।



7 अधिकार और कर्तव्य

बच्चों को उनके अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की समझ भी दूँगा / दूँगी।



8 सुरक्षित एवं समावेशी विद्यालय

ऐसा वातावरण बनाने में योगदान दूँगा / दूँगी जहाँ प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, सम्मानित और सीखने के लिए स्वतंत्र महसूस करे।



अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पेज नम्बर
1	अनुक्रमणिका	i
2	प्राक्कथन	ii
3	शिक्षक संदर्शिका क्यों महत्त्वपूर्ण है	iii
4	अवधारणा पत्र	iv-vi
5	आओ बच्चों करें कमाल	1 - 18
6	निपुण सूची दक्षताएँ	19
7	पाठ्यपुस्तक के पाठों का 'लर्निंग आउटकम' सहित दिवसवार विभाजन	20 - 28
8	पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित दिवसवार शिक्षण योजना	29 - 147
9	आओ बच्चों करें कमाल (कैच–अप) हेतु सहायक सामग्री	148 - 169

प्राक्कथन

विद्यालयी शिक्षा के संदर्भ में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' एवं 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा विद्यालयी शिक्षा 2023' गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने की बात करती है। इसके अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से अनेक सामाजिक उद्देश्य प्राप्त किये जा सकते हैं। इनमें सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण, आर्थिक विकास और देश की विविधतापूर्ण संस्कृति की सुरक्षा प्रमुख है। यही उद्देश्य एक प्रकार से शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय उद्देश्य भी हैं। यह नीति शिक्षा को इस प्रकार परिभाषित करती है कि उससे न सिर्फ हमारी प्रतिभाएँ उत्तरोत्तर ज्ञान समृद्ध हों, बल्कि हमारे संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्धन किया जा सके। इन्हीं मार्गदर्शक बिंदुओं के आलोक में उत्तर प्रदेश सरकार अपनी शिक्षा को आकार देने की दिशा में प्रयास कर रही है। इस वृहद प्रयास की कड़ी के रूप में 'राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा' द्वारा 'प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन' के सहयोग से कक्षा–4 हेतु हिंदी एवं गणित विषय पर आधारित शिक्षक संदर्शिकाओं का विकास किया गया है। इन संदर्शिकाओं का विकास इस उद्देश्य से किया गया है कि शिक्षक तनावमुक्त एवं आनन्दमय शिक्षण के माध्यम से (जैसे– खेल, पहेली, खोज आधारित गतिविधि आदि) सीखने–सिखाने के वातावरण का सृजनकर बच्चों के समग्र विकास हेतु उन्हे सीखने में मदद कर सकें। जिन शिक्षकों के पास दिन–प्रतिदिन के कक्षा–शिक्षण हेतु शिक्षण योजनाओं का अभाव होता है उनकी भी सहायता इसके माध्यम से की जा सके।

इन संदर्शिकाओं के निर्माण के पीछे हिंदी और गणित विषयों के कक्षा–शिक्षण से संबंधित कुछ जरूरी दृष्टिकोण भी हैं, जो विषयों की प्रकृति और विषय पढ़ाने की पद्धति से संबंधित हैं। प्रत्येक विषय का पहला भाग निपुण सूची की दक्षताएँ, दूसरा भाग उसकी अवधारणा पत्र है। यह हमें उस विषय के स्वभाव व उसमें निहित तर्क, उद्देश्य, सिद्धांत एवं सीखने–सिखाने के विज्ञान से परिचित होने और समझने में मदद करने वाला है। विषय के तीसरे भाग में कक्षा–4 के लिए कक्षा 1 से 3 तक की विषयवस्तु से सम्बन्धित अवधारणाओं पर आधारित उपचारात्मक (आओ बच्चों करें कमाल) सम्बोध शिक्षक आवश्यकतानुसार वर्ष भर अपने कक्षा–कक्ष में शिक्षण के दौरान शिक्षण योजना बनाकर प्रयोग में ला सकते हैं। इससे उन्हें स्वयं अपनी उपचारात्मक की शिक्षण योजना बनाने में मदद मिलेगी।

विषय के चौथे भाग में पाठों का दिवसवार विषयवस्तु के अनुसार विभाजन शिक्षकों को इस तथ्य से परिचित कराने के लिए है कि एक ही पाठ बच्चों के सीखने के लिए अनेक खिड़कियाँ खोलता है। कोई भी पाठ येन–केन प्रकारेण पाठ्यक्रम पूरा करने की शीघ्रता में न पढ़ाया जाए, बल्कि उसकी विषयवस्तु का गतिविधियों और अभ्यासों की विविधता के साथ मंथन किया जाए। उसमें निहित अवधारणाओं एवं संबंधों के लिए हम बच्चों को कम से कम इतना समय अवश्य दें कि वे बच्चों के जानने के लिए सूचना भर न रह जाए। बच्चे उन पर स्वयं के तर्क और अवधारणाओं का निर्माण कर सकें। पाठों की विषयवस्तु का दिवसवार विभाजन भी पूरे शिक्षा सत्र के कार्य दिवसों को ध्यान में रखकर किया गया है। ऐसा करते हुए पाठों की कठिनाई और आकार को ध्यान में रखा गया है। एक शिक्षक के रूप में हमें किसी भी पाठ से जुड़ी सीखने की संभावनाओं की पर्याप्त जाँच पड़ताल करनी चाहिए। उसमें निहित संबोधों की थाह लेनी चाहिए और क्रमशः इन पर शिक्षण योजनाएँ बनाकर कक्षा में अभ्यास कराना चाहिए ताकि एक विषय का पाठ दूसरे विषय के प्रति जिज्ञासा पैदा करने का माध्यम बन जाए।

यह निर्विवाद सत्य है कि जब हम किसी कार्य को सुनियोजित तरीके से करते हैं तो उस कार्य में सफलता की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। आज समय की माँग है कि शिक्षकगण सुनियोजित शिक्षण योजना से ही पढ़ाएँ, क्योंकि एक शिक्षक के लिए सीखने की दृष्टि से कक्षा का प्रत्येक विद्यार्थी विशेष और महत्त्वपूर्ण होता है। सभी बच्चों की सीखने की गति भी अलग–अलग होती है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश, लखनऊ राज्य शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज के सहयोग हेतु आभार।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह शिक्षक संदर्शिका शिक्षकों को सुनियोजित शिक्षण योजना निर्माण, कक्षा के वातावरण को जीवंत बनाने, बच्चों से सार्थक वार्तालाप करने, उन्हें स्वयं करके सीखने, तर्क आधारित निष्कर्ष निकालने और उनके सतत आकलन करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

गुणवत्ता प्रकोष्ठ
समग्र शिक्षा
उत्तर प्रदेश

शिक्षक संदर्शिका क्यों महत्त्वपूर्ण है?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखाः विद्यालयी शिक्षा 2023 के अनुरूप कक्षा–4 की भाषा पाठ्यपुस्तक "वीणा" का विकास किया गया। यह पाठ्यपुस्तक बच्चों में भाषा के प्रति रुचि, अभिव्यक्ति क्षमता, समझ (Comprehension) तथा रचनात्मकता विकसित करने पर विशेष बल देती है। इसमें कहानियों, कविताओं, संवादों एवं गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने (LSRW) के समग्र अवसर प्रदान किए गए हैं, जिससे वे भाषा का प्रयोग सार्थक रूप से और आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

इसी दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने के लिए शिक्षक संदर्शिका का निर्माण किया गया है, ताकि शिक्षक कक्षा में हिंदी शिक्षण को अधिक प्रभावी, आनंदपूर्ण और सहभागितापूर्ण बना सकें। यह संदर्शिका पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक अध्याय के अनुरूप दिवसवार (day-wise) शिक्षण योजनाएँ प्रस्तुत करती है, जिससे शिक्षक सुनियोजित ढंग से शिक्षण कार्य कर सकें।

इस संदर्शिका की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

- **बाल–केंद्रित एवं अनुभवात्मक अधिगम :**

गतिविधि–आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से बच्चों को भाषा का प्रयोग करते हुए सीखने के अवसर पर विशेष ध्यान दिया गया हैं।

- **पूर्व ज्ञान एवं अनुभव से जुड़ावः**

प्रत्येक पाठ को बच्चों के जीवन के अनुभवों से जोड़ते हुए प्रस्तुत किया गया है, जिससे सीखना अधिक अर्थपूर्ण बनता है।

- **भाषायी कौशलों का समग्र विकास (LSRW):**

सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना चारों कौशलों के संतुलित विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

- **TaRL आधारित रेमेडियल शिक्षण रणनीति का समावेशः**

इस संदर्शिका की एक महत्वपूर्ण विशेषता Teaching at the Right Level (TaRL) आधारित कैच–अप शिक्षण रणनीति का समावेश है। शिक्षक इसे अपनी कक्षा के बच्चों की आवश्यकताओं के अनुसार पूरे शैक्षणिक वर्ष में किसी भी समय लागू कर सकते हैं।

जो बच्चे पूर्व कक्षाओं की आवश्यक दक्षताएँ किसी कारणवश प्राप्त नहीं कर सके हैं, उनके लिए यह रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी। इसके माध्यम से ऐसे बच्चे शीघ्र ही अन्य बच्चों के समकक्ष पहुँच सकते हैं तथा वर्तमान कक्षा की दक्षताओं को भी उनके साथ सक्रिय रूप से सीखने में सक्षम हो पाते हैं।

- **संवाद एवं अभिव्यक्ति पर बल :**

कक्षा में चर्चा, कहानी–वाचन, भूमिका–निर्वाह (अभिनय) और समूह कार्य के माध्यम से बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहित किया गया है।

- **टीएलएम (TLM) एवं विविध शिक्षण सामग्री का उपयोगः**

चित्रों, कहानी कार्ड, शब्द कार्ड एवं स्थानीय संसाधनों के माध्यम से भाषा सीखने को रोचक बनाया गया है।

- **परिशिष्टः**

कविताओं, कहानियों, चित्रों, पहेलियाँ और "आओ खेलें खेल" का संकलन भी है जिसका उपयोग कक्षा में बच्चों के साथ खेल तथा कल्पनाशीलता का विकास करते हुए तार्किक चिंतन को मजबूत करने हेतु बनाया गया है ।

- **दक्षता–आधारित शिक्षण :**

NEP 2020 एवं NCF-SE 2023 के अनुरूप, भाषा अधिगम को निर्धारित दक्षताओं के विकास से जोड़ा गया है।

- **समग्र एवं सतत आकलन :**

बच्चों की भाषा संबधी समझ, अभिव्यक्ति एवं सहभागिता का आकलन गतिविधियों, परियोजनाओं एवं कक्षा अवलोकन के माध्यम से किया गया है।

- **समावेशी शिक्षण :**

विभिन्न स्तरों के बच्चों को ध्यान में रखते हुए विविध गतिविधियाँ और सहयोगात्मक रणनीतियाँ प्रदान की गई हैं।

यदि शिक्षक इस संदर्शिका में दी गई योजनाओं के अनुसार पूर्व तैयारी के साथ कक्षा में आवश्यक सामग्री का उपयोग करते हुए सभी बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हैं, तो भाषा सीखने की प्रक्रिया सहज, आनंदपूर्ण और प्रभावी बन सकती है।

अंततः, यह विश्वास है कि यह शिक्षक संदर्शिका शिक्षकों को प्रतिदिन की सुनियोजित शिक्षण प्रक्रिया अपनाने, कक्षा का वातावरण भाषा–संपन्न एवं आनंदपूर्ण बनाने, बच्चों में अभिव्यक्ति और समझ विकसित करने तथा उन्हें आत्मविश्वास के साथ भाषा का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने में सहायक सिद्ध होगी। इसके माध्यम से प्रत्येक बच्चे का सीखना सुनिश्चित (Learning for All) किया जा सकेगा, जो NEP 2020 और NCF-SE 2023 के मूल उद्देश्यों के अनुरूप है।

भूमिका

भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं है, बल्कि मानव के निरंतर विकास का आधार भी है। यदि केवल एक घंटे के लिए दुनिया भर के लोग अपनी भाषा भूल जाएँ, तो क्या होगा? इस प्रश्न के कई जवाब हो सकते हैं, लेकिन निष्कर्ष एक ही होगा – सारी बातचीत और उनसे जुड़े काम रुक जाएँगे। जीवन का सामान्य प्रवाह ठहर जाएगा, क्योंकि हमारे अधिकतर संबंध और व्यवहार भाषा के माध्यम से ही चलते हैं। भाषा ने समाज द्वारा अर्जित ज्ञान और समझ को सुरक्षित रखने तथा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाने का काम किया है। पुराने भाषा अभिलेख हमें हमारे इतिहास और संस्कृति से परिचित कराते हैं। इसलिए स्पष्ट है कि भाषा का हमारे जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान है। भाषा के इसी महत्त्व को समझते हुए अब यह जानना जरूरी है कि 'पढ़ना' वास्तव में क्या है ? और उसे कैसे समझा जाए ?

'पढ़ना' क्या है? क्या कुछ अक्षरों को जोड़कर शब्दों का उच्चारण करना ही पढ़ना है? पढ़ना केवल इतना नहीं है। किसी भी पाठ को पढ़कर उसे अपने अनुभवों से जोड़कर समझना भी पढ़ना है। सही और सुचारु रूप से पढ़ना, समझने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। पाठ को समझने के लिए उसे अपने जीवन और अनुभवों से जोड़ना आवश्यक होता है। इसलिए कहा जाता है कि केवल लिखित शब्दों को पहचानना नहीं, बल्कि उनके अर्थ को समझना ही पढ़ना है। ऐसा नहीं है कि बच्चे पहले पढ़ना सीखें और बाद में समझना।

हर बच्चे की सीखने की गति अलग होती है। कुछ बच्चे जल्दी पढ़ना–लिखना सीख लेते हैं, तो कुछ को अधिक समय लगता है। इसलिए कक्षा की गतिविधियाँ बच्चों की जरूरत और स्तर के अनुसार होनी चाहिए। इसी विचार से प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन ने ''Teaching at the Right Level''(TaRL) पद्धति विकसित की है। यह पद्धति विशेष रूप से कक्षा 4 और 5 के उन बच्चों के लिए है, जो किसी कारण से भाषा और गणित के बुनियादी कौशल अभी तक नहीं सीख पाए हैं। इसका मुख्य सिद्धांत है कि बच्चों को उनकी कक्षा के आधार पर नहीं, बल्कि उनके वास्तविक सीखने के स्तर के अनुसार पढ़ाया जाए।

इस पद्धति में शुरुआत में बच्चों का आकलन किया जाता है। फिर समान स्तर वाले बच्चों के समूह बनाए जाते हैं। उनके स्तर के अनुसार गतिविधियाँ कराई जाती हैं और नियमित रूप से प्रगति की जाँच की जाती है। Teaching at the Right Level (TaRL) को CAMaL भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है Combined Activities for Maximized Learning, यानी अधिकतम सीखने के लिए संयुक्त गतिविधियाँ। यह **4 ब्लॉक मॉडल** से भी जुड़ी हुई है। इसमें सुनना, समझना, बोलना, पढ़ना, लिखना, गिनना और हल करना जैसे बुनियादी कौशल शामिल हैं। अनुभव और शोध बताते हैं कि जब बच्चों को उनके स्तर के अनुसार अवसर और अनुकूल वातावरण मिलता है, तो वे कम समय में अच्छी प्रगति करते हैं। यह पद्धति भाषा और गणित की बुनियादी दक्षताओं पर काम करते हुए बच्चों की सोच और समझ को विकसित करने पर जोर देती है। भाषा की इस समग्र समझ के संदर्भ में प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा की भूमिका को समझना भी आवश्यक है।

- हिंदी हमारे विद्यालयों की माध्यम भाषा है। इसकी चार मुख्य दक्षताएँ– सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना– सीखे बिना अन्य विषयों को समझना कठिन हो जाता है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने की सिफारिश करती हैं। इसलिए बच्चों के भाषा विकास की क्रमिक प्रक्रिया को समझना आवश्यक है।
- बच्चा जन्म से भाषा लेकर नहीं आता, बल्कि भाषा सीखने की क्षमता लेकर आता है। वह अपने आसपास के लोगों से बातचीत और अनुभवों के माध्यम से भाषा सीखता है।
- बच्चे अपने परिवार और आसपास के लोगों से संवाद करते हुए भाषा सीखते हैं। लगभग साढ़े चार वर्ष की आयु तक वे अपने परिवेश की भाषा पर अच्छी पकड़ बना लेते हैं और परिस्थितियों के अनुसार उसका प्रयोग करने लगते है। यही भाषा वह विद्यालय में लेकर आते हैं अब यह देखना महत्त्वपूर्ण है कि प्राथमिक विद्यालय में भाषा किस प्रकार बच्चों के सीखने को प्रभावित करती है।

प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा का महत्त्व –

प्राथमिक विद्यालय में यदि घर और विद्यालय की भाषा एक जैसी हो, तो बच्चों के लिए पढ़ना–लिखना सीखना आसान होता है। यदि दोनों अलग हों, तो चुनौती बढ़ जाती है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बच्चों को पढ़ना–लिखना सिखाने के लिए उनकी घर और परिवेश की भाषा के उपयोग पर जोर दिया गया है।

'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता के लिए प्रारंभिक कक्षाओं में ध्वनि जागरूकता से पठन तक बच्चों की परिवेशीय भाषा अपनाने पर बल दिया गया है, ताकि वे समझ के साथ पढ़ना–लिखना सीख सकें। इसी संदर्भ में सीखने के स्तरों में भिन्नता भी कक्षा की एक बड़ी वास्तविकता है।

जब एक ही कक्षा में अलग–अलग स्तर के बच्चे होते हैं, तो शिक्षक के लिए सभी को समान रूप से पढ़ाना कठिन हो जाता है। इससे बच्चों की प्रगति धीमी हो सकती है। TaRL में समान स्तर के बच्चों को छोटे समूहों में बाँटकर उनके अनुसार गतिविधियाँ कराई जाती हैं। कक्षा की शुरुआत में ही पढ़ने और गणित का पहला आकलन किया जाता है। उसके बाद बच्चों के स्तर को "प्रगति पत्रक" में दर्ज किया जाता है। इससे शिक्षक–शिक्षण योजना के अनुसार गतिविधियों और सामग्री का चयन कर सकते हैं। यदि कोई बच्चा प्रगति करता है, तो उसे अगले स्तर के समूह में शामिल किया जाता है।

भाषा–शिक्षण को समझने के लिए उसके मूल कौशलों को जानना भी आवश्यक है।

भाषा के चार मुख्य कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना)

इन चारों कौशलों में आपस में गहरा संबंध है। सुनना, बोलने की इच्छा जगाता है। सुनने और बोलने के अच्छे अनुभव पढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सुनने, बोलने और पढ़ने के समृद्ध अनुभव से लिखने की तैयारी करते हैं।

कक्षा में पढ़ने–लिखने की शुरुआत –

- बच्चों के अनुभवों और पूर्वज्ञान को शब्दों और वाक्यों में बदलकर दीवारों, चार्ट या बोर्ड पर लिखा जाए।
- बच्चों की छोटी कविताएँ, कहानियाँ और सरल अनुभव पढ़ने–लिखने की सामग्री के रूप में उपयोग किए जाएँ।
- कक्षा 4 और 5 में कविता, कहानी, निबंध और नाटक जैसी रचनाओं का उपयोग पढ़ने–लिखने के अभ्यास के लिए किया जाए।

भाषा शिक्षण को प्रभावी बनाने में संदर्भ और व्याकरण की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

भाषा में संदर्भ का उपयोग और व्याकरण

संदर्भ–

- संदर्भ वह परिस्थिति, दृश्य या चित्र है जिसमें से भाषा (कोई शब्द या वाक्य) उपजती है। वाक्य में प्रयोग की गई भाषा हमें किसी परिस्थिति, दृश्य या संदर्भ से परिचित कराती है और संदर्भ की कल्पना में ले जाती है। बहुधा संदर्भ ही हमारे शब्दों, वाक्यों को संचालित करते हैं।
- शब्दों और वाक्यों के अर्थ, संदर्भ बदलने के साथ बदल जाते हैं। 'शुरू करो!' वाक्य का अर्थ खाने की थाली सामने होने पर होगा– खाना शुरू करो। फुटबाल के मैदान में इसका अर्थ होगा खेल शुरू करो। घास कटाई चल रही हो तो यहाँ इसका मायने होगा 'घास काटो'–
- भाषा में दिए सार्थक संदर्भ जो हमारे मन में एक पूरा दृश्य रखते हैं, बच्चों के भाषा सीखने के लिए ज्यादा उपयोगी हैं।

व्याकरण–

- यह भाषा के विभिन्न अवयवों (वाक्य, शब्द, अक्षर) में निहित भावों और उनके लक्षणों की पहचान करने वाला विषय है।
- व्याकरण भाषा में बदलाव के नियमों की भी पहचान कराता है।
- व्याकरण के नियम रटाने से बहुत कम व्याकरण सीखा जाता है। लेकिन भाषा की छोटी–छोटी संरचनाओं– कविताओं कहानियों आदि में नामों, स्थानों, वस्तुओं, प्रशंसासूचक शब्दों/विशेषता (गुण–दोष) बताने वाले शब्दों की खोज के जरिए हम प्राथमिक स्तर पर व्याकरण की अच्छी समझ बना सकते हैं। भाषा की विधागत साहित्यिक संरचनाओं कविता, कहानी, नाटक संस्मरण आदि को एक दूसरे में बदलते हुए छात्र भाषा की विभिन्न संरचनाओं और उनके व्याकरण से जूझते हुए दोनों की समझ बनाते चलते हैं। यह गतिविधि चौथी कक्षा से आवश्यकतानुसार कराई जानी चाहिए। व्याकरण के मामले में अंग्रेजी के इस जुमले Language through Literature पर अमल किया जाना ठीक होगा।

भाषा में कल्पना व सृजनशीलता

कल्पना–

- प्राथमिक स्कूलों में यह भाषा सीखने–सिखाने का एक प्रमुख लक्ष्य है। आखिर कल्पनाशीलता के मायने क्या हैं? इसका जवाब हमें भाषा और दिमाग के मिलजुलकर काम करने की प्रक्रिया में मिलता है।
- हमारा दिमाग जब बाहर से भाषा ग्रहण करता है तो उसके अर्थों से संबंधित चित्र दिमाग में आते है। जब बाहर से चित्र/दृश्य के रूप में कोई सूचना प्राप्त होती है तो दिमाग उससे संबंधित शब्द/वाक्य स्मृति में खोजता है। इसी प्रक्रिया में व्यक्ति/छात्र की भाषा और कल्पना दोनों विकसित होती जाती है।

• दिमाग को बाहर से मिली नई भाषा दिमाग में पहले से बने भाषायी ढाँचों (संकेतों) को बदलती या बढ़ाती है। ऐसा ही बाहर से दिमाग को मिले चित्रों के साथ भी होता है। नए–नए जीवन अनुभवों के साथ हमारी कल्पनाएँ और भाषा क्षमता विकसित होती जाती है।

भाषा के संदर्भ में सृजनात्मकता का अर्थ है–

बच्चों द्वारा अधिकाधिक अपने मन और विचारों के आधार पर लिख पाना, अपनी निज भाषा–शैली गढ़ पाना. खुद को अनेक मौखिक लिखित भाषा रूपों में अभिव्यक्त कर पाना, रोचक, पठनीय और संरचना की दृष्टि से सही भाषा रूपों का सृजन कर पाना, अपने लिखे, रचे में गलतियों की पहचान करते हुए उसमें अपेक्षित सुधार, संशोधन कर पाना।

पाठों के विषयवस्तु–विभाजन का दृष्टिकोण–

यह संदर्शिका शिक्षकों की सहायता के लिए तैयार की गई है। इसमें पूरे पाठ की एक तय योजना देने की बजाय पाठ की विषयवस्तु का विश्लेषण किया गया है। इसमें देखा गया है कि पाठ की मुख्य और सहायक अवधारणाएँ क्या हैं, विवरण कितने गहरे हैं और एक ही पाठ को कितने अलग–अलग तरीकों से पढ़ाया जा सकता है।

कक्षा की वास्तविक परिस्थितियों में सभी बच्चे समान गति से नहीं सीखते, इसलिए उपचारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

उपचारात्मक शिक्षण का औचित्य–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पढ़ना–लिखना और गणित की बुनियादी दक्षताओं को प्राथमिकता दी गई है। TaRL इसी दिशा में एक प्रभावी प्रयास है। यह बच्चों की जरूरत को समझते हुए उन्हें समूह और व्यक्तिगत सहयोग देता है, ताकि सभी बच्चे आत्मविश्वास के साथ अपनी गति से सीख सकें और समान रूप से आगे बढ़ सकें।

हर कक्षा में कुछ बच्चे ऐसे होते हैं, जिनकी सीखने की गति धीमी होती है। ऐसे बच्चों के साथ अलग तरीके से काम करना आवश्यक है। छोटे समूह बनाते समय बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि किसी भी बच्चे को अलग या कमजोर महसूस न हो।

छोटे–छोटे समूहों में जिम्मेदारी देकर और अलग–अलग तरीकों से शिक्षण कर उपचारात्मक शिक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। सत्र की शुरुआत में ही ऐसे बच्चों की पहचान हो जाती है, जिन्हें अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता है।

''टाइम एण्ड मोशन'' संबंधी शासनादेश के अनुसार 240 दिन विद्यालय खुलने की व्यवस्था है। ऐसी स्थिति में यदि इसे सूक्ष्म दृष्टि से विभाजित करें तो अर्धवार्षिक, वार्षिक परीक्षाओं, यूनिट टेस्ट एवं उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, तथा परीक्षाफल बनाए जाने के दृष्टिगत लगभग 20 से 25 दिन पूरे शैक्षिक सत्र में लग सकते हैं। इस प्रकार वास्तविक कक्षा शिक्षण के लिए लगभग 210 से 215 दिन उपलब्ध होने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए कक्षावार निर्धारित पाठों की विषयवस्तु को दिवसवार हिस्सों में विभाजित कर प्रत्येक पाठ के लिये समय का निर्धारण किया गया है। यह समय अनुमानित है जिसमें आवश्यकतानुसार आप परिवर्तन भी कर सकते हैं। इन सभी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए भाषा की शिक्षण योजना का निर्माण एवं इसमें विविधता का समावेशन किया गया है। इस संदर्शिका में लगभग 150 शिक्षण योजनाएँ एवं उनसे सम्बन्धित दिशा निर्देश दिये गये हैं। शिक्षण योजनाएँ दो भागों में विभक्त हैं। प्रथम भाग में उपचारात्मक योजनाएँ हैं और द्वितीय भाग में कक्षा की विषयवस्तु पाठ आधारित शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। इस प्रकार अवशेष 50 शिक्षण दिवस बच्चों को अतिरिक्त अभ्यास कार्य कराने के दृष्टिगत भी छोड़े गए हैं।

कॉन्सेप्ट मैप





आकलन

क्र.सं.	मुख्य गतिविधियाँ (भाषा)
1	मौखिक कौशल
2	कहानी सम्बंधी गतिविधियाँ
3	शब्द भंडार
4	माइंड मैपिंग स्वतंत्र लेखन

प्रक्रिया

बड़े समूह में प्रदर्शन (Demo) :
शिक्षक बड़े समूह में गतिविधियों का प्रदर्शन करते हैं।

↓

छोटे समूह में अभ्यास (Practice) :
बच्चों का उनके सीखने के स्तर अनुसार छोटे समूहों में विभाजित करते हैं। इसके बाद इन छोटे समूहों में स्तरानुसार कार्य देकर बड़े समूह में प्रदर्शित गतिविधियों का अभ्यास करने को कहते हैं।

↓

व्यक्तिगत (Individual) :
छोटे समूहों में किए गए अभ्यास कार्य को व्यक्तिगत रूप से करने को देते हैं।

↓

कक्षा की समाप्ति खेल से करते हैं।

बच्चों के सीखने के अनुसार परिचित से अपरिचित, सरल से जटिल और मूर्त से अमूर्त की ओर बढ़ते हैं।

समय – 40 मिनट

लक्षित समूह :
कक्षा 4–5 के चयनित (Targeted) सभी बच्चों को शामिल करते हैं।

कक्षा के मानदंड (Classroom Norms) बड़ा समूह, छोटा समूह, व्यक्तिगत कार्य, अच्छी आदत का निर्माण, सभी की भागीदारी, अपनी बारी का इंतज़ार करना, स्पष्ट निर्देश, अपेक्षाएँ, पठन सामग्री का उचित इस्तेमाल, गतिविधियों का क्रम, गतिविधियों में बदलाव आदि।

लक्ष्य

LO Code	लर्निंग आउटकम
H303.1	बच्चा घर/स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ स्थानीय भाषा में 3–4 वाक्यों में रख लेता है।
H304.2	बच्चा 10–12 वाक्यों की कहानी को सुनकर समझ लेता है और उसे स्थानीय भाषा में घटनाक्रम के अनुसार पुनः सुना लेता है।
H306	बच्चा आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेता है।
H307	बच्चा पाठ आयु उपयुक्त अज्ञात/पाठ से सम्बंधित अभ्यासों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर उनके अनुसार कार्य कर लेता है।
H309	बच्चा विभिन्न उद्देश्यों जैसे–किसी चित्र/कहानी/घटना पर अपने अनुभव/विचार साझा करने के लिए 1–2 वाक्यों में लघु सन्देश लिख लेता है।

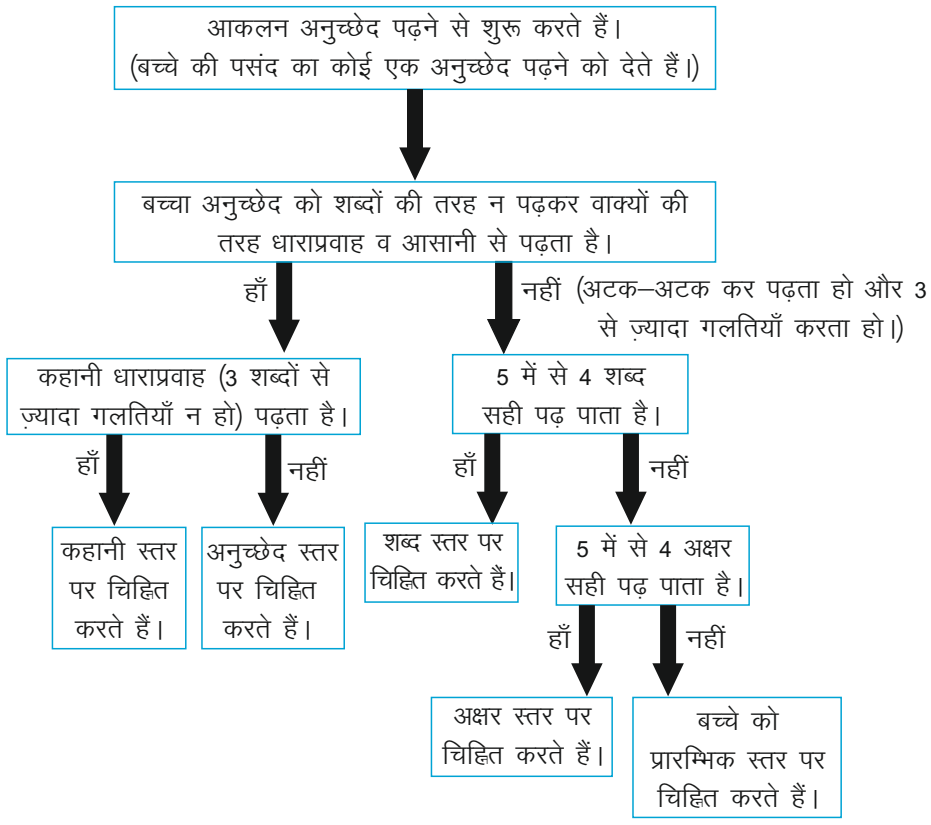
कक्षा में रोज़ाना की जाने वाली गतिविधियाँ

वार्म–अप मौखिक बातचीत	बड़े समूह में	(5–10 मिनट)
कहानी/पाठ सम्बन्धित गतिविधियाँ	बड़े समूह में, छोटा समूह	(20–25 मिनट)
आवाजों के खेल/ डिकोडिंग/बारहखड़ी के खेल	समूह/मिश्रित समूह	
माइंड मैपिंग/स्वतंत्र लेखन/गृहकार्य	बड़े समूह में, छोटा समूह/ मिश्रित समूह और व्यक्तिगत	(5–10 मिनट)

ध्यान दें : *किसी भी गतिविधि में **अत्यधिक समय** देने से पढ़ने–पढ़ाने की प्रक्रिया में संतुलन नहीं हो पाता है, जिसका सीधा प्रभाव बच्चों के सीखने पर पड़ता है। इसलिए कक्षा की गतिविधियों में **संतुलन** बनाए रखना ज़रूरी है। यह भी ध्यान रखते हैं कि **इतना कम समय** भी न दिया जाए कि बच्चों को कुछ समझ में न आए। एक गतिविधि का दूसरी गतिविधि से **कनेक्शन** बनाते हुए आगे बढ़ते हैं। कक्षा की समाप्ति **खेल** से करते हैं ताकि अगले दिन भी कक्षा में आने के लिए बच्चों की रुचि बनी रहे।*

आइए करते हैं

आकलन प्रक्रिया



Sample-1

कहानी

अमन के पिताजी दुकान चलाते थे। दिन भर सब ठीक रहता था। रात को चूहे बहुत परेशान करते थे। अमन ने चूहों को भगाने का एक तरीका सोचा। वह एक बड़ी बिल्ली ले आया। बिल्ली के डर से चूहे अब दुकान में नहीं आते हैं। पिताजी अमन से बहुत खुश हुए। वह अब आराम से दुकान चलाते हैं।

अनुच्छेद

राजू के पास एक गाय है।
वह हरी घास खाती है।
वह बहुत दूध देती है।
दूध से दही बनता है।

अनुच्छेद

सोनम गाना गाती है।
उसे गाना अच्छा लगता है।
उसकी आवाज़ मीठी है।
सब उसे पसंद करते हैं।

अक्षर

म	र	ध
ह	ट	
ड	ब	न
क	ज	

बच्चे से कोई भी 5 शब्द पढ़ने को कहें। उन में से कम 4 सही होने चाहिए।

शब्द

नाक	चूहा	
	खेत	
मोर		पीला
खुश		भैया
	रोटी	
तोता		गिन

बच्चे से कोई भी 5 शब्द पढ़ने को कहें। उन में से कम 4 सही होने चाहिए।

Sample-2

कहानी

सलमा बग़ीचे में घूमने गई। वहाँ आम का एक पेड़ था। पेड़ पर बहुत आम थे। सलमा को आम खाने का मन हुआ। आम ऊपर की डाल पर थे। सलमा के हाथ आम तक नहीं पहुँच पाये। देर तक सोचने के बाद वह एक सीढ़ी लेकर आई। अब आसानी से आम उसके हाथों में आ गए। उसने खूब मज़े से आम खाए।

अनुच्छेद

आज सुबह रानी बाज़ार गई।
बाज़ार में बहुत दुकानें थीं।
रानी ने जलेबी ख़रीदी।
उसे जलेबी खाने में मज़ा आया।

अनुच्छेद

कमल के मामा आए हैं।
मामा का गाँव बहुत दूर है।
मामा बहुत थक गए हैं।
खाना खाकर सोने वाले हैं।

अक्षर

द	ख	र
ब	ल	
ग	ह	त
च	घ	

बच्चे से कोई भी 5 शब्द पढ़ने को कहें। उन में से कम 4 सही होने चाहिए।

शब्द

काम		मैना
	सेब	
हीरा		दिन
मोती		पुल
	आलू	
रोज़		चौकी

बच्चे से कोई भी 5 शब्द पढ़ने को कहें। उन में से कम 4 सही होने चाहिए।

Sample-3

कहानी

गाँव में बरगद का एक पेड़ था। उस पर बहुत सारी चिड़ियाँ रहती थीं। उसकी छाँव में एक कुत्ता भी रहता था। एक दिन एक आदमी उस पेड़ को काटने लगा। तभी एक चिड़िया ने उसके सिर पर ज़ोर से चोंच मारी। कुत्ता ज़ोर से भौंकने लगा। आदमी डरकर भाग गया। सबने मिलकर बरगद के पेड़ को बचा लिया।

अनुच्छेद

सोना के पास एक गेंद है।
गेंद का रंग लाल है।
वह गेंद से खेलती है।
उसे खेलकर मज़ा आता है।

अनुच्छेद

सलीम का गाँव बड़ा है।
गाँव में बहुत पेड़ हैं।
एक बड़ा तालाब भी है।
सलीम गाँव की सैर करता है।

अक्षर

न	त	ज
च	ठ	
प	व	द
घ	ग	

बच्चे से कोई भी 5 शब्द पढ़ने को कहें। उन में से कम 4 सही होने चाहिए।

शब्द

लाल		ताला
	धुन	
पैसा		आलू
सोच		नानी
	फूल	
रोटी		शेर

बच्चे से कोई भी 5 शब्द पढ़ने को कहें। उन में से कम 4 सही होने चाहिए।

- शिक्षक पहला आकलन, आकलन प्रपत्र से करने के बाद अनौपचारिक रूप से आकलन के माध्यम से कार्य का आकलन करते हुए, बच्चों को अगले स्तर की गतिविधियों में जोड़ेंगे। दक्षता न प्राप्त करने वाले बच्चों के साथ पुनः वांक्षित स्तरानुसार शिक्षण कार्य किया जाएगा।
- आकलन करने के बाद सभी बच्चों के स्तर को दर्शाने के निर्धारित फॉर्मेट का प्रयोग करेंगे।
- बच्चों के आकलन के परिणामों के आधार पर शिक्षण योजना बनाएँ। जिन बच्चों की सीखने में प्रगति हो, उन्हें अगले स्तर के समूह में शामिल करें।
- शिक्षक सतत आकलन के आधार पर शिक्षण योजना बनाकर कार्य करते रहेंगे।
- मध्य आकलन के पश्चात वांछित दक्षता प्राप्त न कर सके बच्चों के साथ पुनः स्तरानुसार शिक्षण कार्य किया जाएगा।

प्रगति पत्रक

क्रम संख्या	बच्चे का नाम	पिता का नाम	कक्षा	लिंग 1=M 2=F	टूल सैंपल संख्या	दिनांक..... प्रथम आकलन (उच्चतम स्तर पर चिह्नित करें) भाषा					टूल सैंपल संख्या	दिनांक..... मध्य आकलन (उच्चतम स्तर पर चिह्नित करें) भाषा					टूल सैंपल संख्या	दिनांक..... अन्तिम आकलन (उच्चतम स्तर पर चिह्नित करें) भाषा				
						प्रारंभिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद	कहानी		प्रारंभिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद	कहानी		प्रारंभिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद	कहानी
कुल योग																						

शिक्षक के लिए ज़रूरी बातें

- कक्षा शुरू करने से पहले कक्षा की तैयारी करना, जैसे – समय तय करते हैं, सामग्री को इकट्ठा करते हैं।
- बच्चों को नाम से बुलाते हैं और 'आप' कहकर सम्बोधित करते हैं।
- बच्चों को नाम से जानते हैं उनकी रुचि को समझते हैं।
- समय से 10 मिनट पहले उपस्थित रहते हैं। बच्चों को U आकार में बैठाते हैं।
- कक्षा के शुरू और अंत में मज़ेदार खेल करवाते हैं।
- सरल व स्पष्ट निर्देश देते हैं।
- अगर किसी दिन किसी समूह के कम बच्चे आते हैं, तो उन्हें पास के स्तर वाले समूह में बैठाते हैं।
- हर बच्चा महत्त्वपूर्ण है इसलिए हर बच्चे का सीखना सुनिश्चित करते हैं।
- बच्चों से दोस्ती करते हैं। बच्चों को उनकी घर की भाषा में बोलने का अवसर देते हैं।

शिक्षक के लिए कुछ अन्य बातें

आमतौर पर कक्षा में कुछ बच्चे ऐसे होते हैं, जो कम बोलते हैं। ऐसे बच्चों से दोस्ती करते हैं, उन्हें बोलने का ज़्यादा–से–ज़्यादा मौक़ा देते हैं। साथ ही, उनके कम बोलने की वजह भी तलाश करते हैं, ताकि सही समय पर उनकी मदद की जा सके। जो बच्चे कम बोलते हैं या अपनी बात नहीं रख पाते हैं, तो इसके पीछे एक कारण स्कूल की मानक भाषा भी हो सकती है।

- कुछ बच्चों के सीखने की गति थोड़ी धीमी होती है। शिक्षण प्रक्रिया के दौरान धैर्य रखते हुए और बच्चों को ध्यान में रखकर ही कार्य करते हैं।
- कक्षा में कुछ ऐसे बच्चे भी होते हैं, जो ऊँचा सुनते हैं या जिन्हें देखने में दिक्कत होती है। ऐसे बच्चों के लिए **तेज़ और स्पष्ट उच्चारण में बोलते हैं और उन्हें आगे अपने पास में बैठाते हैं।**
- ऐसे बच्चे जिनको पढ़ने व लिखने में कठिनाई होती है, यानी बच्चों को अक्षर या शब्द उल्टे लिखे हुए दिखते हैं, दो अलग–अलग अक्षर देखने में एक जैसे लगते हैं या **बच्चे लिखते समय अक्षर व मात्रा को उल्टा लिखते हैं।** ऐसे बच्चों को चिह्नित करके उनकी मदद करने की ज़रूरत होती है, जैसे – **फ़्लैश कार्ड पर बने अक्षर की बनावट पर बार–बार उँगली फेरना।** साथ ही, उसी अक्षर को बिंदु के रूप में लिखकर देना ताकि बच्चे उस पर पेंसिल चला सकें। बच्चों के साथ इस तरह की कुछ गतिविधियाँ करने से बच्चों को सीखने में काफी मदद मिलती है।



- बच्चों की पसंद, नापसंद एवं भावनाओं का सम्मान करते हैं।
- कक्षा में किसी का मज़ाक न उड़े और न ही किसी का अपमान हो, ऐसा वातावरण बनाते हैं।
- शिक्षक समस्त गतिविधियों की आवश्यकतानुसार विद्यालय में उपलब्ध प्रिन्टरिच सामग्री, पुस्तकालय की पुस्तकों आदि का प्रयोग करते हैं।
- प्रथम 3 दिन आकलन के पश्चात वार्म–अप (भाषा सम्बंधित) प्रतिदिन 5–10 मिनट की जाएगी।
- कक्षा संचालन से एक सप्ताह पूर्व, बच्चों के साथ खेलो–खेल गतिविधियाँ करते हुए उनके साथ एक सहज एवं अनुकूल वातावरण का निर्माण किया जाएगा। इसके पश्चात उनका आकलन इस प्रकार किया जाएगा कि बच्चों को इसका आभास न हो। आकलन का विवरण प्रगति पत्रक में दर्ज किया जाएगा।
- कक्षा संचालन से पूर्व प्रथम आकलन, नवंबर माह में मध्य आकलन, पाठ्यपुस्तक का कार्य पूर्ण होने के बाद मार्च माह में अंतिम आकलन किया जाएगा।

समूह क्यों और कैसे बनाएँ?

समूह बनाना क्यों ज़रूरी है?

आकलन के आधार पर स्तरानुसार बच्चों के समूह बनते हैं। जब कक्षा में बच्चों के स्तर अलग–अलग और संख्या अधिक हो, तो एक शिक्षक के लिए हर स्तर की गतिविधियाँ कराना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसी स्थिति में शिक्षक को अपनी कक्षा की स्थिति और बच्चों के स्तर को देखते हुए **शुरुआती स्तर भाषा में प्रारंभिक, अक्षर स्तर के बच्चों** पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जब अधिकांश बच्चे एक समान स्तर पर आ जाते हैं, तो आगे की प्रगति कराना सरल हो जाता है। यह TaRL पद्धति का एक प्रमुख सिद्धांत है। समूह में काम करने से बच्चे एक–दूसरे की मदद से कार्य करना, ज़िम्मेदारी लेना और अपनी क्षमताओं को दर्शाना सीखते हैं। इस तरह के गठन से बच्चों को अपने स्तर के अनुसार सीखने के अवसर मिलते हैं और उनके सीखने की प्रक्रिया में निरंतर प्रगति होती है।

कक्षा संचालन

पढ़ने–पढ़ाने से जुड़े उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए गतिविधियाँ पहले बड़े समूह में करने के बाद स्तरानुसार छोटे समूहों में और अंत में व्यक्तिगत रूप से करते हैं। साथ ही, हर एक दिन की शिक्षण योजना इस तरह से तैयार करते हैं कि जब किसी समूह में इनपुट दे रहे हों, तो उससे पहले अन्य समूहों को भी स्तरानुसार टास्क मिल जाए।

बड़े समूह में कार्य	छोटे समूह में कार्य	व्यक्तिगत कार्य
• बड़े समूह में शिक्षक के द्वारा उन गतिविधियों का प्रदर्शन होता है, जिन्हें बच्चों को सीखना है। • बड़े समूह में बच्चे बताई गई गतिविधियों को अच्छे से समझने की कोशिश करते हैं।	• बड़े समूह में की जाने वाली गतिविधियों की पक्की समझ बनाने के लिए बच्चों के छोटे–छोटे समूहों में गतिविधियों का अभ्यास कराया जाता है। • बच्चे समूह में अभ्यास करने के साथ–साथ एक–दूसरे की मदद करते हुए सीखते व सिखाते हैं।	• कुछ गतिविधियों को व्यक्तिगत रूप से करते हैं। कौन–से बच्चे को किस गतिविधि को करने में किस प्रकार की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, यह समझने में आसानी होती है, ताकि उस बच्चे को अलग से इनपुट दिए जा सकें।

शिक्षक समूह कार्य के दौरान बच्चों का सहयोग करते हैं :–

समूह कार्य के दौरान शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि गतिविधियों में सभी बच्चे भाग लें। साथ ही, गतिविधि में बच्चे एक–दूसरे की मदद करते हैं। समूहों में कार्यों का उचित बँटवारा करते हैं। समय–समय पर गतिविधि के अनुसार प्रत्येक बच्चे की ज़िम्मेदारी बदलती है। समूह में एक–दूसरे का ध्यान रखते हैं और सभी को बोलने का अवसर देते हैं। ज़रूरत के अनुसार बच्चे की मदद भी करते हैं। बच्चे समूह में हो रहे कार्य की मिलकर समीक्षा करते हैं और निर्णय लेते हैं। अपने विचारों को तर्क के साथ प्रस्तुत करते हैं।

ध्यान दें– शिक्षक कक्षा / बच्चों के अधिगम स्तर को ध्यान में रखते हुए समूह निर्माण कर सकते हैं।

कक्षा की तैयारी

क्यों करते हैं?

कक्षा को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए पूर्व तैयारी की ज़रूरत होती है। शिक्षक पूर्व तैयारी के दौरान ही यह सुनिश्चित कर लेते हैं कि शिक्षण से जुड़े TLM व अन्य आवश्यक सामग्री को संकलित कर लिया गया है। बच्चे रोज़ाना की जाने वाली गतिविधियों में सहज रूप से जुड़ते हैं। जिज्ञासु व रचनात्मक तरीके से सीखने में शामिल होते हैं और कक्षा में ऐसा वातावरण बन जाता है, जहाँ हर बच्चे को सीखने व गतिविधियों में भाग लेने का मौक़ा मिलता है। इसके लिए कक्षा के शुरुआती दिनों में निम्नलिखित काम करने की ज़रूरत होती है।

वॉर्म–अप

कुछ बच्चे शांत स्वभाव के होते हैं, कम बोलते हैं, लेकिन काफी सक्रिय रहते हैं, कुछ बच्चे बेहद चंचल होते हुए भी सीखने में रुचि रखते हैं। वहीं कुछ बच्चे चंचल तो हैं, लेकिन पढ़ने में बिल्कुल मन नहीं लगाते। कुछ बिल्कुल नहीं बोलते। इसलिए कक्षा के शुरुआती दिनों में हम वॉर्म–अप में ज़्यादा से ज़्यादा शारीरिक गतिविधियाँ जैसे दौड़ने–भागने के खेल करवाते हैं। इससे कक्षा को व्यवस्थित करने में मदद मिलती है। बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। आपसी तालमेल और सहयोग की भावना विकसित होती है। गतिविधियों में बच्चों का ध्यान केन्द्रित होता है। साथ–साथ बच्चे कक्षा में होने वाली गतिविधियों में मिलकर भाग लेते हैं और सीखने का एक आनन्ददायक वातावरण तैयार हो जाता है।

ग्राउन्ड रूल्स

कक्षा में सभी बच्चे बेहतर ढंग से गतिविधियों में भाग लें, इसके लिए शुरुआती दिनों से ही कक्षा में कुछ नियमों पर काम करना ज़रूरी है। यह नियम बच्चों के साथ मिलकर बनाए जाते हैं ताकि कक्षा में सीखने का माहौल बरकरार रहे। इन नियमों को कक्षा में बार–बार बच्चों को याद भी दिलाते हैं, जैसे –

कक्षा के निमय

जवाब देने से पहले हाथ ऊपर करने को कहते हैं।	समूह में मिलकर काम करते हैं।
जूते या चप्पल को लाइन से लगवाते हैं।	सभी का सम्मान करते हैं और दूसरों की बातों को ध्यान से सुनते हैं।
कक्षा में एक बार में दो से अधिक बच्चों को बाहर न जाने को कहते हैं।	यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी बच्चों को बोलने का मौक़ा मिले ।

अभिभावकों से मीटिंग करना

सभी बच्चों के अभिभावकों से मिलकर बच्चों के बारे में छोटी–छोटी बातें जानते हैं, जैसे – वे क्या करते हैं? उन्हें क्या पसंद है? और घर में क्या–क्या करते हैं? बच्चों से स्कूल में क्या हुआ, पूछना, बात करना? बच्चों से पढ़वाना कहानी/कविता यह जानना बच्चों से लिखवाना कविता/कहानी बहुत लाभदायक होता है। इससे कक्षा में बच्चों की नियमित उपस्थिति बनी रहती है। साथ ही, बच्चों के सीखने में अभिभावकों का सहयोग भी मिलता है।

ध्यान दें– अभिभावक से मीटिंग – (SMC की मीटिंग के अवसर पर, अभिभावक बैठक में, फोन के माध्यम से, व्यक्तिगत रूप से मिलकर एवं अन्य तरीको से)

प्रगति पत्रक और शिक्षण योजना

पहली जाँच के तुरंत बाद बच्चों के भाषा व गणित के स्तर के आँकड़ों को **प्रगति पत्रक** में भरकर अपने पास सुरक्षित रखें। इस चार्ट में प्रदर्शित आँकड़ों से स्तरानुसार शिक्षण योजना किस तरह बनाएँ, किस स्तर के लिए किन गतिविधियों का चुनाव करें और किस सामग्री का इस्तेमाल करें, ये समझने में आसानी होती है।

समूह कार्य

पहले दिन से ही कक्षा में रोज़ाना कोई भी एक टास्क या एक्टिविटी समूह कार्य के तौर पर किया जाता है। इससे बच्चों में लीडरशिप की भावना आती है। बच्चे समूह में अपनी भागीदारी समझते हैं, जिम्मेदारी लेते हैं। एक दूसरे की मदद करते हैं और सीखते हैं।

वार्म – अप

बड़े समूह में

क्यों करते हैं?

कक्षा की शुरुआत वार्म–अप के खेल से करते हैं। इससे बच्चों के सीखने के लिए एक माहौल तैयार होता है, जहाँ बच्चे खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। वे डरते नहीं हैं, वे बिना झिझक सवाल पूछते हैं, उनके अंदर आत्म–विश्वास बढ़ता है और वे अपनी बातों को किसी के भी सामने कह पाते हैं। साथ ही, कक्षा की गतिविधियों में बच्चों की भागीदारी बढ़ती है।

कैसे करते हैं?

देखें और समझें

- कक्षा में 'आओ खेलें खेल' परिशिष्ट में से प्रतिदिन कोई दो खेल करवाए जाते हैं। उदाहरण–

1. फ़ायर इन द माउंटेन
2. ज़िप–ज़ैप
3. गेंद फेंकना और पकड़ना
4. अलग–अलग परिस्थितियों में चलना
5. रिले दौड़
6. फ्रीज एंड रिलीज का खेल खेलना

बातचीत/गपशप, सहायक सामग्री : चित्र चार्ट बिग बुक एवं पुस्तकालय में उपलब्ध सामग्री और प्रिन्ट रिच सामग्री

क्यों करते हैं?

देखें और समझें

मौखिक बातचीत से बच्चों की भाषा विकसित होती है। सुनने और बोलने की क्षमताओं का विकास होता है। वे अपने आसपास की चीज़ों के बारे में अपने पूर्व–अनुभव के आधार पर अपनी बातों को आत्म–विश्वास के साथ दूसरों के सामने रख पाते हैं। (यह तभी संभव होता है जब हम बच्चों से दोस्ती करते हैं, उनके साथ खेलते हैं, उन्हें सुनते हैं, उनसे बातचीत करते हैं।)

कैसे करते हैं?

बच्चों से बातचीत कई तरीक़ों से की जा सकती है, जैसे –

बड़े समूह में

- 1 मिनट में बोलो (अलग–अलग पात्रों से जोड़ी में बातचीत करना)
- चित्रों पर बातचीत
- अधूरी कहानी पूरा करो
- किसी विषय पर बातचीत (अपने या बच्चों के किसी अनुभव पर बातचीत)

चित्रों पर बातचीत :

1. बच्चों को चित्र दिखाकर बातचीत करना आसान होता है। चित्र में क्या दिख रहा है?, कौन क्या कर रहा है?, आसपास क्या हो रहा है? क्या इस चित्र से कोई कहानी बन सकती है?, सोचकर बताने के लिए कहते हैं, तो बच्चे बातचीत में शामिल होते हैं।

2. जब बच्चों की बातचीत में भागीदारी बढ़ने लगती है तब उन्हें दो–दो की जोड़ी में बैठने के लिए कहते हैं। उन्हें अपना पात्र खुद से चुनने का मौक़ा देते हैं, जैसे–मछली और तालाब, घड़ी और दीवार, आँख और चश्मा आदि। उन्हें अभ्यास करने के लिए कुछ समय देते हैं। अब हर जोड़ी के बच्चों को 1 मिनट का समय देते हैं और समूह/कक्षा के सामने आकर बोलने के लिए कहते हैं।

देखें और समझें

शिक्षक ध्यान दें–

आप स्पष्ट उच्चारण के साथ बोलते हैं ताकि हर बच्चे तक आवाज़ पहुँच सके।	हर बच्चे को अपनी बात कहने का मौक़ा दिया जाता है।	कुछ बच्चों को ज़्यादा समय की ज़रूरत होती है इसका ख़्याल रखा जाता है।	बच्चों को समय–समय पर प्रोत्साहित किया जाता है।	शुरुआती दिनों में बच्चों के साथ उनके घर की भाषा का इस्तेमाल करने से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

क्यों करते हैं?

बच्चों को कहानियाँ पसंद होती हैं। कहानी के पात्र और घटना बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इनके माध्यम से बच्चे अपनी ज़िंदगी के अनुभवों को जोड़ पाते हैं। इससे बच्चों की कल्पनाशीलता बढ़ती है, शब्दावली बढ़ती है। साथ ही, तर्क–वितर्क करने और सोच–विचार करने की क्षमता भी विकसित होती है।

देखें और समझें

कैसे करते हैं?

कहानी/पाठ सम्बंधित गतिविधियाँ :

एक कहानी पर दो दिन कार्य करते हैं। दोनों दिन के लिए अलग–अलग शिक्षण योजना बनाते हैं।



बड़े समूह में

- बच्चों के साथ कहानी के नाम या चित्र पर चर्चा करते हैं।
- बच्चों को हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाते हैं। **बच्चे सिर्फ़ सुनते हैं, पीछे–पीछे नहीं दोहराते हैं।**
- कहानी पर बच्चों से चर्चा करते हैं (बातचीत ऐसी होती है जिसमें बच्चों को सोचकर जवाब देने का मौक़ा मिलता है। चर्चा को बढ़ाने के लिए तथ्य, अनुमान वाले, शब्द भंडार, अपनी राय अथवा सोच–विचार आदि करने वाले प्रश्नों की विविधता को शामिल करते हैं। **शुरुआत में बातचीत बच्चों की घर की भाषा में करते हैं**। चर्चा में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।
- जब कहानी पर चर्चा होती है, तो यह संभव है कि चर्चा फैल जाए और बच्चों के अलग–अलग विचार निकल कर आएँ। लेकिन इसका ख्याल रखा जाता है कि चर्चा को अंत में समेटा भी जाए।
- फिर पुनः कहानी के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखकर धीमी गति से पढ़कर सुनाते हैं। कहानी पढ़ते समय इस बात का ध्यान रखते हैं कि प्रत्येक बच्चे के पास कहानी की अपनी किताब हो और वे पाठ पर उँगली चला रहे हों। **4–5 दिन बाद शब्द स्तर के बच्चों को ख़ुद कहानी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।**

अभ्यास कार्य	प्रारम्भिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद
छोटे समूह में	• बच्चों को छोटे समूहों में कहानी पढ़ने का अभ्यास करने के लिए कहते हैं। हर समूह में एक लीडर होता है, जो ज़रूरत पड़ने पर बच्चों की मदद करता है। बच्चे बारी–बारी कहानी के एक–एक वाक्य पढ़ते हैं और उस समय बाकी बच्चे कहानी पर उँगली चलाते हैं। शब्द स्तर के बच्चे समूह में सहयोग करते हैं। समूह से 1–2 बच्चों को पढ़ने का मौक़ा देते हैं। जिस समूह में शब्द स्तर का बच्चा नहीं होता, वहाँ शिक्षक बच्चों की मदद करते हैं।			सभी बच्चे अपने समूह में कहानी को हाव–भाव से पढ़ने का अभ्यास करते हैं। हर समूह से कोई एक बच्चा सामने आकर कहानी/अनुच्छेद पढ़कर सुनाता है।
व्यक्तिगत	• कहानी में आए मनपसंद शब्दों पर गोला लगाने के लिए कहते हैं। • यदि बच्चे शब्द नहीं ढूँढ पाते हैं, तो ऐसे बच्चों को मनपसंद अक्षर ढूँढकर बताने के लिए कहा जाता है।	बच्चे कहानी में आए मनपसंद शब्दों को ढूँढकर अपनी कॉपी में लिखते हैं।		• कहानी से मनपसंद शब्द ढूँढने, लिखने और उनसे एक वाक्य बनाने के लिए कहते हैं। • कुछ दिनों बाद बच्चों को ख़ुद से अपने समूह में कहानी पर प्रश्न बनाने और एक दूसरे समूह से पूछने के लिए कहते हैं।

ध्यान दें– शिक्षक द्वारा घूमते हुए बच्चों को दिए गए टास्क को देखकर अवलोकन किया जाता है। यदि किसी बच्चे को व्यक्तिगत मदद की ज़रूरत होती है तो उनकी मदद की जाती है।

आवाज़ों के खेल

बड़े समूह में

क्यों करते हैं?

इस गतिविधि को करने से बच्चों में ध्वनि की इकाइयों और उनके चिह्नों के बीच बने आपसी सम्बंध को समझने, उसको उच्चारित करने तथा पहचानने व लिखने की समझ विकसित होती है। साथ ही, बच्चे जल्दी शब्द बनाना सीख जाते हैं।

कैसे करते हैं?

मौखिक : आवाज़ों के खेल अलग–अलग तरीक़ों से कक्षा में कराए जाते हैं।

1. शुरुआत में 10–12 आसान अर्थपूर्ण शब्दों की आवाज़ों को अलग–अलग करने के लिए कहा जाता है, **जैसे**– राजा– **रा जा** रात– **रा त,** मीना– **मी ना**, नाना– **ना ना,** गीत– **गी त,** जादू– **जा दू**।
2. फिर 10–12 नए शब्दों की अलग–अलग आवाज़ें बोली जाती हैं। बच्चे इन आवाज़ों को मिलाकर शब्द बोलते हैं।
   जैसे– री ना – **रीना**, जा ग– जाग, सा थ– **साथ**, मै दा न – **मैदान** मो र– **मोर**, नो ट – **नोट**।
3. तीसरी गतिविधि में कुछ शब्द बोले जाते हैं और बच्चों से इनकी पहली, दूसरी या तीसरी आवाज़ें पूछी जाती हैं,
   जैसे– पानी शब्द में पहली आवाज़– **पा** दूसरी आवाज़– **नी** राजा शब्द में पहली आवाज़– **रा** दूसरी आवाज़– **जा**
4. **ची** में नई आवाज़ मिलाकर शब्द बनाकर बताने को कहते हैं, जैसे – **चील, चीनी, चीता** आदि।
5. शब्दों में आगे–पीछे की आवाज़ें हटाकर नई आवाज़ें लगाने को कहते हैं।
   पानी शब्द में पहली आवाज़ हटाकर नई आवाज़ लगाकर नया शब्द बनाकर बताने को कहते हैं।
   मैदा शब्द में दूसरी आवाज़ हटाकर नई आवाज़ लगाकर नया शब्द बनाकर बताने को कहते हैं।
6. **ची** आवाज़ से पाँच शब्द लिखने को कहते हैं। जैसे – **चीनी, चील, चीन**
   नू आवाज़ से पाँच शब्द बनाकर लिखने को कहते हैं। जैसे – **नूरी, नूतन, नूर**

अभ्यास कार्य	प्रारम्भिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद

छोटे समूह में

• खेल :

• बच्चे के छोटे समूह में आवाज़ों के खेल का अभ्यास, जैसे – पालक शब्द की पहली आवाज़ पूछते हैं।

• पा आवाज़ में कौन–सा अक्षर है, बच्चों से पूछते हैं।

• 'प' अक्षर से शुरू होने वाली पाँच चीज़ों के नाम बच्चों से सोचने और एक–दूसरे को बताने के लिए कहते हैं।

• 'आओ खेलें खेल' परिशिष्ट से अक्षर पहचान के कोई दो खेल कराते हैं,

• जैसे – अक्षर पर कूदो, जोड़ी बनाओ।

मिलते–जुलते शब्द

• चोर, मोर, शोर, पोर, भोर बच्चों को भी इसी तरह के शब्द बोलने के लिए प्रेरित करते हैं।

अब बच्चों को आवाज़ों में नई–नई आवाज़ें मिलाकर शब्द बनाने के लिए कहते हैं।

नी **ला** – नील, नीम, नीर
पी **ला** – पीला, पीता, पीर
सी **ता** – सीत, सीना, सीटी

इसी प्रकार ज़रूरत के अनुसार बच्चों से मात्राएँ बदलकर इन गतिविधियों को लिखित व मौखिक दोनों तरह से करने के लिए कहा जा सकता है।

शब्द भंडार की गतिविधियाँ:

• बच्चों को दो–तीन आवाज़ें लिखकर देते हैं। अब बच्चों से उन आवाज़ों से शुरू होने वाले शब्द बनाने के लिए कहा जाता है।

जी – जीत, जीना, जीप, जीव
पी –
सी –
ही –

इस तरह बच्चों के पास शब्दों की सूची तैयार हो जाएगी।

• अनुच्छेद पढ़ने का अभ्यास :
• समूह में प्रत्येक बच्चे को 1–1 अनुच्छेद देते हैं।
• बच्चे अनुच्छेद को पढ़ते हैं। पढ़ने में एक–दूसरे की मदद करते हैं।
• फिर आपस में एक–दूसरे से अनुच्छेद बदलते हैं और पढ़ते हैं।

ध्यान दें– बच्चों को उनकी समझ व ज़रूरत के अनुसार गतिविधि करने के स्तर को बढ़ाना चाहिए, जैसे – बच्चे शब्दों को जोड़–तोड़कर पढ़ने लगते हैं तब हम इन गतिविधियों को छोड़कर पढ़ने के अभ्यास पर ज़्यादा काम करते हैं।

बारहखड़ी

क्यों करते हैं?

बारहखड़ी वाचन से ध्वनि–चिह्नों एवं इसकी इकाइयों की समझ व पहचान होती है। शब्दों को जोड़–तोड़ कर पढ़ने एवं किसी भी वाक्य को धारा–प्रवाह पढ़ने की दक्षता में बढ़ावा मिलता है। साथ ही, लेखन की त्रुटियों को ठीक करने में मदद मिलती है।

कैसे करते हैं?

बड़े समूह में

- आवाज़ों के खेल में लिए गए किसी एक शब्द को चुनते हैं और उसकी आवाज़ें अलग करते हैं।
- बारहखड़ी चार्ट में बच्चों से उस शब्द का पहला अक्षर पूछते हैं, जैसे 'प' कहाँ है?
- फिर बच्चों को 'प' की बारहखड़ी पढ़कर सुनाते हैं। बच्चे ध्यान से सुनते हैं और अपने–अपने कार्ड पर उँगली चलाते हैं **पीछे–पीछे दोहराते नहीं हैं।**
- 4–5 बच्चों को उस अक्षर की बारहखड़ी सामने आकर पढ़ने के लिए कहते हैं।
- बच्चों से बीच–बीच में से भी बारहखड़ी की इकाई पूछते हैं, जैसे : पा, पु, पो आदि।

अभ्यास कार्य	प्रारम्भिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद
छोटे समूह में	• अब बच्चे अपने समूह में बारहखड़ी पढ़ने का अभ्यास करते हैं। समूह में बच्चे एक–दूसरे की मदद करते हैं। • पढ़ी गई बारहखड़ी की लाइन से मनपसंद अक्षर/शब्द ढूँढ़कर लिखने के लिए कहते हैं, जैसे : – प, पापा, पापी, पीपा, पाप।		बच्चे एक या दो अक्षर की बारहखड़ी से शब्द बनाते हैं, जैसे – र और न की बारहखड़ी से शब्द बनाना। र रा रि री रु रू रे रै रो रौ रं रः न ना नि नी नु नू ने नै नो नौ नं नः	• बारहखड़ी चार्ट की मदद से सूची बनाने के लिए कहते हैं, जैसे –दुकान के सामान की सूची, रसोई–घर के सामान की सूची आदि। • ऐसे शब्द बनाने को कहते हैं, जिसमें 'दी' की आवाज़ आती हो। जैसे – नदी, दीवार, दीपक आदि। • ढ अक्षर से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बनाने को कहते हैं, जैसे – ढाल, ढोलक, ढाक आदि।

व्यक्तिगत			
	बच्चे को 'प' अक्षर से शुरू होने वाले शब्द बोलने को कहते हैं।	बच्चे को शब्दों से कोई वाक्य बोलने और लिखने के लिए कहते हैं।	बारहखड़ी की मदद से बनाए गए नए शब्दों से अनुच्छेद लिखने के लिए कहते हैं।

ध्यान दें– शिक्षक द्वारा घूमते हुए बच्चों को दिए गए, टास्क को देखकर अवलोकन किया जाता है। यदि किसी बच्चे को व्यक्तिगत मदद की ज़रूरत होती है तो उनकी मदद की जाती है।

कक्षा में कुछ ऐसे बच्चे होते हैं जिन पर ज़्यादा समय देने की ज़रूरत होती है। ऐसे बच्चों को पहचानकर उन्हें एक या दो इकाइयों के साथ ज़्यादा से ज़्यादा अभ्यास करवाते हैं।	कुछ अक्षर ज़मीन पर लिखे जाते हैं। एक–एक करके अक्षर बोले जाते हैं और बच्चों को अक्षरों पर कूदने के लिए कहते हैं।	रोज़ाना बच्चों को 'आओ खेलें खेल' परिशिष्ट से खेल बदल–बदल कर खेलने के लिए कहते हैं।	बच्चों के साथ शुरुआत में परिचित अक्षरों से गतिविधि कराई जाती है। धीर–धीरे अपरिचित या जिनका इस्तेमाल आमतौर पर कम होता है, जैसे – थ, झ, ड, ढ आदि अक्षरों से भी गतिविधि कराते हैं।

ध्यान दें– शिक्षक अलग–अलग दिनांक में अन्य अक्षरों की बारहखड़ी के द्वारा नये–नये शब्दों के निर्माण की गतिविधि करायें।

बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः

बारहखड़ी

द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः

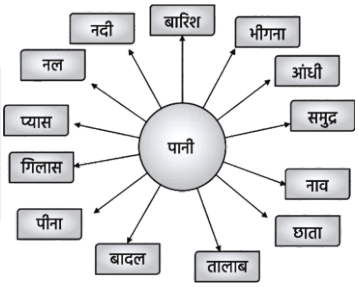
बड़े समूह में

पहला दिन

माइंड मैपिंग

क्यों करते हैं?

माइंड मैपिंग एक ऐसी गतिविधि है, जिससे बच्चे नए–नए शब्द और शब्दों से जुड़े सम्बंधों को सीखते हैं। साथ ही, बच्चों का शब्दकोश बढ़ता है। बच्चे संदर्भ के अनुसार शब्दों का वर्गीकरण करते हैं। अलग–अलग वाक्यों में प्रयोग करते हैं। इससे उनका लेखन कौशल भी बढ़ता है।



कैसे करते हैं?

माइंड मैपिंग की गतिविधि के लिए किसी ऐसे शब्द का चयन करते हैं, जिस पर बच्चे ज़्यादा–से–ज़्यादा शब्द बता पाते हैं। अब बच्चों से पूछते हैं : 'पानी' शब्द सुनकर आपके दिमाग / मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं? बच्चों द्वारा बोले गए शब्दों को बोर्ड या ज़मीन पर लिखते हैं। अनुच्छेद / कहानी स्तर के बच्चे अपने बोले गए शब्दों को स्वयं लिखते हैं।

माइंड मैपिंग की गतिविधि के दौरान बच्चों के द्वारा बताए गए शब्दों का वर्गीकरण करने को कहा जाता है, जैसे –

पानी के स्रोत	मौसम	वस्तुएँ	अनुभव
समुद्र	बारिश	छाता	प्यास
नदी	बादल	नल	पीना
तालाब	आँधी	गिलास	भीगना

अभ्यास कार्य	प्रारम्भिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद
व्यक्तिगत	माइंड मैपिंग के दौरान कौन–से शब्द ऐसे हैं, जिनमें 'प' अक्षर का इस्तेमाल किया गया है, उस पर गोला लगाने को कहते हैं। फिर उन शब्दों को लिखने के लिए कहते हैं। (बच्चे ये शब्द ज़मीन पर भी लिख सकते हैं।)	माइंड मैपिंग में आए शब्दों में से कुछ अक्षर बच्चों को देते हैं, जैसे :– स, प, न, ल, ब और उन्हें कुछ शब्द बनाने के लिए कहते हैं। बच्चों ये शब्द कॉपी पर लिखने के लिए कहेंगे।	बच्चों को माइंड मैपिंग में आए 4–5 शब्द देकर उनसे वाक्य बनाकर लिखने के लिए कहते हैं, जैसे : **बारिश** : आज बारिश नहीं हुई। **आँधी** : आँधी आ गई।	बच्चे माइंड मैपिंग द्वारा बोर्ड पर आए शब्दों में से 5 शब्द अपनी पसंद के चुनते हैं। फिर उन शब्दों से कोई कहानी सोचते हैं और लिखते हैं।
			ध्यान दें– लिखने के बाद कहानी को पढ़ते हैं और मात्रात्मक गलतियाँ (वर्तनी), क्रम, वाक्य संरचना आदि त्रुटियों को ठीक करके अपनी कक्षा में सुनाते हैं।	

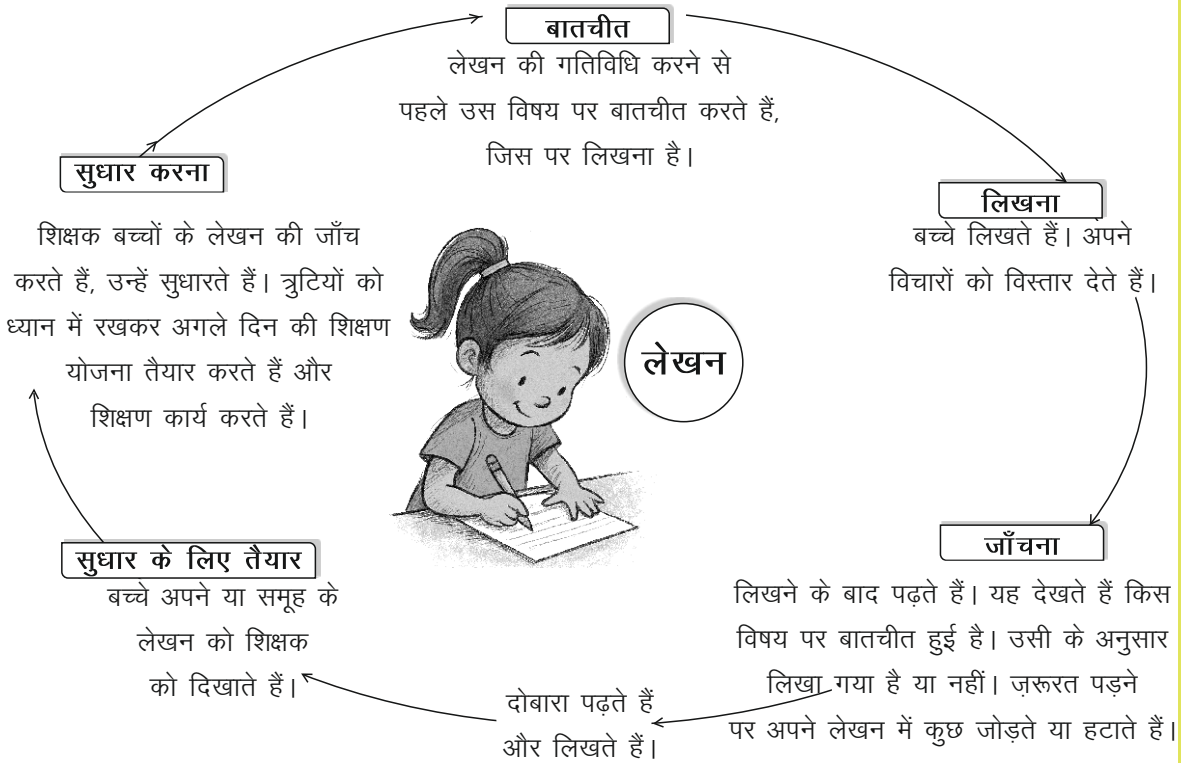
ध्यान दें– शिक्षक द्वारा घूमते हुए बच्चों को दिए गए, टास्क को देखकर अवलोकन किया जाता है। यदि किसी बच्चे को व्यक्तिगत मदद की ज़रूरत होती है तो उनकी मदद की जाती है।

दूसरा दिन
क्यों करते हैं?

*अच्छे लेखन के दो भाग होते हैं : **विषयवस्तु और क्रमबद्धता**। विषयवस्तु का अर्थ है कि आप जिस विषय पर लिखना चाहते हैं, उस विषय से सम्बंधित विचारों की स्पष्टता व व्यवस्था हो। क्रमबद्धता से मतलब है जो कुछ भी लिखा गया है, उसमें वाक्य संरचना का सही उपयोग, वाक्यों में तालमेल, उचित जगहों पर विराम चिह्नों का प्रयोग और मात्राओं का सही प्रयोग करना आदि। किसी भी विषय पर लिखने के बाद उसे पढ़कर पुनः उसकी विषयवस्तु और क्रमबद्धता की जाँच करना, बच्चों की लेखन क्षमता को और भी बेहतर बनाता है।*

कैसे करते हैं?

माइंड मैपिंग की गतिविधि के लिए किसी ऐसे शब्द का चयन करते हैं, जिस पर बच्चे ज़्यादा–से–ज़्यादा शब्द बता पाते हैं। अब बच्चों से पूछते हैं : 'पानी' शब्द सुनकर आपके दिमाग/मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं? बच्चों द्वारा बोले गए शब्दों को बोर्ड या ज़मीन पर लिखते हैं। अनुच्छेद/कहानी स्तर के बच्चे अपने बोले गए शब्दों को स्वयं लिखते हैं।



कैसे करते हैं?

बड़े समूह में

कक्षा में लेखन की गतिविधि करने से पहले अलग–अलग विषय, चित्र, थीम, शब्दों के साथ–साथ संवादों पर भी बातचीत की जा सकती है।

नमूना 1 – चित्र पर बातचीत

चर्चा



- चित्र में क्या–क्या दिख रहा है?
- इसमें क्या हो रहा है?
- लोग क्या कर रहे हैं?
- यह कहाँ का चित्र है?
- इस चित्र में आपका पसंदीदा जानवर कौन–सा है और क्यों?

नोटः इसी प्रकार के अन्य चित्र चार्ट का प्रयोग करते हुए बातचीत की जा सकती हैं।

नमूना 2 – विषय पर बातचीत

चर्चा



- आपने मटका देखा है?
- उसका आकार कैसा होता है?
- हमारे किस काम आता है?
- मटके में पानी रखने का क्या फ़ायदा है?
- मटके में पानी ठंडा क्यों रहता है?
- मटका किन चीज़ों से बनता है?
- अगर मटका गिर जाए तो क्या होगा?

नमूना 3 – शब्दों पर बातचीत

फूल और शादी

- कौन–कौन से फूल होते हैं?
- फूल का इस्तेमाल कहाँ–कहाँ होता है?
- शादी में कौन–कौन होता है?
- इन दो शब्दों (फूल और शादी) की मदद से कोई एक कहानी सुना सकते हैं? फिर बच्चों को कहानी सुनाने के लिए कहते हैं।

नमूना 4 – संवाद करना

टी.वी. और फोन

बाद के दिनों में बच्चों को दो–दो की जोड़ी में बैठने को कहते है। उन्हें अपनी पसंद से पात्र चुनने के लिए कहते हैं, जैसे – टी.वी. और फोन। बच्चे अपने–अपने पात्र चुनते हैं। फिर 5 मिनट तक उस पात्र के रूप में एक–दूसरे से संवादों का अभ्यास करते हैं। इसके बाद, हर जोड़ी को एक मिनट का समय मिलता है। टी.वी. और फोन बनकर बातें करते हैं।

शुरुआत में बच्चों के साथ उपर्युक्त नमूना 1– चित्र कार्ड की सहायता से बातचीत इस तरह से करते हैं कि बच्चे स्वयं चर्चा में शामिल हो जाते हैं। चित्र पर चर्चा करने के बाद बच्चों को स्तरानुसार लिखने के निर्देश देते हैं। आगे अन्य नमूनों पर भी कार्य किया जाता है।

अभ्यास कार्य	प्रारम्भिक	अक्षर	शब्द	अनुच्छेद
व्यक्तिगत	बच्चों को कोई मनपसंद चित्र बनाने और उसके बारे में लिखने के लिए कहते हैं।	चित्र पर जो बातचीत हुई है उसके बारे में लिखने के लिए कहते हें।	चित्र पर जो बातचीत हुई है उससे सम्बंधित पाँच वाक्य लिखने के लिए कहते हैं।	चित्र पर जो बातचीत हुई है उससे सम्बंधित अनुच्छेद या एक छोटी कहानी लिखने के लिए कहते हैं।

छोटे समूह में

समीक्षा

उपर्युक्त उदाहरणों में आपने देखा कि कैसे बच्चों के साथ अलग–अलग तरह से बातचीत की जाती है। बातचीत के बाद बच्चों को लिखने के लिए निर्देश दिए जाते हैं। बच्चों के लेखन के नमूनों को भी प्रदर्शित किया जाता है। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि किस बच्चे को किस स्तर का निर्देश दिया जाए। शुरुआत में कुछ बच्चे चर्चा में ज़रूर भाग लेते हैं। लिखने में केवल आड़ी–टेढ़ी लकीरें ही खीचते हैं या जो नही लिख पा रहे हैं, ऐसे बच्चे से यह ज़रूर पूछते हैं कि उन्होंने क्या बनाया या क्या लिखा है। कुछ बच्चे जब लिखते हैं तब लिखते समय उनकी मात्रात्मक ग़लतियाँ काफ़ी होती हैं। ऐसे बच्चों को हम समूह में लेखन को पढ़वाकर बारहखड़ी की मदद से ठीक करवाते हैं।

ध्यान दें– किसी भी चित्र, विषय या शब्दों पर बातचीत करते हुए चर्चा ऐसी होनी चाहिए, जिसमें स्वयं जुड़ते जाएँ और चर्चा का हिस्सा बनते जाएँ बातचीत प्रश्नों पर आधारित नहीं होनी चाहिए। चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए प्रश्नों का केवल सहारा लिया जा सकता है।

शनिवार के दिन की ख़ास गतिविधि (रोल प्ले)

क्यों करते हैं?

किसी भी विषय पर रोल प्ले से बच्चे उस विषय से भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं और उस विषय पर अपने विचार बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर पाते हैं। रोल प्ले करने से बच्चों की रचनात्मकता, सृजनात्मकता व तर्क–वितर्क करने की दक्षता विकसित होती है। साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है और निर्णय लेने की दक्षता भी विकसित होती है।

कैसे करते हैं?

छोटे समूह में

- पूरे सप्ताह में पढ़ाई गई अलग–अलग कहानियाँ बच्चों को पढ़ने के लिए अलग–अलग समूह में दी जाती है।
- बच्चे कहानी को फिर से पुनः पढ़ते हैं, कहानी और अनुच्छेद के बच्चे, प्रारम्भिक अक्षर व शब्द स्तर के बच्चों की पढ़ने में मदद करते हैं।
- कहानी पढ़ने के बाद रोल प्ले के लिए सभी बच्चे अपनी भूमिका का चयन करते हैं।
- रोल प्ले क्या होता है, कैसे करना है बच्चों को बताते हैं।
- बच्चे समूह में रोल प्ले के संवादों पर आपस में चर्चा करते हैं और अनुच्छेद/कहानी स्तर के बच्चे संवाद लिखते हैं। समूह में रोल प्ले का अभ्यास करते हैं।

बड़े समूह में

- बच्चे U आकार में बैठते हैं। प्रत्येक ग्रुप बड़े समूह में रोल प्ले का प्रदर्शन करते हैं।
- **फीडबैक–** रोल प्ले देखने वाले सभी बच्चे बताते हैं कि उन्हें रोल प्ले में क्या अच्छा लगा। साथ ही, यह भी बताते हैं कि रोल प्ले में और क्या बेहतर किया जा सकता है।
- इसी प्रकार बाकी सभी समूह एक–एक करके अपने रोल प्ले का प्रदर्शन करते हैं।

ध्यान दें– अनुच्छेद/कहानी के बच्चे सभी समूह में शामिल होते हैं। प्रारंभिक, अक्षर और शब्द स्तर के बच्चों को साथ में रहते हुए उनकी मदद करते हैं।

रोल प्ले करते समय ध्यान रखने योग्य बातें :-

- रोल प्ले के दौरान सभी बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।
- प्रत्येक बच्चे को पात्र के अनुसार चेहरे पर मौजूद भाव लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- रोल प्ले के लिए समय सीमा तय करते हैं, ताकि सभी समूहो को प्रस्तुत करने का मौक़ा मिल पाए।



नोटः
परिशिष्ट (पृष्ठ संख्या 148 से 169) में दी गई 12 पृष्ठों की सामग्री मुख्यरूप से 'आओ बच्चों करें कमाल' Catch-up की पूरक सामग्री है। इसका उपयोग विद्यार्थियों के भाषाई अभ्यास और दक्षता संवर्धन के लिए किया जाना है।

निपुण सूची कक्षा–4

कोड	लर्निंग आउटकम
H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और उन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।
H402	बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है।
H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।
H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।
H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।
H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी/निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।
H407	बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है।
H408	बच्चा नये शब्दों, विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।
H409	बच्चा पाठ/पाठ्यांश से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।
H410	बच्चा कविता/कहानी/पाठ का भाव/सारांश/निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।
H411	बच्चा चित्रों को देखकर कहानी लिख लेता है और अधूरी कहानी पूरी कर लेता है।
H412	बच्चा 4–6 वाक्यों वाले संदेश/प्रार्थना पत्र लिख लेता है।
H413	बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।
H414	बच्चा विराम चिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।
H415	बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।
H416	बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।

पाठ्यपुस्तक आधारित कार्ययोजना– (लर्निंग आउटकम और विषय के सापेक्ष)

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 1 चिड़िया का गीत (11 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1–कविता विधा से परिचित कराते हुए कविता का वाचन करना।
			2– कविता का भाव स्पष्ट करना। • विविध भाषायी कौशलों का विकास करना।
	H402	बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है।	3– कविता की पंक्तियों को समझ के साथ मिलान करना। • कविता के भाव को समझना।
	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	4– पर्यावरण एवं पशु–पक्षियों से सम्बन्धित अनुभव साझा करना। • वाक्य रचना करना
	H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	5– चित्रों/दृश्यों को समझकर अनुमान एवं कल्पना के आधार पर प्रश्नों का उत्तर देना। • सृजनात्मकता को बढ़ावा देना।
	H409	बच्चा पाठ पाठ्यांश से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	6– चित्रों/दृश्यों को समझकर अनुमान एवं कल्पना के आधार पर प्रश्नों का उत्तर देना। • भाषा आधारित प्रश्नों को हल करना।
			7– अनुभव एवं ज्ञान को साझा कर अपनी समझ के अनुसार कलात्मक कार्य करना एवं रोल प्ले करना।
	H410	बच्चा कविता कहानी/पाठ का भाव सारांश निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	8– अनुभव एवं ज्ञान को साझा कर अपनी समझ के अनुसार कलात्मक कार्य करना।
	H415	बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।	9– बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करना। • पहेलियों का निर्माण एवं हल कर पाना।
			10– आकलन
	H416	बच्चा दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	11– पुनरावृत्ति
पाठ 2 बगीचे का घोंघा (कहानी) (7 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1– कहानी विधा से परिचित कराना • कहानी हावभाव के साथ सुनाना • कहानी का भाव समझकर उसके विषय में मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना। • कहानी को रोचक ढंग से सुनाना तथा कहानी की घटनाओं पर चर्चा करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 2 बगीचे का घोंघा (कहानी) (7 दिन)	H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	2– पाठ का सारांश सुनाना • बच्चों की तार्किक क्षमता को बढ़ावा देना • कहानी पर आधारित अभ्यास प्रश्नों का उत्तर देना
	H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी, निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	3– वाक्य निर्माण एवं मिलान करना। • रचनात्मकता का विकास करना 4– पर्यावरण से सम्बंधित अनुभव साझा करना। • पर्यवारण के प्रति जागरूक करना।
	H410	बच्चा कविता कहानी / पाठ का भाव सारांश निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	5– अनुमान एवं कल्पनाशीलता विकसित करना। 6– आकलन 7– पुनरावृत्ति
पाठ 3 नीम (कविता) (9 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1– कविता विधा से परिचित कराते हुए मौखिक, पठन एवं लिखित भाषायी कौशलों में सक्षम बनाना।
			2– कविता का भाव स्पष्ट करना।
	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	3– चित्र पर बातचीत की क्षमता विकसित करना। • लेखन क्षमता को विकसित करना।
	H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	4– पाठ में आए संज्ञा, क्रिया, शब्दों की पहचान के साथ लेखन कौशल का विकास करना।
			5– बच्चा विभिन्न क्रियाओं जैसे हँसना, गाना आदि का अभिनय कर लेता है।
	H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी, निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	6– पत्तियों एवं वृक्षों के बारे में बता लेता है।
			7– बच्चा अधूरे वाक्य को पूरा कर लेता है एवं दिए गए शब्दों पर अपने विचार व्यक्त कर लेता है।
	H407	बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है।	8– आकलन
	H409	बच्चा पाठ, पाठ्यांश से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	9– पुनरावृत्ति
	H413	बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	
	H416	बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
कितना सीखा (1)			
पाठ 4 हमारा आहार (कविता) (8 दिन)	H401 H405 H407 H415	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है। बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है। बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है। बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।	1– चित्रों के माध्यम से कविता की विषयवस्तु पर समझ बनाना। 2– आदर्श वाचन के माध्यम से पाठ की समझ बनाना। 3– कविता का सस्वर वाचन और पठन का आनंद लेना। • प्रश्नोत्तर/बातचीत से मौखिक,लिखित अभ्यास कराना। 4– विपरीत व प्रत्यय शब्दों की समझ व अभ्यास लेखन व पठन अभ्यास 5– पाठ से सम्बंधित शब्दों की समझ व लेखन। • वर्ण बदलकर नए शब्द बनाना। • सब्ज़ियों के स्थानीय नामों से परिचित कराना। 6– चित्रों के माध्यम से वाक्य निर्माण कराना तथा सब्जियों का अभिनय करवाना। 7– आकलन 8– पुनरावृत्ति
पाठ 5 हौसला (कहानी) (8 दिन)	H401 H402 H405 H407 H408 H409 H414	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है। बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है। बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है। बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है। बच्चा नये शब्दों विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा पाठ, पाठ्यांश से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है। बच्चा विरामचिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	1– कहानी विधा से परिचित कराते हुए रोचक ढंग से कहानी सुनाना तथा कहानी की घटना पर चर्चा करना। 2– कहानी को उचित प्रवाह, उतार चढ़ाव एवं शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना, अपने शब्दों में सुनाना व पाठ में आए चित्रों, घटनाओं पर चर्चा करना। 3– कहानी में आए अपरिचित शब्दों के अर्थों की समझ विकसित करना। • वर्तनी की शुद्धता, विराम चिह्नों शब्द–युग्म एवं अभ्यास प्रश्नों पर कार्य। 4– वाक्य निर्माण तथा प्रश्नों पर चर्चा करना। 5– अनुमान एवं कल्पना से कहानी निर्माण करना। 6– प्रिंट रिच सामग्री/संकेतों को देखकर समझकर प्रयोग कर पाते हैं। 7– आकलन 8– पुनरावृत्ति

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 6 जयपुर से पत्र (पत्र लेखन) (11 दिन)	H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	1– पत्र विधा से परिचित कराते हुए एक दूसरे को सन्देश पहुँचाने वाले साधनों और उनके प्रयोग की विशेषताओं से परिचित कराना।
	H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	2– पाठ को पढ़ना एवं प्रश्नों के माध्यम से उस पर चर्चा करना ।
	H409	बच्चा पाठ पाठयांश से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	3– पाठ में निहित भावों एवं विचारों को समझना।
	H412	बच्चा 4–6 वाक्यों वाले संदेश/प्रार्थना पत्र लिख लेता है।	4– बच्चे पाठ में वर्णित स्थानों को पहचानेंगे और उनके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
	H413	बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	5– पाठ में आए संज्ञा, सर्वनाम शब्दों की पहचान।
	H416	बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	6– पाठ में आए क्रिया व विशेषण शब्दों की पहचान।
			7– डाक पेटी और पिनकोड के प्रयोग के बारे में समझ बनाना।
			8– पत्र लेखन का अभ्यास कराना
			9– शब्दों से वाक्य बनाना एवं शब्दों को ढूँढ़ना। उपसर्ग एवं प्रत्यय लगाकर शब्द बनवाना।
			10– आकलन
			11– पुनरावृत्ति
कितना सीखा (2)			
पाठ 7 नकली हीरे (चित्रकथा) (10 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1– बच्चों को चित्रकथा विधा से परिचित कराना। • पूर्व में सुनी गई कहानी बच्चों से सुनना।
	H402	बच्चा किसी विषय, बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है।	2– कहानी का आदर्श वाचन और बच्चों के साथ छोटे –छोटे समूह में स्वतंत्र पठन। • प्रश्न उत्तर के माध्यम से लेखन कार्य।
	H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	3– पाठ में दिए गए QR Code को स्कैन करके बच्चों को सुनाना और बच्चों से सारांश लिखवाना। • पाठ्यपुस्तक में दिये गये प्रश्नों पर कार्य।
	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	4– बच्चों में आदर्श वाचन के माध्यम से पाठ की समझ बनाना।
	H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	5– पाठ में आए अपरिचित शब्दों के अर्थों की जानकारी देना। • शब्दों से वाक्य निर्माण।
			6– हाव –भाव के साथ अभिनय और स्थानीय भाषा में छोटे –छोटे संवाद निर्माण करना ।
			7– पुस्तकालय से पढ़ी गई चित्रकथा पर आधारित रचनात्मकता का विकास करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
	H407 H408 H416	बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है। बच्चा नये शब्दों विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	8– चित्रकथा का नाट्य प्रस्तुतीकरण और चित्रकथा में आए पात्रों की विशेषताओं की समझ बनाना। 9– आकलन 10– पुनरावृत्ति
पाठ 8 ओणम के रंग (निबंध) (12 दिन)	H401 H402 H405 H406 H410 H414 H413 H416	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है। बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है। बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है। बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है। बच्चा कविता कहानी/पाठ का भाव सारांश निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है। बच्चा विरामचिन्हों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है। बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	1– बच्चों को निबन्ध विधा से परिचित कराना। 2– आदर्श वाचन करना । • प्राकृतिक सौंदर्य की जानकारी देना । • पाठ पर समझ विकसित करना । 3– पाठ में आए कठिन शब्दों से परिचित कराना । • पाठ की समझ विकसित करना । • पर्यावरण से सम्बन्ध स्थापित करना । • त्योहारों के बारे में जानकारी देना । 4– अपने देश के विभिन्न राज्यों के शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की पहचान करना । • लोक नृत्य के बारे में जानकारी देना । 5– खेतों की उपज से जुड़े त्योहारों के बारे में जानकारी प्रदान करना । • पर्यावरण और त्योहारो में संबंध के बारे में जानकारी देना। 6– दोहरे प्रयोग वाले शब्दों की समझ बनाना। • चिन्तन क्षमता का विकास करना। 7– विशेषण शब्दों की समझ बनाना। • बच्चों में लेखन कौशल का विकास करना। • शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने की समझ बनाना। 8– शब्दकोश में वृद्धि करना। • भाषायी कौशल का विकास करना। 9– बच्चों में सामाजिकता एवं सामूहिकता की भावना का विकास करना। • उत्तरदायित्व निर्वहन की क्षमता संवर्धन करना। 10– पुस्तकालय से पुस्तक पठन की आदत का विकास करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
			• पुस्तकालय से "सफल" दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित साहित्य का पठन करना।
			11– आकलन
			12– पुनरावृति
पाठ 9 मिठाइयों का सम्मलेन (एकांकी) (11 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1– बच्चों को विभिन्न प्रकार की मिठाइयों से परिचित कराना। • अपनी लोक संस्कृति/खान–पान से परिचित कराना।
	H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	2– शिक्षक द्वारा एकांकी को कहानी की तरह हाव–भाव से सुनाना, एवं बच्चों से एकांकी के सारांश को सुनना। • सुनी हुई एकांकी का सारांश लेखन।
	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	3– 'मिठाइयों का सम्मेलन' पाठ की समझ पर कार्य। • पुस्तक में दिये गये प्रश्नों पर कार्य। 4– मिठाइयों का नामकरण करना। • अलग–अलग प्रदेशों की मिठाइयों की जानकारी देना। • लोक संस्कृति व कला से परचित कराना।
	H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	5– शब्द निर्माण करना। • मिठाइयों पर बने मुहावरों की जानकारी देना।
	H408	बच्चा नये शब्दों विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	6– वचन की जानकारी देना। • मिठाइयों पर बने मुहावरों की जानकारी देना। 7– कहानी के पात्रों का संवाद निर्माण। • संवाद को हाव–भाव के साथ कहना।
	H416	बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	8– किसी विषयवस्तु पर अपने विचार को अपनी भाषा में व्यक्त करना तथा उसे सरल वाक्यों में लिखना।
			9– पहेलियों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
			10– आकलन
			11– पुनरावृत्ति
कितना सीखा (3)			
पाठ 10 कैमरा (कविता) (8 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1– "कैमरा" कविता के प्रति रुचि जागृत करना। • पाठ में दिये चित्रों पर चर्चा करवाना। • पाठ के शीर्षक पर चर्चा करवाना और वैज्ञानिक खोज के बारे में अवगत कराना।
	H402	बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है।	2– कविता वाचन और पठन का आनंद लेना तथा प्रश्नोत्तर/बातचीत से मौखिक–लिखित अभ्यास कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 10 कैमरा (कविता) (8 दिन)	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	3– कैमरा कविता को सुरुचि के साथ पढ़कर समझ बनाना। • अन्य वैज्ञानिक खोजों के बारे में भी जानना।
	H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	4– कल्पनाशीलता का विकास, रचनात्मकता को बढ़ाना। 5– बच्चों को विलोम शब्दों से परिचित कराना। • शब्द निर्माण करना।
	H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी, निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	6– भाषा के विविध रूपों से बच्चों को परिचित कराना। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से अवगत कराना।
	H413	बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	7– आकलन 8– पुनरावृत्ति
	H415	बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।	
पाठ 11 कविता का कमाल (कहानी) (12 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1– कहानी/लोककथा विधा से परिचित कराते हुए रोचक ढंग से सुनाना तथा कहानी की घटनाओं पर चर्चा करना।
	H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	2– कहानी को उचित उतार–चढ़ाव, शुद्ध उच्चारण, गति एवं समझ के साथ पढ़ना। • शब्द से वाक्य बनाकर लिखना। 3– कहानी की घटनाओं पर अपने विचार बता पाएँगे।
	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	4– कहानी/कविता की घटनाओं पर आधारित वाक्य निर्माण एवं मिलान करना। 5– पाठ में आई घटनाओं, पात्रों आदि के विषय में अपनी समझ एवं अनुभव के आधार पर उत्तर दे पाना।
	H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	6– अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों का उत्तर दे पाता है। 7– अपने शब्दों/भाषा में कहानी सुना/गढ़ लेते हैं।
	H408	बच्चा नये शब्दों विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	8– पाठ में आई घटनाओं पात्रों आदि के विषय में अपने समूह के साथ अभिनय करते हुए प्रश्नों का उत्तर देते हैं। 9– पाठ में आए मुहावरों का अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग एवं विराम चिह्नों का सही–सही प्रयोग कर पाते हैं।
	H409	बच्चा पाठ पाठ्यांश से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	10– पाठ मे आई घटनाओं से सम्बंधित अभिनय कर पाते हैं। कक्षा स्तरीय अधूरी कविता/कहानी को पूरा कर लेता है। 11– आकलन

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
	H411 H414 H416	बच्चा चित्रों को देखकर कहानी लिख लेता है और अधूरी कहानी पूरी कर लेता है। बच्चा विरामचिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	12– पुनरावृत्ति
पाठ 12 शतरंज में मात (नाटक) (10 दिन)	H403 H404 H405 H407 H413 H414 H415 H416	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है। बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है। बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है। बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है। बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है। बच्चा विरामचिन्हों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है। बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	1– नाटक विधा से परिचित कराना। • नाटक को रोचक ढंग से सुनाना तथा नाटक की घटनाओं पर चर्चा करना। 2– नाटक को हाव–भाव से सुनाना। • नाटक के भाव समझकर उसके विषय में मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना। • नाटक को रोचक ढंग से सुनाना तथा नाटक की घटनाओं पर चर्चा करना। • पाठ में आए विभिन्न पात्रों के कार्यों पर चर्चा। 3– नाटक को हाव–भाव से सुनाना। • नाटक के भाव समझकर उसके विषय में मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना। • नाटक को रोचक ढंग से सुनाना तथा नाटक की घटनाओं पर चर्चा करना। • बच्चों को शतरंज, लट्टू, साँप सीढ़ी जैसे– खेलों से परिचित कराना। 4– नाटक के मूल भावों/संदेशों पर बच्चों द्वारा चर्चा में उभरकर आए बिन्दुओं को लिपिबद्ध कराना। • घर में खेले जाने वाले खेलों से बच्चों को परिचित कराना। • रचनात्मकता का विकास करना। 5– बच्चों को कुछ बुद्धिमान व हाजिर जवाब चरित्रों से अवगत कराना। (जैसे – अकबर, बीरबल, मोटू, पतलू) 6– संवाद लेखन कराना व पाठ आधारित अभिनय कराना। • विशेषण से परिचित कराना। 7– बच्चों को समानार्थी, विलोम शब्दों से परिचित कराना, शब्द निर्माण व शब्द भण्डार विकसित करना। 8– बच्चों को वाक्यों में लगने वाले विराम चिह्नों से परिचित कराना। 9– आकलन। 10– पुनरावृति।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 13 हमारा आदित्य (एकांकी) (10 दिन)	H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।	1– बच्चों को सूर्य के विभिन्न नामों से परिचित कराना।
			2– बच्चों को सूर्य की प्रकृति से अवगत कराना।
	H402	बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है।	3– बच्चों को सौर मंडल से परिचित कराना। • पाठ पर समझ विकसित करना। • भाषायी कौशल विकसित करना।
	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	4– बच्चों को सूर्य और चंद्रमा से सम्बंधित त्योहारों से परिचित कराना। • बच्चों को विलोम शब्दों से परिचित कराना।
	H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	5– पाठ में आए अंतरिक्ष अभियानों से परिचित कराना। • संवाद लेखन से परिचित कराना।
	H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	6– संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण से परिचित कराना। • रोल–प्ले से परिचित कराना व अभ्यास कराना।
			7– उपसर्ग, प्रत्यय से परिचित कराना व शब्द निर्माण कराना। • विराम चिह्नों से परिचित कराना व अभ्यास कराना।
	H413	बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	8– स्त्रीलिंग व पुल्लिंग से परिचित कराना। • पठन कौशल का विकास करना। • शब्द निर्माण व शब्द भण्डार कौशल।
	H414	बच्चा विरामचिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	9– आकलन
	H415	बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।	10– पुनरावृति
कितना सीखा (4)			

कुल पाठ – 13 (अनुमानित कुल दिवस – 150)

कुल शिक्षण दिवस– 146 (कुल शिक्षण योजनाएँ– 142, हमने सीखा– 4 दिन)

नोट– कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक वीणा की शिक्षण योजना के अनुसार शिक्षण कार्य किया जाएगा। शिक्षण के दौरान भाषा की मूल दक्षताओं को ध्यान में रखते हुए बच्चों के साथ सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने पर प्रत्येक दिवस कार्य किया जाएगा।

'ऐसा वर दो', 'मति की उड़ान', 'भाँति–भाँति की पत्तियाँ' जैसी पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक संबंधित पाठ के पूर्व अथवा पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।

प्रत्येक 03 पाठों के बाद 01 दिवसीय "कितना सीखा" सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पिछले पाठों की गतिविधियों/अवधाराणाओं का आकलन एवं पुनरावृत्ति करना है।

पाठ -1 चिड़िया का गीत (1/11)

लर्निंग आउटकम– H401, H406
शिक्षण उद्देश्य– कविता विधा से परिचित कराते हुए कविता का वाचन करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा– 4 पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM, बोर्ड, चॉक / मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पाठ में दिए गए चित्र को दिखाकर बच्चों से चर्चा करें।
- चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है?
- चिड़िया क्या कर रही है?
- घोंसले में और कौन–कौन रहते है?
- क्या पक्षी भी हम लोगों की तरह धीरे–धीरे बड़े होते हैं?

(शिक्षक स्वंय भी प्रश्नों का निर्माण कर सकते हैं।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कविता विधा को समझाते हुए उसका हाव–भाव के साथ लयबद्ध सस्वर वाचन करेंगे।
- छोटे–छोटे समूह बनाकर शिक्षक के मार्गदर्शन में पाठ का वाचन करेंगे।
- शिक्षक पाठ में आए **बातचीत के लिए** प्रश्नों को बच्चों के साथ करेंगे।
- शिक्षक कविता में आए नए शब्द का भाव समझाकर बोर्ड पर अर्थ लिखेंगे।
- शिक्षक बच्चों को चार समूहों में विभाजित करके कविता की प्रत्येक पंक्ति का भाव लिखने को कहेंगे।

(शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे।)
- शिक्षक प्रत्येक समूह द्वारा किए गए कार्य का प्रस्तुतीकरण कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा के कुछ बच्चों से कविता का वाचन कराते हुए पढ़ने का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – सभी बच्चे अपने घर के आस–पास दिखने वाले पक्षियों के नाम लिखकर या चित्र बनाकर लाएँ।

पाठ -1 चिड़िया का गीत (2/11)

लर्निंग आउटकम– H402, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता का भाव स्पष्ट करना।
- विविध भाषायी कौशलों का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code / शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM, बोर्ड, चॉक / मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक कार्य करेंगे।
- शिक्षक बड़े समूह में पाठ का चित्र दिखाकर, चित्र पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक ''चिड़िया का गीत'' से मिलती–जुलती कविता का सस्वर वाचन करें या कुछ बच्चों से उनकी कोई याद कविता सुनें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में पाठ का उचित लय हाव–भाव के साथ सस्वर वाचन करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को जोड़ियों में पठन कार्य करने को कहेंगे।
- पठन कार्य के उपरान्त शिक्षक छोटे–छोटे समूह में बच्चों को प्रश्न देकर उनके विचार को कॉपी में लिखने के लिए कहेंगे।

1. शिक्षक बच्चों से कविता "चिड़िया का गीत" किस भाव को दर्शाता है? विचार व्यक्त करने को कहेंगे।
2. शिक्षक एक सहयोगात्मक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे।
3. शिक्षक अभ्यास कार्य **"कविता की बात"** का कार्य पाठ्यपुस्तक से कराएँगे।
4. शिक्षक किए गए कार्य का अवलोकन करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक दिए गए कार्य के माध्यम से बच्चों में कविता की समझ का आकलन करेंगे।
- **कविता को पूरा करें –**

1. सबसे पहले मेरे.....
.....जैसा था.....,
तब मैं यही .....थी।
बस.....ही है..... ।

2. आखिर जब मैं आसमान में,
.....,
तभी समझ में मेरी आया
..... ।

- शिक्षक बच्चों द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन कर सहयोग करेंगे।

गृहकार्य – सभी बच्चों को घर से दिए गए शब्दों (संसार, आकाश, घर, घोंसला) से वाक्य लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -1 चिड़िया का गीत (3/11)

लर्निंग आउटकम– H401, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता की पक्तियों को समझ के साथ मिलान करना।
- कविता के भाव को समझना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 पाठ्यपुस्तक वीणा, शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM (कविता के प्रत्येक पंक्ति का कार्ड/पर्ची), ICT, बोर्ड, चॉक, मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक कार्य करेंगे।
- शिक्षक कविता की एक–एक पंक्ति का उचित हाव–भाव के साथ वाचन करेंगे।
- बच्चे शिक्षक के साथ सस्वर वाचन करेंगे।
- शिक्षक वाचन के साथ–साथ प्रत्येक पंक्ति का भाव भी बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में बच्चों को पाठ का स्वतन्त्र पठन करने को कहेंगे।
- स्वतन्त्र पठन के उपरान्त शिक्षक पाठ पर समझ बनाने के लिए बच्चों को छोटे–छोटे समूह में विभाजित करेंगे।
- शिक्षक प्रत्येक समूह को कविता की एक–एक पंक्ति लिखी हुई सम्पूर्ण कविता की पर्ची देंगे।
- शिक्षक समूह को दो मिनट के समय सीमा में सही क्रम में लगाकर उसके भाव को व्यक्त करने का अवसर देंगे।
- शिक्षक गतिविधि के उपरान्त कविता के भावार्थ को बच्चों से लिखने के लिए कहेंगे।
- सभी बच्चे लिखने के पश्चात एक दूसरे के लेखन की समीक्षा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक से **कविता की बात** पेज न०– 5 से प्रश्न नम्बर 2 को करवाएँगे।
- शिक्षक कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक कार्य करेंगे।

गृहकार्य – "तभी समझ में मेरी आया बहुत बड़ा है यह संसार" इस पंक्ति का भाव सभी बच्चे अपने शब्दों में लिखकर लाएँगे।

पाठ -1 चिड़िया का गीत (4/11)

लर्निंग आउटकम– H406, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पर्यावरण एवं पशु–पक्षियों से संबंधित अनुभव साझा करना।
- वाक्य रचना करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, बोर्ड, चॉक, पशु व पक्षियों के चार्ट या शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित T.L.M आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक कार्य करेंगे और प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक कुछ बच्चों द्वारा लिखी गयी कविता की पंक्ति के भाव का प्रस्तुतीकरण कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पशु व पक्षियों की जानकारी देते हुए पाठ का अभ्यास कार्य **सोचिए और लिखिए** का कार्य बच्चों का सहयोग लेते हुए बोर्ड पर लिखेंगे।
- शिक्षक प्रत्येक प्रश्न को बड़े समूह में पूछेंगे, बच्चों के दिए या सुझाए गए उत्तर को समाहित करते हुए शिक्षक बोर्ड पर लिखेंगे।
- शिक्षक तीन समूह बनाकर प्रत्येक समूह को अभ्यास कार्य **समझ और अनुभव** के क्रमशः प्रश्न 1 से 3 देंगे।
- शिक्षक समूह को दिए गए प्रत्येक प्रश्न का उदाहरण देते हुए चर्चा करेंगे जैसे–

(i) जब आप घर से बाहर कहीं घूमने जाते हैं तब आप कैसा अनुभव/महसूस करते हैं?

(ii) शिशु पक्षी जब धीरे–धीरे बड़े हो रहे होते हैं तो उनके शारीरिक आकार में बदलाव होते रहते हैं, जैसे– उनके पंख व आकार बढ़ने लगते हैं। यह एक प्राकृतिक परिवर्तन है। ऐसे ही जब हम छोटे बच्चे थे और हम भी छोटी चिड़िया के समान धीरे–धीरे बड़े हो रहे थे तो हमारे अंदर क्या–क्या परिवर्तन आए होंगे, बताइये?

- इसी प्रकार शिक्षक बच्चों को प्रश्नों का उदाहरण देकर समझाएँगे और उनके अनुभव को सुनेंगे और उचित मार्गदर्शन देकर अभ्यास कार्य कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों में पाठ की समझ का आकलन करने हेतु अभ्यास कार्य **चित्रों की भाषा** का कार्य करने को कहेंगे।
- शिक्षक निर्देश को समझाते हुए बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्य को कराएँगे। शिक्षक बच्चों के अनुभव को अपनी किताब में लिखने को कहेंगे।

गृहकार्य – सभी बच्चे अपने अभिभावक की सहायता से चिड़िया शीर्षक पर 8 पंक्तियाँ लिखकर लाएँगे।

पाठ -1 चिड़िया का गीत (5/11)

लर्निंग आउटकम– H401, H409

शिक्षण उद्देश्य– चित्र/दृश्यों को समझकर अनुमान एवं कल्पना के आधार पर प्रश्नों के उत्तर देना।

- सृजनात्मकता को बढ़ावा देना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM या पशु व पक्षी के चित्र, बोर्ड, चॉक, डस्टर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस के कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक कार्य करेंगे।
- शिक्षक अवलोकन के बाद पक्षियों पर आधारित कविता या कहानी की वीडियो बच्चों को दिखाएँगे।
- शिक्षक दिखाई गई वीडियो से संबंधित मौखिक प्रश्नों का स्वयं निर्माण कर पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ 'चिड़िया का गीत' का चित्र दिखाते हुए कविता की प्रत्येक पंक्ति का भाव बच्चों से पूछेंगे।
- शिक्षक अभ्यास कार्य (अनुमान और कल्पना) के प्रश्न पूछने के लिए छात्र संख्यानुमार चार समूह बनाएँगे।
- प्रत्येक समूह के लिए एक–एक प्रश्न रखेंगे। जब एक समूह प्रश्न का उत्तर दे तब अन्य समूह ध्यानपूर्वक सुने और अपने विचार रखें।
- शिक्षक बच्चों को प्रश्न एवं उनके उत्तर लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों की कल्पना व अनुमान का आकलन करने हेतु गतिविधि कराएँगे।
- शिक्षक **कल्पना की उड़ान** पढ़कर उसकी गतिविधि बच्चों से करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक कक्षा को छोटे–छोटे समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह को एक–एक परिस्थितियाँ देंगे जिसमें प्रत्येक समूह परिस्थिति के अनुसार अपने अनुभव का प्रस्तुतीकरण करेंगे।
- शिक्षक सभी समूह के कार्यों को अवलोकित करते हुए उत्साहवर्धन करेंगे।

गृहकार्य – बच्चे अपने अभिभावक से उनके अनुभव को जानेंगे और लिखेंगे –
"अगर आप पक्षी की तरह पंख फैलाकर उड़ते तो आकाश में क्या–क्या देखते?"

पाठ -1 चिड़िया का गीत (6/11)

लर्निंग आउटकम– H409, H415

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्रों / दृश्यों को समझकर अनुमान एवं कल्पना के आधार पर प्रश्नों का उत्तर देना।
- भाषा आधारित प्रश्नों को हल करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, बोर्ड, चॉक / मार्कर, QR Code, चित्र चार्ट / शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए कार्य का सुधारात्मक कार्य करेंगे।
- शिक्षक बच्चों के साथ पुनः कविता का उचित हाव–भाव व लय के साथ वाचन करेंगे।
- शिक्षक कविता वाचन के उपरांत कुछ प्रश्नों जैसे– अंडा, घोंसला, घर और कक्षा का आकार कैसा होता है? इस पर चर्चा करेंगे। (बच्चे अपनी समझ के अनुसार उत्तर देते हैं।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक इसी से संबंधित अभ्यास कार्य (आकार–प्रकार) पर कार्य करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को **''भाषा की बात''** में उपसर्ग (वाक्य रचना) से परिचय कराएँगे।
- उपसर्ग **वाक्य रचना** से परिचय कराने के पश्चात शिक्षक अभ्यास पुस्तिका **भाषा की बात** पर लिखित कार्य कराएँगे।
- लिखित कार्य के उपरान्त शिक्षक पूरी कक्षा को दो समूहों में विभाजित कर एक गतिविधि कराएँगे।
- शिक्षक कुछ सार्थक शब्द पर्ची में लिखकर समूह को देंगे। एक समूह पर्ची पर लिखे शब्द में 'सु' उपसर्ग जोड़कर सार्थक शब्द का निर्माण करेगा और दूसरा समूह उसी शब्द में 'कु' उपसर्ग को जोड़कर सार्थक शब्द बनाएगा। (शिक्षक स्वयं सार्थक शब्दों की सूची तैयार कर यह कार्य करा सकते हैं।)
- शिक्षक इसी गतिविधि के माध्यम से बच्चों को विपरीत अर्थ **(विलोम शब्द)** से परिचय करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को **भाषा की बात** अभ्यास कार्य कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों के लिखित कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक कार्य करेंगे।
- शिक्षक विलोम शब्द की समझ को और विकसित करने के लिए अन्य सार्थक शब्द के विलोम शब्द लिखने को कहेंगे।

  पूरब – श्रीमान– नया – सुकुमार– आदि
- शिक्षक सहयोगात्मक भूमिका में रहकर कार्य का सुधारात्मक अवलोकन करेंगे।

गृहकार्य – पक्षी अपना भोजन कैसे प्राप्त करते हैं? बच्चे अपने अभिभावक की सहायता से लिख कर लाएँगे।

पाठ -1 चिड़िया का गीत (7/11)

लर्निंग आउटकम– H404, H416
शिक्षण उद्देश्य– अनुभव एवं ज्ञान को साझा कर अपनी समझ के अनुसार कलात्मक कार्य करना एवं रोल प्ले करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चित्र चार्ट व शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से उनके आस–पास रहने वाले पक्षियों के बारे में व उनके भोजन प्राप्त करने की प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे। (शिक्षक स्वयं प्रश्नों का निर्माण करें)
- शिक्षक बच्चों को पुनः उपसर्ग और विलोम शब्द की परिभाषा से परिचित कराएँगे।
- शिक्षक कुछ उपसर्ग के शब्द बोर्ड पर लिखकर बच्चों से पूछेंगे कि कौन–सा शब्द उपसर्ग है।

अन्याय	=	अ	+	न्याय
सुपुत्र	=	सु	+	पुत्र
स्वदेश	=	स्व	+	देश
सहयोगी	=	सह	+	योगी

(इसी प्रकार शिक्षक स्वंय अन्य शब्दों का भी चयन कर सकते हैं।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक अभ्यास कार्य **भाषा की बात** प्रश्न 3 पर कार्य कराएँगे।
- शिक्षक उपरोक्त संवाद पर अभिनय करने हेतु कुछ बच्चों का चयन करेंगे।
- शिक्षक चयनित बच्चों को संवाद बोलने का अभ्यास कराएँगे।
- अभ्यास करने के उपरांत बच्चों को अभिनय करने के लिए कहेंगे। सभी बच्चे उत्साहित होकर अभिनय देखेंगे व बच्चों का उत्साहवर्धन करेंगे।
- अभिनय के उपरांत शिक्षक आवश्यकतानुसार छोटे/बड़े समूह का निर्माण कराएँगे।
- शिक्षक प्रश्न 3 संवाद में आए कुछ शब्द जैसे– कितने, जितने, उतने, इतने, इतना–सा, उतना –सा, जितना–सा, कितना–सा आदि के शब्द कार्ड बनाकर प्रति समूह को एक कार्ड देकर उनसे मौखिक वाक्य बनाने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा बनाए गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को बोर्ड कार्य को अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक सहयोगात्मक भूमिका में रहकर कार्य का सुधारात्मक अवलोकन करेंगे।

गृहकार्य – दिए गए शब्दों से वाक्य बनाकर लाएँगे।
कैसे, कितना , कब , छोटा –सा,

पाठ -1 चिड़िया का गीत (8/11)

लर्निंग आउटकम– H406, H410
शिक्षण उद्देश्य– अनुभव एवं ज्ञान को साझा कर अपने समझ के अनुसार कलात्मक कार्य करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चित्र चार्ट व शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक कार्य करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से उनके आस–पास रहने वाले पक्षियों के बारे में व उनके भोजन प्राप्त करने की प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे। (शिक्षक स्वयं प्रश्नों का निर्माण करें)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को 2–3 पक्षियों के नाम बताते हुए उनके भोजन से परिचय कराएँगे।
- शिक्षक अभ्यास कार्य **पाठ से आगे** पर लिखित कार्य करेंगे। (पाठ्यपुस्तक के पेज नम्बर– 11)
- शिक्षकों/मित्रों की सहायता से नीचे दिए गए गीत को पूरा करें और समूह में गाइए।

सूरज एक, चंदा एक, तारे अनेक,
एक तितली, अनेक तितलियाँ,
एक गिलहरी, अनेक गिलहरियाँ,
एक चिड़िया, अनेक चिड़ियाँ...

- शिक्षक लिखित कार्य के उपरान्त पूरी कक्षा को गोलाकार में बैठाकर एक गतिविधि कराएँगे।
- उपरोक्त गीत को पहले शिक्षक और बच्चे साथ में गाएँगे, उसके उपरांत शिक्षक एक तितली और बच्चे अनेक तितलियाँ कहकर इस समूह गीत को गाएँगे। (शिक्षक ICT/वीडियों के माध्यम से यह गीत दिखा सकते है)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को एक और अनेक **(एक वचन और बहुवचन)** के विषय पर चर्चा करते हुए अन्य शब्दों के बहुवचन लिखने को कहेंगे।
- फूल, अंडा, पुस्तक, कपड़ा, मिठाई
- शिक्षक सहयोगात्मक भूमिका में रहकर कार्य का सुधारात्मक अवलोकन करेंगे।

गृहकार्य – बच्चे उड़ते हुए पक्षी या घोंसले से झाँकता हुआ शिशु पक्षी का चित्र बनाकर लाएँगे।

पाठ -1 चिड़िया का गीत (9/11)

लर्निंग आउटकम– H410, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करना।
- पहेलियों का निर्माण एवं हल कर पाना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, बोर्ड, चॉक / मार्कर चित्र चार्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत एक गतिविधि से कराएँगे।
- शिक्षक सभी बच्चों के साथ मिलकर शिशु पक्षी की तरह चीं–चीं की ध्वनि निकालेंगे।
- शिक्षक बच्चों के द्वारा बनाए गए चित्र का प्रदर्शन कक्षा में कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक गतिविधि के बाद पुनः कविता का सस्वर वाचन करेंगे।
- शिक्षक अभ्यास कार्य **आनंदमयी गतिविधि** का कार्य कराएँगे।
- शिक्षक छात्र संख्यानुसार कक्षा को दो समूह में विभाजित करेंगे।
- समूह–1 के सदस्य कार्ड पर लिखी हुई पहेली पढ़ेंगे और समूह–2 के सदस्य उस पहेली से संबंधित पक्षी का चित्र ढूँढ़कर उसका उत्तर देंगे। इसी तरह समूह–2 के सदस्य कार्ड पर लिखी हुई पहेली पढ़ेंगे और समूह–1 के सदस्य उसका उत्तर चित्र के माध्यम से देंगे।
- शिक्षक अवलोकन कर्ता एवं मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे।
- बच्चों को **आनन्दमयी गतिविधि एवं बोलिए फटाफट** पर कार्य कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

भावार्थ के बाद शिक्षक बच्चों को कविता से संबंधित तुकान्त शब्द से वाक्य प्रयोग करने को कहेंगे।

- शिक्षक समूह द्वारा बताए गए उत्तर को उनकी पुस्तिका में लिखने को कहेंगे।

गृहकार्य – सभी बच्चे अपने बनाए हुए चित्र से संबंधित कविता की कुछ पंक्तियाँ लिख कर लाएँगे।

चिड़िया का गीत (10/11)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. चिड़िया के घर का आकार कैसा था? आपके घर का आकार कैसा है?
2. किसी का घर न हो तो क्या होगा? बताओ।
3. बच्चों जब आप कभी गाँव से शहर जाते हैं तो कैसा लगता है? क्या–क्या भिन्नताएँ होती हैं? क्या सावधानी रखनी पड़ती है? बताओ।
4. यदि आपको पंख मिल जाए तो कहाँ–कहाँ जाना चाहेंगे? बताइए।

• तुकांत शब्द बनाइए

गीत –..... सूखा – ..... पास – .....

कब – ..... ठेला – ..... राजा – .....

• विलोम शब्द लिखिए

अपना – ..... घर – ..... बड़ा – .....

अन्दर – ..... आसमान – ..... दूर – .....

• नीचे कुछ पक्षियों के नाम दिए गए हैं। कौन–सा पक्षी क्या खाता है ? उत्तर लिखिए

पक्षियों के नाम	पक्षियों का भोजन
• गौरैया	.....
• चील	.....
• बत्तख	.....
• मैना	.....
• मोर	.....
• कोयल	.....

• दिए गए शब्दों का अर्थ लिख कर वाक्य बनाइए

संसार – ....

सुकुमार – ....

इतना–सा – ....

भोजन – ....

तिनका – ....

- जब आप कहीं बाहर जाते हैं तो घर के बड़े–बूढ़े आपको कुछ निर्देश देकर भेजते हैं। क्या पक्षियों के माता–पिता भी उन्हें उड़ने के पूर्व कुछ निर्देश देते होंगे? यदि हाँ, तो वे निर्देश क्या–क्या हो सकते हैं? 5 वाक्यों में लिखिए।
- शिक्षक सहयोगात्मक भूमिका में रहकर कार्य का सुधारात्मक अवलोकन करेंगे।

नोट– शिक्षक 11/11 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

• 'मति की उड़ान' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'चिड़िया का गीत' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।

पाठ -2 बगीचे का घोंघा (1/7)

लर्निंग आउटकम– H401, H403, H406, H410
शिक्षण उद्देश्य– कहानी विधा से परिचित कराना, कहानी हावभाव से सुनाना, कहानी के भाव समझकर उसके विषय में मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना। कहानी को रोचक ढंग से सुनाना तथा कहानी की घटनाओं पर चर्चा करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, बोर्ड, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा में पाठ– **''बगीचे का घोंघा''** पर पाठ में आए चित्रों को दिखाकर बच्चों से बात करेंगे और पूछेंगे की इस चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है।
- यह कौन–सा जीव है?
- आपने इसे कहाँ देखा है?
- आपने इसे किस मौसम में अधिक देखा है?
- आपको अपने घर और विद्यालय में कौन–कौन से जीव दिखाई देते हैं?
- घोंघा उन जीवों से किस बात में भिन्न है?
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पेज संख्या 21 पर लिखे प्रश्नों को **बातचीत के लिए** उपयोग कर सकते हैं।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा में पाठ– बगीचे का घोंघा का आदर्श वाचन करेंगे। सभी बच्चे ध्यान से सुनेंगे। शिक्षक पाठ के घटनाक्रम के अनुसार बच्चों से चर्चा करेंगे। अपरिचित शब्दों को बोर्ड पर लिखते रहेंगे और अर्थ भी बताएँगे।
- शिक्षक द्वारा कक्षा को चार समूहों में बैठाकर प्रत्येक समूह के बच्चों को एक–दूसरे की मदद से उचित हाव–भाव के साथ पाठ को पुनः पढ़ने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन– कुछ प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।
- घोंघे को बड़ा सा पत्थर पहाड़ जैसा क्यों लगा होगा? लिखने को कहेंगे।

"पाठ के भीतर" – प्रश्नों के सटीक उत्तर के सामने सूरज का चित्र ( ) बनाइए–

1– घोंघा उद्यान से बाहर क्यों जाना चाहता था बताओ?

(क) उसे उद्यान में अच्छा नहीं लगता था। ( )
(ख) वह बाहर का जीवन देखना चाहता था। ( )
(ग) उसे उद्यान सुन्दर नहीं लगता था। ( )
(घ) उसे उद्यान बहुत छोटा लगता था। ( )

गृहकार्य – बच्चे अपने अभिभावकों की मदद से अपने आस–पास पाए जाने वाले जीवों के नाम लिखकर लाएँगे।

पाठ -2 बगीचे का घोंघा (2/7)

लर्निंग आउटकम– H401, H403, H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ का सारांश सुनाना
- बच्चों की तार्किक क्षमता को बढ़ावा देना
- कहानी पर आधारित अभ्यास प्रश्नों का उत्तर देना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन करेंगे और यथोचित सुझाव देकर यदि कहीं कोई त्रुटि होगी तो उसे सही कराएँगे।
- शिक्षक कक्षा में बगीचे का घोंघा जो एक दिन पूर्व में पठन किया गया है। उसे पुनः एक बार पढ़कर सुनाएँगे और प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

(i) पाठ में कौन–कौन था?

(ii) घोंघे को बगीचे के एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुँचने में दो दिन क्यों लगते थे?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्र संख्या के अनुसार छोटे–छोटे समूह बनाकर बच्चों को पाठ अपने शब्दों में सुनाने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों के साथ पाठ बगीचे का घोंघा पर बात–चीत करते हुए **"सोचिए और लिखिए"** प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।

1.उद्यान की दीवार में छेद देखकर घोंघे को कौन–सी बात याद आती थी?

2. छेद के दूसरी ओर जाते ही घोंघा चकित क्यों रह गया?

3. घोंघे ने ऐसा क्यों कहा होगा कि उद्यान में सब–कुछ धीरे–धीरे चलता है?

4. घोंघे की तरह आपको अपने घर, विद्यालय तथा आस–पास क्या–क्या अद्भुत लगता है और क्यों?

5. घोंघे ने उद्यान के भीतर और बाहर क्या–क्या देखा? नीचे लिखिए–

उद्यान के भीतर	उद्यान के बाहर
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन– बच्चों की समझ का आकलन करने हेतु कुछ प्रश्न पूछेंगे और उसे लिखने को कहेंगे– **'भाषा की बात'** से प्रश्न ले सकते हैं।

- शिक्षक बच्चों से ऊपर किए हुए प्रश्नों के उत्तरों को एक दूसरे की पाठ्यपुस्तक/कॉपी बदल कर चेक कराएँगे।

गृहकार्य – शिक्षक बच्चों से अपने घर से घोंघा का चित्र बनाकर व उसके बारे में लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ -2 बगीचे का घोंघा (3/7)

लर्निंग आउटकम– H403, H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- वाक्य निर्माण एवं मिलान करना।
- रचनात्मकता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन करेंगे और यथोचित सुझाव देकर यदि कहीं कोई त्रुटि होगी तो उसे सही कराएँगे।
- शब्दों से वाक्य निर्माण पर कार्य करेंगे। शिक्षक पाठ में आए या स्वयं से कुछ शब्द ब्लैक/व्हाइट बोर्ड पर लिखेंगे और बच्चों से उन शब्दों से वाक्य बनाकर बोलने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों को नए–नए शब्द निर्माण हेतु प्रेरित करने के लिए कुछ गतिविधि कराएँगे।
- कक्षा को दो समूह में बैठाएँ। एक समूह शब्द बोलेगा दूसरा वाक्य निर्माण करेगा। इसी प्रकार अगले राउंड में दूसरा समूह शब्द बोलेगा और अगला समूह वाक्य निर्माण करेगा।
- पाठ आधारित निम्न प्रश्नों को बच्चों से कराएँगे तथा इसके उपरांत उसे पढ़कर सुनाने के लिए कहेंगे।

मिलान कीजिए के प्रश्न नीचे लिखी बातें घोंघे ने कब–कब कही? मिलान कीजिए–

घोंघे का कथन	कब कहा?
"वाह! दुनिया में सब कुछ कितनी तेजी से चलता है।"	जब उस पर सूखा पत्ता गिरा।
"वाह! दुनिया सचमुच कितनी बड़ी है।"	जब उसने बड़ का पेड़ देखा।
"वाह! दुनिया तो कितनी मज़ेदार है।"	जब उसने लुढ़कती गेंद के पीछे कुत्ते को भागते हुए देखा।
"वाह! सचमुच दुनिया कितनी अद्भुत है।"	जब उसने बच्चों के खेलने का स्थान देखा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन–

पाठ्यपुस्तक से **''पाठ के भीतर''** (पृष्ठ संख्या 21 और 22) प्रश्न संख्या 2, 3 और 4 कराएँगे

गृहकार्य – अपने आस–पास दिखने वाले किसी एक जीव के बारे में 4–5 वाक्य लिखिए।

पाठ -2 बगीचे का घोंघा (4/7)

लर्निंग आउटकम– H401, H403, H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- पर्यावरण से संबंधित अनुभव साझा करना।
- पर्यावारण के प्रति जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन करेंगे और यथोचित सुझाव देकर यदि कहीं कोई त्रुटि होगी तो उसे सही कराएँगे।
- शिक्षक बच्चों से बगीचे, पेड़–पौधों, जीव–जंतुओं, कीड़े–मकोड़ों के बारे में बातचीत करेंगे। वो हमारे लिए लाभदायक हैं या नहीं, इस पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा को दो समूहों में बाँटकर उन्हें आपस में आसपास के जीव–जन्तु विषय पर चर्चा करने को कहेंगे और मुख्य बातों को 5 से 10 वाक्यों में लिखने को कहेंगे और 2 मिनट का समय देकर दोनों समूहों से प्रस्तुतीकरण भी कराएँगे।
- पर्यावरण में 'जीव–जन्तुओं का महत्त्व'
- पाठ के आधार पर चर्चा की जाएगी कि घोंघा किस प्रकार शांत और धैर्यपूर्वक चलता है। हमें उससे क्या सीखने को मिला इस पर भी बात करेंगे।
- बच्चों से अपने आसपास के पर्यावरण से जुड़े अनुभव लिखित रूप में साझा करने को कहेंगे।
- छोटे–छोटे प्रश्न पूछकर समझ को सुदृढ़ करेंगे।

जैसे–

(i). हर समय कौन सा पेड़ आक्सीजन देता है?

(ii). ऐसे कौन से जीव हैं जो मनुष्यों के मित्र हैं? उनके नाम लिखो?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन– बच्चों के द्वारा साझा किए अनुभव का शिक्षक द्वारा अवलोकन किया जाएगा। फिर प्रतिपुष्टि प्रदान किया जाएगा।

- शिक्षक बच्चों से अपने–अपने अनुभव साझा करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य – अपने आस–पास दिखने वाले किसी एक पौधे के बारे में 4–5 वाक्य लिखिए।

पाठ -2 बगीचे का घोंघा (5/7)

लर्निंग आउटकम– H401, H403, H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- अनुमान एवं कल्पनाशीलता विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से बगीचे, पेड़–पौधों, कीड़े–मकोड़ों के बारे में बातचीत करेंगे। और बच्चों के साथ कुछ प्रश्न पूछकर पाठ आगे बढ़ाएँगे जैसे–

(I) पाठ में कौन–कौन से पेड़ के नाम आए हैं? बताओ? साथ ही उनकी विशेषता भी बताएँ।

(ii) किन–किन जानवरों के नाम पाठ में आए हैं? बताओ–

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों के चार समूह बनाकर पाठ्यपुस्तक से **अनुमान और कल्पना** भाग के प्रश्नों को चर्चा के माध्यम से हल करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक समूह में जाकर बच्चों को उदाहरण देते हुए मदद करेंगे।
- बच्चों से उनके द्वारा दिए गए उत्तर के तर्क को भी जानेंगे।

समूह 1	समूह 2	समूह 3	समूह 4
अनुमान लगाकर बताइए कि घोंघा उद्यान में कब से रह रहा होगा?	घोंघे को उद्यान के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने में दो दिन लगते थे और उसे वापस लौटने में 48 घंटे लगते थे। ऐसा क्यों?	आप अपने विद्यालय में कितने वर्षों से पढ़ रहे हैं ? आपने वहाँ अब तक क्या–क्या देखा? सभी बच्चे अपनी–अपनी कॉपी में लिखें?	आपको अपनी कक्षा से पेयजल के स्थान और विद्यालय के मुख्य द्वार तक जाने में कितना समय लगता है? सभी बच्चे अपनी–अपनी कॉपी में लिखें?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- घोंघे को सबसे पहले बच्चों के खेलने का स्थान दिखाई दिया। कल्पना कीजिए कि बच्चों ने घोंघे को देखा उससे बातें कीं।

बच्चे– अरे! आप कौन?

घोंघा– मुझे नहीं पहचानते! मैं घोंघा, नहीं तो और कौन?

बच्चे .....

घोंघा .....

बच्चे .....

घोंघा .....

बच्चे .....

गृहकार्य – सभी बच्चे घोंघे का चित्र बनाकर व उसके बारे में 4–5 वाक्य लिखकर लाएँगे।

बगीचे का घोंघा (6/7)

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आप अपने घर या गाँव के आस–पास कौन–कौन से जीव देखते हैं?

- घोंघे ने बगीचे से बाहर कौन–कौन से जीव देखे?
- घोंघे ने दुनिया के बारे में क्या कहा? आपके हिसाब से दुनिया कैसी है?
- घोंघे की माँ क्यों कहती थी, बाहर कभी मत जाना। वह दुनिया हमारी दुनिया से बहुत अलग है?

2. सूखे पत्तों के गिरने की ध्वनि 'खड़–खड़' जैसी है। उसी प्रकार इनकी ध्वनियाँ कैसी होंगी?

पानी का बरसना .....
चिड़ियों का बोलना .....
हवा का बहना .....
बिल्ली का बोलना .....

3. निम्न शब्दों को अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

शब्द	वाक्य प्रयोग
बहुत	
बड़ा	
प्रतिदिन	
लुढ़कता	
आश्चर्य	

4. 'नियमित' शब्द 'नियम' में 'इत' जोडकर बना है। ऐसे ही नीचे दिये गये शब्दों में 'इत' लगाकर नये शब्द बनाइये।

सुगन्ध, मोह, सुरक्षा, लोहा

5. उपयुक्त शब्दों का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

चींटी, सुन्दर, बड़ा सा, तेजी से,

- थोड़ा आगे एक.....पत्थर पड़ा हुआ था।
- वाह! दुनिया में सब कुछ कितनी.....चलता है।
- बगीचा बहुत छोटा और.....था।
- घोंघे ने अपने जीवन में पहली बार लाल.....को देखा था।

नोट– शिक्षक 7/7 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

पाठ -3 नीम (1/9)

लर्निंग आउटकम– H401, H405
शिक्षण उद्देश्य– कविता विधा से परिचित कराते हुए मौखिक, पठन एवं लिखित भाषायी कौशलों में सक्षम बनाना।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, शब्द – अर्थ की पट्टी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत करते हुए पूछें कि आप लोगों को कविता/गीत कैसे लगते हैं ? हमें कविता/गीत क्यों अच्छे लगते हैं ?
- शिक्षक स्वयं कोई छोटी कविता सुनाकर बच्चों को उत्साहित करेंगे।
- कक्षा के 2– 3 बच्चों से पहले की सुनी कोई भी कविता सुनाने को कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में आरोह–अवरोह के साथ कविता का सस्वर वाचन करेंगे ।
- कुछ बच्चों के द्वारा भी कविता का सस्वर वाचन कराया जाएगा ।
- बच्चों के छोटे – छोटे समूह बनाकर कविता की 4 – 4 पंक्तियों को पढ़ने का अभ्यास कराया जाएगा ।
- शिक्षक कविता में आए तुकांत शब्दों पर चर्चा करेंगे और उन शब्दों को कॉपी पर लिखने को कहेंगे जैसे –

(I) लहराता ——————बलखाता, (ii) जताता ———————— भगाता

(iii) तन ———————————— मन

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से कुछ तुकान्त शब्द पूछकर एवं कविता की पंक्तियों को पढ़वाकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे ।
- शिक्षक बड़े समूह में नेह, प्रदूषित, रोग, वायु, ,शुद्ध आदि शब्दों पर चर्चा करते हुए बोर्ड पर लिखेंगे बच्चे इन शब्द – अर्थ को अपनी कॉपी पर लिखेंगे ।

शब्द	अर्थ
नेह	प्यार/स्नेह
रोग	
प्रदूषित	
वायु	
शहद	

गृहकार्य – बच्चों को नीम के पेड़ का चित्र बनाकर उसके बारे में लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -3 नीम (2/9)

लर्निंग आउटकम– H409
शिक्षण उद्देश्य– कविता का भाव स्पष्ट करना।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, चॉक / मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पेड़–पौधे से जुड़ा अपना कोई अनुभव सुनाने को कहें जैसे– आपने कोई पौधा लगाया हो या किसी वृक्ष की छाया के नीचे आप खेलते हों?
- शिक्षक बच्चों से पाठ्यपुस्तक की कविता का अवलोकन कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा के कुछ बच्चों से कविता का वाचन करवाएँगे।
- वाचन के पश्चात कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ पर चर्चा करते हुए अर्थ बताएँगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर निम्नांकित प्रश्नों पर चर्चा करते हुए उत्तर लिखने को कहेंगे।

(i) नीम के बारे में आप क्या–क्या जानते हैं?
(ii) आपने अपने परिवेश में बहुत से पेड़ – पौधे देखे होंगे। कुछ के नाम बताइए?
(ii) आपको सबसे अच्छा पेड़ कौन सा लगता है ? आपको यही पेड़ सबसे अच्छा क्यों लगता है?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कविता की अलग–अलग पंक्ति को पढ़वाकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।

दिनभर हँसता – गाता नीम
चिड़िया कौआ, तोता सबसे,
लहराता बलखाता नीम,
अपना नेह दिखाता नीम।

- शिक्षक बच्चों से कविता की उपर्युक्त पंक्तियों को सही क्रम में लगाने को कहेंगे। इस प्रकार से कविता की और भी पंक्ति ली जा सकती हैं।

गृहकार्य – नीम के पेड़ की लकड़ी किस काम में आती है? परिवार के लोगों की मदद से लिखकर लाने को कहें।

पाठ -3 नीम (3/9)

लर्निंग आउटकम– H407, H409
शिक्षण उद्देश्य– चित्र पर बातचीत की क्षमता विकसित करना ।
- लेखन क्षमता को विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– नीम के पेड़ का चित्र चार्ट, ICT का प्रयोग आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को चित्र चार्ट के माध्यम से नीम से होने वाले लाभ के बारे में चर्चा करेंगे साथ ही विद्यालय में उपलब्ध ICT संसाधनों के माध्यम से भी नीम के विषय में दिखाएँगे ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- **''पाठ के भीतर''** प्रश्न नम्बर 4 के अभ्यास से करेंगे। शिक्षक बच्चों को कविता की निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़ने को कहें ।

''चिड़िया, कौआ, तोता सबसे
अपना नेह जताता नीम''

- शिक्षक बच्चों से पूछें कि दी गई पंक्तियों में रेखांकित शब्द नेह का भाव है – प्यार व स्नेह। इसी आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- **''पाठ के भीतर''** के (क), (ख) के माध्यम से करेंगे।

(i) नीम का वृक्ष पक्षियों से अपना नेह किस प्रकार दिखाता है?
(ii) आपके परिवार के सदस्य और अध्यापक आपसे अपना नेह किस प्रकार जताते हैं?

- शिक्षक बोर्ड पर कविता की दो पंक्तियाँ लिखें। बच्चों से उन पंक्तियों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

"चले प्रदूषित वायु कभी तो
उसको शुद्ध बनाता नीम"

(क). प्रदूषित वायु से आप क्या समझते हैं?
(ख). वृक्ष प्रदूषित वायु को कैसे शुद्ध बनाते हैं?

- **''पाठ के भीतर''** के प्रश्न–2 के माध्यम से करेंगे। शिक्षक बच्चों को छोटे –छोटे समूह में बाँट कर नीम की पत्तियों का चित्र दिखाकर पूछें कि नीम की पत्तियों से किन–किन रोगों में लाभ हो सकता है? किन्हीं तीन के नाम लिखिए। बच्चे आपस में चर्चा कर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों की समझ का आकलन **'पाठ के भीतर''** के प्रश्न 6 के माध्यम से करेंगे।

गृहकार्य – कविता में किन पक्षियों के नाम आए हैं परिवार के लोगों की मदद से लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -3 नीम (4/9)

लर्निंग आउटकम– H413
शिक्षण उद्देश्य– पाठ में आए संज्ञा, क्रिया शब्दों की पहचान के साथ लेखन कौशल का विकास करना।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कृत्रिम फल / खिलौने, चित्र चार्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को कुछ वाक्य बोलें – जैसे

(I) लड़की पुस्तक पढ़ती है। (ii) लड़का पुस्तक पढ़ता है।
(iii) माताजी समाचार पढ़ती हैं। (iv) पिताजी भाजी काटते हैं।

- इसी प्रकार बच्चों से भी कुछ वाक्य बोलने को कहें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों के द्वारा बोले वाक्यों में संज्ञा शब्दों की पहचान करवाते हुए बताइए कि लड़की के लिए– ''पढ़ती'' और लड़के के लिए ''पढ़ता''– क्रिया रूप का प्रयोग किया गया है। यह अंतर– "लिंग"– के कारण आया है । इस पर विस्तार से बच्चों से चर्चा करें और यह भी बताएँ कि लिंग संज्ञा शब्दों के बारे में बताता है कि यह संज्ञा शब्द स्त्रीवाचक है या पुरुषवाचक है।
- शिक्षक कुछ निम्नलिखित उदाहरण के साथ इसको और स्पष्ट करें।

अरविन्द झूला झूल रहा है।
मनीषा पतंग उड़ाती है।
टमाटर खट्टा है।
इमली खट्टी है। आदि।

- छोटे– छोटे समूह में शिक्षक बच्चों से कविता में आए उन शब्दों को लिखवाएँ जिससे यह पता चलता है कि नीम पुल्लिंग है।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के **''भाषा की बात''** प्रश्न नम्बर 1 (क) बच्चों से करवाएँगे।



- ऊपर रखी टोकरी में **''भाषा की बात 1 (ख)''** बहुत से फल और साग– भाजी रखे हैं। इन्हें स्त्रीलिंग और पुल्लिंग की श्रेणी में बच्चों से लिखवाएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर कुछ शब्द लिखेंगें अथवा किसी अपरिचित पाठ्यांश से संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखने के लिए कहेंगे।
- **''भाषा की बात प्रश्न नम्बर 2** शिक्षक बच्चों को बताएँ कि प्रदूषित शब्द में 'प्र' लगा है। ऐसे ही कुछ और शब्द ढूँढ़कर बच्चों से उनकी पाठ्यपुस्तक में लिखवाएँ।

गृहकार्य – परिवार की मदद से स्त्रीवाचक संज्ञा के 5 वाक्य लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -3 नीम (5/9)

लर्निंग आउटकम– H404
शिक्षण उद्देश्य– बच्चा विभिन्न क्रियाओं जैसे हँसना, गाना आदि का अभिनय कर सकें।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक मुखौटे / पपेट्स, ICT का प्रयोग आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बड़े समूह में बच्चों को विभिन्न भावों (हँसना, रोना आदि) के मुखौटे दिखाकर चर्चा करेंगे।

(I). हम कब हँसते हैं?
(ii). हमें रोना किन बातों की वजह से आता है?
(iii). खुश होने पर हम क्या करते हैं? आदि।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक, पाठ 'नीम' को हाव – भाव के साथ पढ़कर सुनाएँगे ।
- पाठ में आने वाली क्रियाओं को ICT के माध्यम से बच्चों को दिखाते हुए सूक्ष्म चर्चा करेंगे।
- शिक्षक, बच्चों को चार छोटे समूहों में बाँटकर अभिनय करने को कहें।

समूह 1	–	हँसने का अभिनय करें।
समूह 2	–	लहराने का अभिनय करें।
समूह 3	–	बलखाने का अभिनय करें।
समूह 4	–	गाना गाने का अभिनय करें।

- पाठ में आए हुए क्रिया शब्दों को शिक्षक बच्चों से ढूँढ़कर लिखवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर कुछ शब्द लिखेंगे। बच्चों से इन शब्दों में से क्रिया शब्द ढूँढ़कर बताने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि और कौन– कौन सी चीज़े लहराती या बलखाती हैं? ध्यान रखें कि सभी बच्चे इस चर्चा में शामिल हों।
- पाठ में दिए क्रिया शब्दों से एक–एक वाक्य लिखवाएँ।

गृहकार्य – पाठ के अतिरिक्त और भी 5 क्रिया शब्दों को घर के बड़ों की मदद से लिखकर लाने को कहें।

पाठ -3 नीम (6/9)

लर्निंग आउटकम– H406
शिक्षण उद्देश्य– पत्तियों एवं वृक्षों के बारे में बता लेता है।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, वृक्ष व पत्तियों का चित्र चार्ट गत्ता, ICT, QR Code आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- **(वृक्ष एक गुण अनेक–1)** शिक्षक चित्र के माध्यम से वृक्षों की विशेषता के बारे में बच्चों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- **(वृक्ष एक गुण अनेक–2)** शिक्षक नीचे दिए चित्र में पत्तियों के नाम व बच्चों की भाषा में उन पत्तियों को और किस नाम से जानते हैं? उस पर चर्चा करें। चर्चा के उपरांत बच्चों की पाठ्यपुस्तक में लेखन करवाएँ।

पत्तियों के चित्र	पत्तियों के नाम	आपकी भाषा में नाम
	बरगद	.....
	धनिया	.....
	आम	.....
	तुलसी	.....
	केला	.....
	शीशम	.....

- **(वृक्ष एक गुण अनेक–3)** बच्चों को 4–5 छोटे–छोटे समूह में बाँटकर आपस में चर्चा करते हुए पाठ्यपुस्तक में दी गई पत्तियों के नाम और उसकी विशेषता को लिखने को कहें। शिक्षक बच्चों की मदद करेंगे।
- बच्चों को छोटे– छोटे समूह में बाँटकर कुछ पत्तियों को इकट्ठा कर उनको मोटे कागज़ या गत्ते पर चिपकाने को कहें। पत्तियों की विशेषता को ध्यान में रखते हुए उनके बारे में दो–दो वाक्य लिखने को कहें।
- **(वृक्ष एक गुण अनेक–4)** बच्चों द्वारा किए गए समूह कार्य का बच्चों से प्रस्तुतीकरण करवाएँ। प्रस्तुतीकरण के उपरांत शिक्षक बच्चों को प्रोत्साहित करें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को अलग–अलग तरह के वृक्ष का चित्र दिखाकर उनके नाम व उनकी विशेषता पूछते हुए समझ का आकलन करेंगे।
- बच्चों से उनकी पसंद के पाँच वृक्षों के नाम लिखवाएँगे।

गृहकार्य – परिवार के लोगों की मदद से घर के आस–पास के वृक्षों पर वाक्य लिखकर लाने को कहें।

पाठ -3 नीम (7/9)

लर्निंग आउटकम– H416
शिक्षण उद्देश्य– बच्चा अधूरे वाक्य को पूरा कर लेता है एवं दिए गए शब्दों पर अपने विचार व्यक्त कर लेता है।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, चॉक / मार्कर पाठ से सम्बंधित प्रिंटरिच सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बोर्ड पर " नीम " शब्द लिखेंगे।
- बच्चों से नीम से जुड़ा एक– एक शब्द बोलने को कहें। शिक्षक ध्यान दें कि सभी बच्चे प्रतिभाग करें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर अधूरे वाक्य लिखकर बच्चों को उदाहरण देते हुए चर्चा करेंगे। जैसे–

(i) नीम एक ––––पेड़ है।
(ii) नीम का स्वाद ––––होता है।
(iii) नीम के पत्ते ––––होते हैं।

- बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर पाठ्यपुस्तक में दिए गए अधूरे वाक्य के अभ्यास कार्य **''मै नीम हूँ–1''** को बच्चों से आपस में चर्चा करते हुए पूरा करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि नीम एक औषधीय वृक्ष है उसकी टहनियों, पत्तियों, निम्बौरियों में औषधीय गुण पाए जाते हैं। फिर बच्चों से पूछें की इसके आलावा और भी कौन–कौन से औषधीय पेड़– पौधे एवं लताएँ होती हैं जिसमें औषधीय गुण पाए जाते हैं।
- चर्चा के पश्चात् पाठ्यपुस्तक के **''मै नीम हूँ–2''** अभ्यास कार्य बच्चों से करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करें की आप नीम की डाली पर झूला झूलना चाहते हैं। आप वहाँ झूला डालने गए। कल्पना कीजिए कि नीम कि डालियाँ आपसे बातें करने लगी। बच्चे इस संवाद को पाठ्यपुस्तक के **''मै नीम हूँ–3''** में लिखेंगे।

नीम –––––––– अरे! बहुत दिन बाद आई / आए हो !
आप ––––––––
नीम ––––––––

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को कुछ शब्द देकर वाक्य बनवाते हुए बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से कुछ पहेलियाँ पूछें और उसके सही उत्तर को लिखवाएँ। जैसे–

वह क्या है जिसे देखा जा सकता है पर छुआ नहीं जा सकता?

- उत्तर : (परछाई) । शिक्षक और भी पहेलियाँ ले सकते हैं।
- शिक्षक कक्षा के एक, दो बच्चों से पहेलियाँ पूछकर सही उत्तर जानेंगे।

गृहकार्य – परिवार की मदद से बच्चे एक टीन या मिट्टी का खुले मुँह वाला बर्तन लेकर उसमें अपनी मनपसंद पौधे का बीज बोएँ।

नीम (8/9)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. आपके गाँव में या घर के आस–पास कौन–कौन से पेड़ हैं? उनके नाम बताइए।
   - नीम के बारे में आप क्या–क्या जानते हैं?
   - वृक्ष वायु को कैसे शुद्ध बनाते है?
   - कविता में किन–किन पक्षियों के नाम आए हैं? उनके नाम बताइए।
2. निम्नलिखित पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए।

> हवा चले तो झूम–झूम के, सबका मन बहलाता नीम।
> चले प्रदूषित वायु कभी तो, उसको शुद्ध बनाता नीम।।

3. निम्नलिखित शब्दों के तुकान्त शब्द बताइए।

गाता	बहलाता
किसी	बनाता

4. कुछ औषधीय वृक्षों के नाम बताइए।
5. निम्न शब्दों में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग छाँटिए।

गोभी, प्याज, अदरक, केला, आम, बैंगन, भिण्डी, लौकी

6. निम्न शब्दों में संज्ञा शब्दों को छाँटिए।

जाना, मोहन, वाराणसी, और.....

7. निम्नलिखित क्रिया शब्दों के भाव के अनुसार अभिनय कीजिए।

उछलना, हँसना, कूदना, पानी पीना,

8. ''सुगन्धित'' शब्द में ''सु'' लगा है। ऐसे ही कुछ और शब्द ढूँढ़कर नीचे लिखिए।

.....

.....

सु

.....

.....

नोट– शिक्षक 9/9 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

• 'भाँति– भाँति की पत्तियाँ' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'नीम' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।

कितना सीखा (1)

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए

- आपके परिवार के सदस्य घर से बाहर क्यों जाते हैं?
- खुले आकाश में उड़ते समय चिड़िया ने क्या–क्या देखा होगा, जिससे उसे लगा कि संसार बहुत बड़ा है?
- घोंघा उद्यान के बाहर क्यों जाना चाहता था?
- छेद के दूसरी ओर जाते ही घोंघा चकित क्यों रह गया?
- नीम से किन–किन रोगों में लाभ हो सकता है? किन्हीं तीन के नाम पता करके लिखिए।

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए।

संसार, आकार, सुकुमार, सुंदर, जीवन, चकित, नेह, रोग, प्रदूषित –आदि।

3. निम्न शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए।

शब्द	वाक्य प्रयोग
घोंसला	
बगीचा	
सूरज	
नीम	
डॉक्टर	

4. नीचे कुछ रोचक पहेलियाँ दी गई हैं। उनके उत्तर लिखिए

- एक लाठी की अजब कहानी, उसके भीतर मीठा पानी?
- एक पक्षी ऐसा, जिसकी दुम पर पैसा?
- वह क्या है जिसे देखा जा सकता है पर छुआ नहीं जा सकता?

5. नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़कर उसमें दिए गए संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखिए।

मेरे घर में एक कुत्ता है, उसका नाम जोजो है। वह रोज सुबह मेरे साथ दौड़ने जाता है। घर के सभी लोग उसको बहुत प्यार करते हैं।

संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया	विशेषण

पाठ -4 हमारा आहार (1/8)

लर्निंग आउटकम– H407
शिक्षण उद्देश्य– चित्रों के माध्यम से कविता की विषयवस्तु पर समझ बनाना।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, आहार तालिका का चित्र चार्ट, ICT, QR Code आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- **बातचीत के लिए–** दिए गए चित्रों को दिखाकर बातचीत करेंगे।



प्र.सं. 1–3 पर–
- चित्र में आपको क्या–क्या दिखाई दे रहा है?
- आपके लिए आहार क्यों ज़रूरी है?
- आपको क्या खाना पसंद है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कविता में दिए गए चित्रों के माध्यम से कविता की विषयवस्तु समझाएँगे।
- शिक्षक कविता का स्पष्ट उच्चारण और उचित गति से भावपूर्ण वाचन करेंगे। (कविता के पहले पेज का वाचन किया जाएगा)
- प्रश्नों के माध्यम से कविता की विषय वस्तु पर समझ विकसित करेंगे– जैसे –

(i) कविता में किन– किन सब्जियों के बारे में बात की गई है?
(ii) कविता में पानी पीने की सलाह क्यों दी गई है?
(iii) भोजन में आप लोग क्या–क्या खाते हैं। आदि –

- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर कविता में आए कठिन शब्द आहार, चुस्ती, फुर्ती, व्यवहार, महिमा, भोजन, पीड़ा आदि शब्दों के अर्थ पर आपस में चर्चा करने और लिखने के लिए कहेंगे। शिक्षक बच्चों की मदद करेंगे। समूह में लिखे हुए शब्दों को पढ़ने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को बताएँगे कि संतुलित आहार क्यों ज़रूरी है। संतुलित आहार में क्या–क्या चीजें होती हैं।
- बच्चों से उनके एक दिन के भोजन के बारे में 2–3 वाक्य बोलने व लिखने को कहेंगे।

गृहकार्य – परिवार के लोगों की मदद से घर में खाए जाने वाले भोजन बनाने की विधि लिखकर लाने को कहें।

पाठ -4 हमारा आहार (2/8)

लर्निंग आउटकम– H401, H405
शिक्षण उद्देश्य– आदर्श वाचन के माध्यम से पाठ की समझ बनाना।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, ICT, बोर्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- **बातचीत के लिए** में दिए गए प्रश्न संख्या 5 पर शिक्षक बच्चों से बातचीत के माध्यम से चर्चा करें। क्या आपको लगता है कि केवल आहार ही हमें स्वस्थ रख सकते हैं? या स्वस्थ रहने के लिए कुछ और भी आवश्यक है? बच्चे जो भी उत्तर दें उसका कारण भी पूछें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कविता का स्पष्ट, सही उच्चारण और उचित गति से आदर्श वाचन करेंगे। (आज कविता के दूसरे पृष्ठ का वाचन किया जाएगा)
- वाचन के दौरान भाव, ठहराव और स्वर पर ध्यान देंगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे–छोटे समूह में कविता का वाचन करवाएँगे।
- **कविता के आधार पर–** प्रश्न 1– में दिए गए भाग के उदाहरण को देखकर बच्चों से तालिका के अभ्यास कार्य को पूरा करवाएँगे।

फलों का नाम	साग – भाजियों के नाम	दूध से बने उत्पादों / सामानों के नाम	सलाद की सामग्री के नाम
आम	परवल	दही	गाजर

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- संतुलित आहार में क्या–क्या चीज़ें होती हैं एक– दो बच्चों से पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।
- **कविता के आधार पर** –प्रश्न 2–के अभ्यास कार्य को बच्चों की अभ्यास पुस्तिका में करवाएँगे।

गृहकार्य – शिक्षक बच्चों से कविता को घर पर अभिभावकों को पढ़कर सुनाने के लिए कहेंगे।

पाठ -4 हमारा आहार (3/8)

लर्निंग आउटकम– H405
शिक्षण उद्देश्य– कविता का सस्वर वाचन और पठन का आनंद लेना।
- प्रश्नोत्तर / बातचीत से मौखिक, लिखित अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, ICT, बोर्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- **बातचीत के लिए** प्रश्न 3 पर शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि आपको खाने में क्या–क्या पसन्द है?
- कविता में किन–किन खाद्य पदार्थों की बात की गई है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में पूरी कविता का हाव–भाव के साथ सस्वर वाचन करेंगे।
- छोटे–छोटे समूह में बच्चों को कविता का एक–एक पैराग्राफ पढ़ने को कहें। धीमी गति से पढ़ने वाले बच्चों को मौका दें।
- **कविता के आधार** पर प्रश्न न. 3 एवं 5 पर शिक्षक प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करेंगे और बच्चों से उत्तर भी लिखवाएँगे।

क. हमें फलों और फूलों के बगीचे क्यों लगाने चाहिए?
ख. हमें भूख से अधिक क्यों नहीं खाना चाहिए?
ग. कविता में भोजन का सेवन किस प्रकार करने की सलाह दी गई है और क्यों?

- **कविता के आधार** पर शिक्षक प्रश्न 5 में दिए गए चित्र के माध्यम से साग–भाजियों की पहचान करवाएँगे और उनको रिक्त स्थान में लिखवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- **कविता के आधार** पर पाठ्यपुस्तक के प्रश्न 6 में कुछ कथन दिए गए हैं शिक्षक उस कथन को उनको 'हाँ जी हाँ' 'ना जी ना' से बच्चों से पूरा करवाएँ।
- **अनुमान और कल्पना–** प्रश्न 1 से 3 के आधार पर शिक्षक बच्चों से कुछ प्रश्न करेंगे। ध्यान रखें कि कम बोलने वाले बच्चे भी प्रतिभाग करें।

1. अगर आपके पास एक छोटा सा खेत होता तो आप उसमें कौन से फल और साग– भाजी उगाते और क्यों ?
2. अगर आप इस कविता में कुछ और खाद्य पदार्थ जोड़ सकते तो आप क्या जोड़ते और क्यों ?
3. कल्पना कीजिए कि आपने स्वस्थ आहार से सम्बंधित एक प्रतियोगिता में भाग लिया है। प्रतियोगिता में आप कौन से तीन सबसे अच्छे खाद्य पदार्थ चुनेंगे।

गृहकार्य – परिवार के लोगों की मदद से बच्चों को पाठ्यपुस्तक के **कविता के आधार** पर प्रश्न 4 मिलान करो– का कार्य करके लाने को कहेंगे।

पाठ -4 हमारा आहार (4/8)

लर्निंग आउटकम– H415
शिक्षण उद्देश्य– विपरीत व प्रत्यय शब्दों की समझ व अभ्यास लेखन व पठन अभ्यास।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, ICT, बोर्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि शुद्ध स्वच्छ और पौष्टिक आहार क्या होता है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर कुछ शब्द लिखेंगे और बच्चों से उनके विपरीत शब्द बताने को कहेंगे।

शब्द	**विपरीत शब्द**
अपना	पराया
गरमी	.....
नियमित	.....

- **भाषा की बात** –रेखांकित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति का अभ्यास कार्य बच्चों की पाठ्यपुस्तक में करवाएँगे।
- बच्चों से छोटे–छोटे समूह में मौखिक व लिखित अभ्यास कराएँगे।
- शिक्षक बच्चों को सरल भाषा में बताएँगे कि जब किसी शब्द के अंत में कुछ जोड़ कर नया शब्द बनता है तो उसे प्रत्यय कहते है। जैसे–
- **भाषा की बात** प्रश्न 2 'नियमित' शब्द नियम में इत जोड़कर बना है। ऐसे ही और शब्दों में भी इत लगाकर नए शब्द बनाइए।
- नियम + इत – नियमित
- बच्चों से ऐसे ही 2–3 शब्द और भी बनवाएँ और उनकी पाठ्यपुस्तक में इस अभ्यास कार्य को करवाएँ।
- 1– 2 बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए शब्दों को पढ़कर सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से पुनरावृत्ति के लिए कुछ प्रश्न पूछकर समझ का आकलन करेंगे।

(i) विपरीत शब्द किसे कहते हैं?
(ii) प्रत्यय से बना कोई एक शब्द बताओ।

गृहकार्य– परिवार के लोगों की मदद से पाठ्यपुस्तक में दी गई **भाषा की बात** प्रश्न 3 – वर्ग पहेली के शब्दों से सामान अर्थ वाले शब्द ढूँढ कर उनसे वाक्य बनाकर लाने को कहेंगे।इसके लिए शिक्षक बच्चों को एक – दो उदाहरण देकर समझाएँगे।

पाठ -4 हमारा आहार (5/8)

लर्निंग आउटकम– H415
शिक्षण उद्देश्य– पाठ से सम्बंधित शब्दों की समझ व लेखन।
- वर्ण बदलकर नए शब्द बनाना।
- सब्ज़ियों के स्थानीय नामों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, ICT, बोर्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से सब्जी विषय पर बातचीत करेंगे। जैसे –

1. आपको कौन–कौन सी सब्जी पसंद है ?
2. आजकल ज़्यादातर कौन सी सब्जियाँ आपको दिखाई दे रही हैं?
3. सब्जियाँ हमारे लिए क्यों ज़रूरी हैं?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में बोर्ड पर कुछ शब्द बोलते हुए लिखेंगे। जैसे–**भालू**। बच्चों से कहें कि इस शब्द में वर्ण बदलकर नया शब्द बनाओ लेकिन मात्रा नहीं बदले तो कौन सा शब्द बनेगा। बच्चे बताएँगे आलू। इसी प्रकार शिक्षक और भी शब्दों का मौखिक व लिखित अभ्यास बोर्ड पर करवाएँ।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए **भाषा की बात के** प्रश्न 4 – साग – तरकारी के नाम में वर्ण बदलकर शब्द लिखवाएँ। ध्यान रखें कि मात्रा न बदले। (उदाहरण)

भालू ———————— आलू

- **पता लगाइए–** के अंतर्गत शिक्षक बोर्ड पर साग – तरकारियों के नाम लिखेंगे और बच्चों से पूछेंगे इन साग– तरकारियों को आपके यहाँ क्या कहा जाता है। इनके अतिरिक्त भी और साग– तरकारियों के प्रचलित व स्थानीय नाम बताओ।

साग तरकारी का प्रचलित नाम	आपका प्रदेश/क्षेत्र	स्थानीय नाम
प्याज	पश्चिमी उत्तर प्रदेश	गंठा

शिक्षक छोटे–छोटे समूह में इस अभ्यास कार्य को बच्चों की पाठ्यपुस्तक में भी करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से स्थानीय सब्जियों के स्थानीय नाम पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।
- शिक्षक कुछ बच्चों से वर्ण बदलकर कोई और शब्द बताने को कहें।

गृहकार्य – पाठ्यपुस्तक में टमाटर के पौधे का चित्र बना है। उसके विभिन्न भागों की पहचान व नाम घर से अभिभावकों की मदद से लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ -4 हमारा आहार (6/8)

लर्निंग आउटकम– H407
शिक्षण उद्देश्य– चित्रों के माध्यम से वाक्य निर्माण कराना तथा सब्जियों का अभिनय करवाना।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्र चार्ट, तरकारियों के नाम की पर्ची, पहेली की पर्ची आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्वदिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि जाड़े में सबसे ज्यादा बिकने वाली तरकारी कौन –कौन सी होती हैं और आपको उनमें से सबसे ज्यादा कौन सी तरकारी पसंद है।
- आपके घर में तरकारी कौन लाता है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में पाठ्यपुस्तक के **समझिए और लिखिए** में दिए गए प्रश्न 2 – बाज़ार के चित्र को बच्चों को दिखाते हुए चर्चा करेंगे।

(I) चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है?
(ii) चित्र में क्या हो रहा है?
(iii) चित्र में कौन –कौन सी तरकारियाँ बिक रही हैं?
(iv) फल बेचने वाली महिला के पास कौन– कौन से फल हैं?
(v) तरकारी बाज़ार में बिकने के लिए कहाँ से आती होंगी?

- छोटे– छोटे समूह में चित्र के आधार पर बच्चों से दस वाक्य कॉपी पर लिखवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों की पाठ्यपुस्तक में **आनंदमयी गतिविधि** के अभ्यास कार्य को करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ फलों और साग– भाजियों के नाम की पर्ची बनाकर एक डिब्बे में रखेंगे।
- 2 से 3 अलग–अलग बच्चों से उन पर्चियों को उठाकर उस पर्ची पर लिखे नाम के गुण, विशेषता ऐसे बताने को कहेंगे जैसे वह खुद ही वह फल या साग– भाजी हों (फल, साग–भाजी का अभिनय करवाएँगे।)
- शिक्षक बच्चों से पहेली पूछेंगे। बच्चे कल्पना व अनुमान के आधार पर उत्तर देंगे।

बूझो तो जाने –

हरी थी, मन भरी थी। लाख मोती जड़ी थी।
किसानो के खेत में दुशाला ओढ़े खड़ी थी।

- शिक्षक और भी पहेलियाँ बच्चों से पूछेंगे।

गृहकार्य – परिवार के लोगों की मदद से पुरानी पत्रिकाओं, समाचार पत्रों से फल और साग–भाजी की कटिंग करके कोलाज बनाकर उसका प्यारा सा नाम लिखकर लाने को कहेंगे।

हमारा आहार (7/8)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. हमारे लिए आहार क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- खाने में सावधानी रखना क्यों आवश्यक है?
- आपको कौन–कौन सा फल अच्छा लगता है। उनके नाम बताइए।
- आपके घर के आस–पास कौन–कौन से फल के वृक्ष हैं?

2. निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए।

- पेट से ज़्यादा जब कोई खाए, खाकर वह पीछे पछताए ।
- जब खाते हैं ढंग से खाना, व्याधि को ना मिले बहाना।

3. रेखांकित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

- खाने में सलाद अधिक और तले हुए व्यंजन.....खाएँ।
- अच्छी आदतों को भूलना नहीं.....रखना चाहिए।
- गरमी के मौसम में सूती और.....के मौसम में ऊनी कपड़े पहनने चाहिए।
- सही समय पर सोइए और सही समय पर..... ।

4. नीचे दी गयी सारणी में आपको स्वस्थ और हानिकारक खाद्य/पेय पदार्थों के नाम बताने हैं। आपको यह तय करना है कि कौन सा पदार्थ स्वास्थ्यवर्धक और कौन सा हानिकारक हैं?

क्रम संख्या	स्वास्थ्यवर्धक	हानिकारक

नोट– शिक्षक 8/8 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

पाठ -5 हौसला (1/8)

लर्निंग आउटकम– H402
शिक्षण उद्देश्य– कहानी विधा से परिचित कराते हुए रोचक ढंग से कहानी सुनाना तथा कहानी की घटना पर चर्चा करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, बोर्ड, चॉक / मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को गोल घेरा बनाकर बैठाएँगे। बच्चों से पूछेंगे, क्या आपको कहानी सुनना अच्छा लगता है? (हाँ तो क्यों)
- शिक्षक बच्चों को एक छोटी कहानी सुनाते हुए कहानी विधा से परिचित कराएँगे।
- क्या आपने कोई कहानी घर पर सुनी है या पिछली कक्षा में पढ़ी है? यदि हाँ तो बच्चों को कहानी सुनाने को कहेंगे।
- शिक्षक सड़क यात्रा की कोई कहानी सुनाएँगे या चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक हावभाव के साथ हौसला कहानी सुनाएँगे।
- (ICT का प्रयोग करके भी पाठ में दिए QR Code के माध्यम से बच्चों में समझ विकसित की जा सकती है।)
- पाठ्यपुस्तक में **बातचीत** के लिए दिए गए प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

(i) कहानी में प्रधानाचार्य ने ऐसा क्यों कहा होगा कि, 'बेटा, तुम दोनों ने हमारे विद्यालय का सदैव गौरव बढ़ाया है?

(ii) माइकल बड़ा होकर संगीतज्ञ और उसका दोस्त शिक्षक बन गया। आप बड़े होकर क्या बनना चाहेंगे और क्यों ?

(iii) यातायात के नियमों को जानना और उनका पालन करना क्यों आवश्यक है?

(iv) इस कहानी से क्या सीख मिलती है?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- **पाठ के भीतर** के निम्न प्रश्नों का उत्तर बच्चों से पूछेंगे। उसे कॉपी पर लिखवाएँगे और पुस्तक में सही उत्तर पर सही का निशान लगवाएँगे।

(क) प्रधानाचार्य ने बच्चों को प्रतियोगिता के लिए कहाँ भेजा?

(i) दिल्ली (ii) मुम्बई (iii) चेन्नई (iv) लखनऊ

(ख) ट्रैफिक सिग्नल में कौन–सी लाइट नहीं होती है?

(i) लाल (ii) हरी (iii) पीली (iv) नीली

(ग) माइकल चौराहे पर वाहन की चपेट में क्यों आ गया?

(I) गाड़ी नहीं रुकी (ii) लाल बत्ती नहीं देखी
(iii) वह दूसरे वाहन पर चढ़ रहा था (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(घ) पाठ में किस मुहावरे का प्रयोग नहीं हुआ है?

(i) अंधे की लाठी (ii) रंग में भंग पड़ना (iii) जी–जान से जुड़ना (iv) आँखों का तारा

गृहकार्य – घर से इस कहानी को पढ़कर आएँगे।

पाठ -5 हौसला (2/8)

लर्निंग आउटकम– H405
शिक्षण उद्देश्य– कहानी को उचित प्रवाह, उतार–चढ़ाव एवं शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना, अपने शब्दों में सुनाना व पाठ में आए चित्रों, घटनाओं पर चर्चा करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- हौसला कहानी को बच्चों को अपने शब्दों में सुनाने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पाठ के चित्रों पर बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ के एक अनुच्छेद को उचित प्रवाह, उतार–चढ़ाव एवं शुद्ध उच्चारण के साथ आदर्श वाचन करेंगे।
- छोटे –छोटे समूह बनाकर बच्चों को पाठ पढ़ने का अवसर देंगे।
- तत्पश्चात् बच्चों को कहानी की मुख्य घटनाओं पर समूह में चर्चा करने को कहेंगे।
- जो समूह में चर्चा के दौरान घटनाओं पर समझ बनी है उसे बच्चों से सुनेंगे।

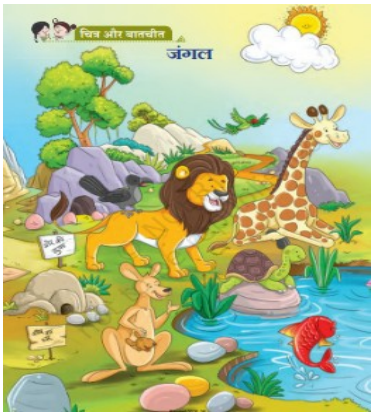
पाठ्यपुस्तक के **सोचिए और लिखिए–**

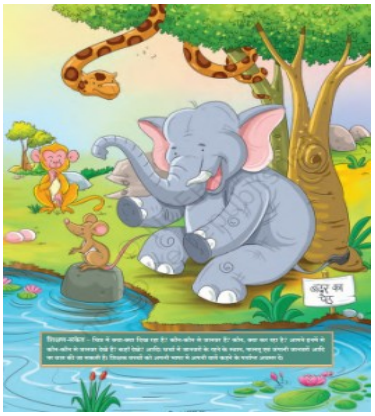
(i) अगर माइकल दुर्घटना से निराश हो जाता तो परिणाम क्या होता?
(ii) 'कई बार हमारी जरा–सी असावधानी जीवन भर का दुःख बन जाती है।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
(iii) यदि आपके बचपन का कोई मित्र बहुत समय बाद आपको मिले तो आप क्या करेंगे?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- **सोचिए और लिखिए** के प्रश्न 4. आपको विद्यालय जाकर अचानक पता चले कि आपको किसी प्रतियोगता के लिए बाहर जाना है तो आप क्या–क्या तैयारी करेंगे?

गृहकार्य – कहानी को पढ़कर कठिन/अपरिचित शब्दों को रेखांकित करते हुए अपनी अभ्यास पुस्तिका पर लिखकर लाएँगे।





पाठ -5 हौसला (3/8)

लर्निंग आउटकम– H414
शिक्षण उद्देश्य– कहानी में आए अपरिचित शब्दों के अर्थों की समझ विकसित करना।
• वर्तनी की शुद्धता,विराम चिह्नों, शब्द–युग्म एवं अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर, वाक्य पट्टी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गृहकार्य के शब्दों को पढ़ने के लिए कहेंगे और गलत उच्चारित हुए शब्दों को बोर्ड पर लिखते रहेंगे साथ ही बच्चों को सही करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर लिखे अपरिचित/कठिन शब्दों का अर्थ बताते हुए बड़े समूह में चर्चा करेंगे।
- तत्पश्चात् उन शब्दों से बच्चों को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर वाक्य लिखने को कहेंगे और अवलोकन भी करेंगे।
- छोटे समूह में बच्चों को वर्तनी के अशुद्ध वाक्य/अनुच्छेद की पट्टी देकर शुद्ध कराने का अभ्यास कराएँगे।
- पाठ्यपुस्तक के **भाषा की बात** के प्रश्न 1 निम्नलिखित पंक्तियों को नीचे दिए गए उचित विराम चिह्नों की सहायता से पूरा कराएँगे–

विराम चिह्न,? ! ।
(क) मोहन, मंजीत और अमित अच्छे मित्र हैं
(ख) मैं अध्यापक बन गया
(ग) प्यारे बच्चों विपत्ति के समय हौसला बनाए रखना चाहिए
(घ) अवनीश क्या तुम्हें वह दुर्घटना याद है

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से स्थानीय बोली में बोले जाने वाले कुछ एक जैसे शब्दों पर चर्चा करेंगे
पाठ्यपुस्तक के **भाषा की बात** के प्रश्न 2 निम्न शब्द–युग्म की सहायता से एक–एक वाक्य लिखिए–

इधर–उधर .....
कभी–कभी .....
टेढ़ी–मेढ़ी .....
अता–पता .....

गृहकार्य – बच्चे अपने मन से किसी घटना पर 5–5 वाक्य अपनी अभ्यास पुस्तिका पर लिखकर लाएँगे।

पाठ -5 हौसला (4/8)

लर्निंग आउटकम– H408, H414
शिक्षण उद्देश्य– वाक्य निर्माण तथा प्रश्नों पर चर्चा करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व में दिए गृहकार्य का अवलोकन करते हुए कुछ बच्चों को बारी–बारी से अपने वाक्यों को जोर–जोर से पढ़ने के लिए कहेंगे।
उसमें से कुछ वाक्यों को बोर्ड पर लिखते जाएँगे फिर कुछ वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलकर दिखाएँगे और बच्चों से प्रश्नवाचक शब्द ढूँढ़वाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ के **प्रश्न 3 निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और दिए गए उदाहरण के अनुसार प्रश्न बनाइए–** इसे कराएँगे।

उदाहरण– व्हील चेयर पर माइकल बैठा था। यहाँ 'कौन' प्रश्नवाचक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाया जा सकता है
जैसे– व्हील चेयर पर कौन बैठा था?
(क) माइकल के पिता जी का तबादला चंडीगढ़ हो गया। ('कहाँ' शब्द लगाकर प्रश्न बनाएँ)
(ख) माइकल का दाखिला जुलाई के दूसरे सप्ताह में हुआ। ('कब' शब्द लगाकर प्रश्न बनाएँ)
(ग) उसने हाथ हिलाकर उसका अभिवादन किया। ('कैसे' शब्द लगाकर प्रश्न बनाएँ)
(घ) चौराहे पर उसने लाल बत्ती को नहीं देखा। ('क्या'शब्द लगाकर प्रश्न बनाएँ)

- पाठ के प्रश्न 4 **मात्रा लगाकर और हटाकर नए–नए शब्द बनाइए** को कराएँगे।

इसमें मात्रा लगाकर नए शब्द बनाएँ		इसमें मात्रा हटाकर नए शब्द बनाएँ	
(क) कल	_____	थामे	_____
(ख) तल	_____	धीरे	_____
(ग) खल	_____	तुम	_____
(घ) हर	_____	गोला	_____

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ के प्रश्न 5– **'हौसला' शब्द पर कुछ मुहावरे नीचे दिए गए हैं। इन मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) हौसला बढ़ाना
(ख) हौसला रखना
(ग) हौसला तोड़ना
(घ) हौसला बुलंद होना

गृहकार्य – प्रश्न 6 **चित्र देखकर** पठित कहानी की घटनाओं पर आधारित वाक्य लिखिए– इसे घर से करके लाएँगे।

पाठ -5 हौसला (5/8)

लर्निंग आउटकम– H401, H409
शिक्षण उद्देश्य– अनुमान एवं कल्पना से कहानी निर्माण करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, बोर्ड, चॉक / मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देते हुए बच्चों से वाक्यों को पढ़ने को कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से हौसला कहानी सुनेंगे। आवश्यकता हो तो स्वयं सुनाएँगे तत्पश्चात् पाठ्यपुस्तक के **अनुमान और कल्पना** के प्रश्न पर बच्चों से चर्चा करेंगे।

1. यदि माइकल की दुर्घटना नहीं हुई होती तो कहानी में क्या–क्या बदलाव आता?
2. यदि रोजी दीदी माइकल की मदद नहीं करती तो क्या होता?
3. आपका कोई मित्र दुर्घटनाग्रस्त हो जाए तो आप क्या करेंगे?
4. इस कहानी को पढ़ने के बाद आप किन–किन बातों का ध्यान रखेंगे?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- सभी बच्चों को कल्पना की गयी कहानी को लिखने को कहेंगे। लिखी गयी कहानी सुनाने को कहेंगे।

गृहकार्य – अपने अभिभावकों से यातायात के नियमों के विषय में चर्चा करेंगे।

रंगीन फूल किसके हैं?

एक बग़ीचा था। वहाँ चिड़ियाँ चीं–चीं कर रही थीं। कुछ तितलियाँ बग़ीचे में आ गईं। वे फूलों पर मँडराने लगीं। तभी एक टिड्डा चिल्लाया, "ख़बरदार! इस बग़ीचे के सभी फूल मेरे हैं। चलो, भागो यहाँ से!"

तितलियाँ डर गईं। एक तितली हिम्मत जुटाकर बोली, "तुम्हारी तरह हमें भी रंगीन फूल पसंद हैं।"

"नहीं, यहाँ सिर्फ़ मैं खेल सकता हूँ।" टिड्डा कड़क आवाज़ में बोला।

तभी एक बड़ा भौंरा उड़ता हुआ आ गया। भौंरे को देखते ही टिड्डा घबरा गया। उसे भौंरे का ज़हरीला डंक दिखा! टिड्डा फ़ौरन वहाँ से भाग गया। सभी तितलियाँ फूलों के साथ खेलने लगीं।



चित्रांकन : अमर सोनी लेखन : अनिल भारती

पाठ -5 हौसला (6/8)

लर्निंग आउटकम– H407
शिक्षण उद्देश्य– प्रिंट रिच सामग्री/संकेतों को देखकर समझकर प्रयोग कर पाते हैं।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, बोर्ड, चॉक/मार्कर, पशु पक्षियों से सम्बंधित चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व में दिए गृहकार्य पर चर्चा करते हुए बच्चों से पूछेंगे कि घर पर आपने किन यातायात नियमों के विषय में जाना। 4 से 6 बच्चों से यातायात के नियम बताने को कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- **ढूँढ़िए और गिनिए–** में दिए चित्रों पर चर्चा करने के बाद वाहनों के नाम एवं गिनकर संख्या लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक यातायात शब्द पर माइंड मैप कराएँगे –
- माइंड मैप कराते समय शिक्षक यातायात शब्द को बोर्ड पर लिखेंगे एवं बच्चों को बोलेंगे कि यातायात शब्द सुनकर आपको कौन–कौन से शब्द याद आ रहे हैं।
- बच्चों द्वारा बोले गए यातायात से सम्बंधित शब्दों को बोर्ड पर शिक्षक स्वयं लिखेंगे या बच्चों से लिखवाएँगे। बच्चों द्वारा बोले गए शब्दों पर शिक्षक बच्चों से जरूर पूछे कि इसका संबंध यातायात से कैसे है? जिससे यह पता चले बच्चा कैसे इसे जोड़ रहा है।



- माइंड मैप में आए शब्दों से वाक्य/कहानी बनाएँ।
- **कलाकारी** के प्रश्न 1 दिए गए चित्र में रंग भरिए– इसे कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक विद्यालय में उपलब्ध ICT संसाधनों के माध्यम से एक बार यातायात के नियमों को दिखाते हुए अथवा बोर्ड पर लिखकर **यह भी जानिए–** पर चर्चा करेंगे।

गृहकार्य – घर वालों की मदद से बच्चे यातायात सुरक्षा से सम्बंधित पोस्टर बनाकर लाएँगे और कक्षा में प्रदर्शित करेंगे।

हौसला (7/8)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

- अगर माइकल दुर्घना से निराश हो जाता तो परिणाम क्या होता?
- 'कई बार हमारी जरा–सी असावधानी जीवन भर का दुःख बन जाती है।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
- यदि आपके बचपन का कोई मित्र बहुत समय बाद आपसे मिले तो आप क्या करेंगे?
- आपको विद्यालय जाकर अचानक पता चले कि आपको किसी प्रतियोगिता के लिए बाहर जाना है तो क्या–क्या तैयारी करेंगे?

2. मात्रा लगाकर और मात्रा हटाकर नए शब्द बना कर लिखिए।

उदाहरण 'जल' शब्द में मात्रा लगाकर नये शब्द बनाना– जाल, जाला, और 'घाटा' शब्द से मात्रा हटाकर नये शब्द बनाना– घाट, घटा, घट।

मात्रा लगाकर नए शब्द बनाएँ		मात्रा हटाकर नए शब्द बनाएँ	
कला	.....	थामे	.....
तल	.....	धीरे	.....
खल	.....	तुम	.....
हर	.....	गोला	.....

निम्नलिखित शब्दों की सहयाता से प्रश्न का निर्माण कीजिए।

शब्द	निर्माण किए गए प्रश्न
कौन →	
कहाँ →	
कब →	

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

मुहावरा	अर्थ	वाक्य प्रयोग
हौसला हारना		
हौसला तोड़ना		
हौसला रखना		
हौसला बुलन्द होना		

नोट– शिक्षक 8/8 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

- **'चेरापूँजी के मेहमान' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'हौसला' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।**

पाठ -6 जयपुर से पत्र (1/11)

लर्निंग आउटकम– H406
शिक्षण उद्देश्य– पत्र विधा से परिचित कराते हुए एक दूसरे को सन्देश पहुँचाने वाले साधनों और उनके प्रयोग की विशेषताओं से परिचित कराना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र, सफेद पेपर, बोर्ड, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों को 'कानाफूसी' खेल खिलाएँगे तत्पश्चात् निम्नवत कुछ प्रश्न करेंगे।
आप अपनी बात किसी को पहुँचाने के लिए उनसे अपनी बात कहते हैं परन्तु आप दूर रहने वाले रिश्तेदार से कैसे बात करते हैं?
संभावित उत्तर– मोबाइल से
मोबाइल नहीं था तो पहले लोग कैसे संदेश भेजते थे?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

पत्र के मुख्य भागों (प्रेषक, संबोधन, विषय, समापन) के बारे में बच्चों को बताएँगे।
बच्चों को पत्र के बारे में अनुभव साझा करने को कहेंगे।
बच्चों से पत्र और मोबाइल संदेश में अंतर पूछेंगे।
शिक्षक बोर्ड पर पत्र, पोस्टकार्ड, ई–मेल, संदेश लिखकर इनके उपयोग पर विस्तृत चर्चा करते हुए आई० सी० टी० के माध्यम से उपलब्ध संसाधन द्वारा प्रदर्शित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

बच्चों से अपने मामा, नाना, बुआ, मौसी अथवा अन्य रिश्तेदार को अपनी बात/विचार बोलने/बताने को कहेंगे।
तत्पश्चात् शिक्षक बोर्ड पर पत्र विधा के स्वरूप के साथ उनकी बात लिखेंगे। बच्चों को अपने विचार इसी तरीके से अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखवाएँगे।

गृहकार्य – घर से अभिभावकों की सहायता से आज बताए गए तरीके से किसी रिश्तेदार के लिए पत्र लिखकर लाएँगे।

कानाफूसी गतिविधि के निर्देश

शिक्षक बच्चों को U आकार में बैठाकर एक बच्चे के कान में धीरे से कोई शब्द बोलते हैं। बच्चा उस शब्द को अगले बच्चे तक पहुँचाता है। इस प्रकार संदेश सभी बच्चों से होता हुआ अंतिम बच्चे तक पहुँचता है, जो उसे शिक्षक को बताता है। अंत में मूल शब्द और प्राप्त शब्द की तुलना की जाती है। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे समझते हैं कि संचार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक सूचना या संदेश पहुँचाने का माध्यम है। इससे बच्चों में सुनने, बोलने, ध्यानपूर्वक समझने, स्मरण शक्ति और स्पष्ट अभिव्यक्ति का विकास होता है।

पाठ -6 जयपुर से पत्र (2/11)

लर्निंग आउटकम– H403
शिक्षण उद्देश्य– पाठ को पढ़ना एवं प्रश्नों के माध्यम से उस पर चर्चा करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, पोस्ट कार्ड, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व में दिए गृहकार्य में लिखे पत्रों का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे,चर्चा करेंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
शिक्षक पाठ का भावपूर्ण/आदर्श वाचन करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- जो बच्चे पत्र लिखकर लाए हैं उसपर शिक्षक उनसे चर्चा करेंगे।
- अनुच्छेद पढ़कर रुक–रुककर प्रश्न पूछेंगे।

(i) पत्र किसे लिखा गया है?
(ii) लेखक कहाँ गए हैं?

बातचीत के लिए दिए अभ्यास कार्य से प्रश्न पूछना–

- आपको घूमना कैसा लगता है?
- अगर आपके आस–पास कोई ऐसा स्थान है जहाँ बाहर से लोग घूमने आते हैं तो उसके विषय में बताइए।
- अगर आपको किसी स्थान पर जाने का अवसर मिले तो आप कहाँ जाना चाहेंगे और क्यों?
- यदि आप या आपके परिवार का कोई सदस्य कहीं पर घूमने गया हो तो उसके विषय में बताइए।

अन्य प्रश्न भी शिक्षक स्वयं से बनाकर पूछें बच्चे उनके उत्तर देंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों से अपने रिश्तेदार को गर्मी की छुट्टी में अपने घर आने के लिए पत्र लिखवाएँगे।
- शिक्षक मार्गदर्शक व सहयोगात्मक भूमिका में रहेंगे।

गृहकार्य – पाठ को पढ़ने का अभ्यास घर से करके आएँ।

बच्चों को निम्न पत्रों से अवगत कराएँ–





पाठ -6 जयपुर से पत्र (3/11)

लर्निंग आउटकम– H406
शिक्षण उद्देश्य– पाठ में निहित भावों एवं विचारों को समझना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, पोस्ट कार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक "जयपुर से पत्र" पाठ को पढ़कर आए बच्चों से उनको अपने शब्दों में सुनाने को कहेंगे। शिक्षक पाठ पर पुनः चर्चा करें। आवश्यकता हो तो पुनः पढ़कर सुनाएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक कहानी के प्रश्नों पर चर्चा करें कुछ प्रश्न दिए हैं कुछ स्वयं से शिक्षक पूछें।

- लेखक अपने माता–पिता से क्या कहना चाहता है?
- पत्र में खुशी कैसे प्रकट हुई है?
- अपने शब्दों में बताइए। पाठ के अभ्यास **समझ की बात** के तीनों बहुविकल्पीय प्रश्न कराएँगे।

1. शीशमहल है–
(क). शिला देवी मंदिर के पास
(ख). आमेर के दुर्ग में
(ग). हवामहल के पास
(घ). रामनिवास बाग में

2. पत्र–
(क). जयपुर से लिखा गया था।
(ख). यात्रा के बाद लिखा गया था।
(ग). पिता को लिखा गया था।
(घ). अमर ने लिखा था।

3. निम्नलिखित में से किसे सैर (भ्रमण) नहीं कहा जाएगा–
(क). ताजमहल देखने के लिए आगरा जाना
(ख). बीमारी के उपचार के लिए नगर जाना
(ग). पढ़ाई के लिए शिलांग जाना
(घ). भारत दर्शन पर जाना

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

पाठ्यपुस्तक के **अपनी बात** में दिए अनुच्छेद को पढ़कर उसका उत्तर दें। अन्य अनुच्छेद पर भी अभ्यास कराएँगे।

"परसों रात को हम सकुशल जयपुर पहुँच गए। हमारी यात्रा बहुत अच्छी रही। अध्यापकों ने हमारा बहुत ध्यान रखा। यहाँ मौसम अच्छा है।"

यात्रा में ऐसा क्या हुआ होगा कि अमर ने अपने पत्र में यह वाक्य लिखा– सभी चारों वाक्यों का कारण बच्चे अपनी–अपनी कॉपी पर लिखेंगे।

गृहकार्य – लेखक के पत्र लिखने का भाव/कारण 4–5 वाक्यों में लिखकर लाएँगे।

पाठ -6 जयपुर से पत्र (4/11)

लर्निंग आउटकम– H412, H416
शिक्षण उद्देश्य– बच्चे पाठ में वर्णित स्थानों को पहचानेंगे और उनके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र कार्ड, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गृहकार्य में लिखे भावों का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे,चर्चा करेंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से अन्य स्थानों के भी नाम बताने को कहें। अन्य स्थानों के नाम शिक्षक बोर्ड पर लिखेंगे।
- शिक्षक नीचे लिखे गए शब्दों को बोर्ड पर लिखेंगे –
- जयपुर, आमेर, शीशमहल, जंतर–मंतर इन शब्दों पर शिक्षक बच्चों के अनुभव को शामिल करते हुए चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- सभी स्थानों की प्रसिद्धि का मुख्य कारण क्या है? बच्चे एवं शिक्षक मिलकर सभी विशेषताओं पर चर्चा करेंगे।
- कौन–सा स्थान देखने योग्य है? इस पर चर्चा करेंगे।

पाठ के अभ्यास (सोचिए और लिखिए) के प्रश्नों के उत्तर बच्चों को लिखने को कहेंगे।
1.अमर ने जयपुर में क्या–क्या देखा?
2.उसने कला संग्रहालय को दर्शनीय क्यों बताया?
3.उसने आमेर के दुर्ग को बहुत बड़ा और पुराना क्यों कहा है?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

पाठ के (अनुमान एवं कल्पना) के प्रश्नों का उत्तर लिखें
1. निम्नलिखित के बारे में अनुमान लगाइए कि क्या और कैसे होंगे?
(क). जंतर–मंतर
(ख). रामनिवास बाग
(ग). शीशमहल
(घ). हवामहल
प्रश्न 2– अनुमान लगाकर बताइए कि उदयपुर को झीलों का नगर क्यों कहा जाता है।

गृहकार्य – पाठ में आए नामों की सूची बनाकर लाएँगे।

पाठ -6 जयपुर से पत्र (5/11)

लर्निंग आउटकम– H413
शिक्षण उद्देश्य– पाठ में आए संज्ञा, सर्वनाम शब्दों की पहचान
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों द्वारा गृहकार्य के रूप में लिखकर लाए गए शब्दों को व्यक्ति वस्तु, स्थान के कॉलम बनाकर बोर्ड पर लिखेंगे।
- फिर बच्चों को बताएँगे कि जिनका अपना अलग –अलग नाम व पहचान है उन सभी को संज्ञा कहा जाता है। शिक्षक इसी प्रकार बच्चों से पूछ–पूछ कर अन्य व्यक्ति वस्तु एवं स्थानों के नाम लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- तत्पश्चात् शिक्षक एक संज्ञा शब्द के विषय में दो वाक्य बच्चों से पूछकर श्यामपट पर लिखेंगे।

जैसे– विनोद एक अच्छा लड़का है।

- विनोद गाँव में रहता है। बच्चों से पूछेंगे कि दूसरे वाक्य में आए विनोद के स्थान पर हम किस शब्द का प्रयोग करें कि उसका अर्थ न बदले।

(i) शिक्षक बोर्ड पर दोनों वाक्य एक साथ लिखेंगे–
(ii) विनोद एक अच्छा लड़का है। वह गाँव में रहता है।

- वह को रेखांकित करते हुए बताएँगे कि वह विनोद के लिए प्रयोग हुआ है, इसलिए संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
- शिक्षक उपर्युक्त अनुसार अन्य वाक्यों को लिखकर सर्वनाम शब्दों का बोध कराएँगे।

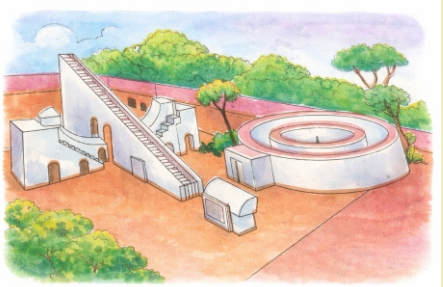
शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर कुछ संज्ञा और सर्वनाम शब्दों को लिखेंगे और बच्चों से अपने उत्तर पुस्तिका पर दो कॉलम बनाकर संज्ञा, सर्वनाम में लिखने को कहेंगे।

गृहकार्य – सभी बच्चे घर से पाठ के अभ्यास कार्य **खान–पान** वाले भाग को पढ़कर आएँगे।

वेधशाला

वह स्थान जहाँ ग्रहों, तारों और नक्षत्रों को देखने के लिए यंत्र रखे जाते हैं, उसे वेधशाला कहते हैं। इन यंत्रों की सहायता से ग्रहों की गति–स्थिति का निरंतर अध्ययन किया जाता है।



पाठ -6 जयपुर से पत्र (6/11)

लर्निंग आउटकम– H413
शिक्षण उद्देश्य– पाठ में आए क्रिया व विशेषण शब्दों की पहचान
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र कार्ड, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ वाक्य बोलेंगे और उनमें संज्ञा सर्वनाम शब्दों को बच्चों से पूछेंगे और बोर्ड पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को अभ्यास कार्य में दिए **खान–पान** को पढ़ेंगे।
  [क्रिया एवं विशेषण शब्दों का अलग–अलग कॉलम बनाकर लिखेंगे।]
- बच्चों से पूछेंगे कि इन दोनों कॉलम के शब्दों में क्या–क्या दिख रहा है।

तत्पश्चात् स्पष्ट करेंगे कि जिन शब्दों से किसी काम के होने का पता चलता है उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे– पढ़ना, चलना, खाना,दौड़ना आदि तथा जो शब्द किसी की विशेषता बताते हैं उन्हें विशेषण कहते हैं। जैसे– सुन्दर, अच्छा, तेज, मोटा, पतला आदि।
शिक्षक अभ्यास कार्य में दिए गए **खान–पान** भाग को पढ़ेंगे। बच्चे किताब में देखेंगे।
बच्चों को व्यंजन के बारे में बताने के बाद बच्चों को छोटे समूह में पढ़ने एवं पाठ से शब्द चुनने को कहेंगे।
पाठ से शब्द बच्चे चुन लेंगे तो उस शब्द को शिक्षक या कोई बच्चा बोर्ड पर लिखेंगे।

- पाठ के अभ्यास में **आपकी रुचि का व्यंजन** के कार्य को कराएँगे। बच्चे विशेष अवसर पर बनने वाले विशेष व्यंजन के बारे में बताएँगे एवं व्यंजनों के नाम अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- लिखे गए शब्दों को संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण में वर्गीकरण कराएँगे।

गृहकार्य – पाठ के अभ्यास इन्हें भी जानिए से डाक पेटी (पोस्ट बॉक्स) के बारे में पढ़कर और घर वालों से पूछकर आएँगे।

संग्रहालय

संग्रहालय एक ऐसा सार्वजनिक भवन है जहाँ सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक एवं कलात्मक महत्त्व की वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाता है। संग्रहालयों में कई प्रकार की वस्तुएँ रखी जाती हैं जिनमें से कुछ अद्वितीय होती हैं।

पाठ -6 जयपुर से पत्र (7/11)

लर्निंग आउटकम– H409
शिक्षण उद्देश्य– डाक पेटी और पिनकोड के प्रयोग के बारे में समझ बनाना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक, डाकिया, डाकखाना, पोस्टकार्ड आदि का चार्ट अथवा ICT के माध्यम से प्रदर्शन करेंगे और चर्चा करेंगे कि आपके पास कोई पत्र, शादी का कार्ड, सामान आदि कैसे पहुँचते हैं?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- डाक पेटी (पोस्ट बॉक्स) पर बच्चों की जो समझ है उस पर चर्चा करते हुए चर्चा को आगे बढ़ाएँगे और डाक पेटी (पोस्ट बॉक्स), पिनकोड पर चर्चा करेंगे।
- पाठ में दिए अभ्यास **(इन्हें भी जानिए)** के **डाक पेटी (पोस्ट बॉक्स), पिनकोड** को शिक्षक पढ़ेंगे।
- पढ़ने के बाद डाक पेटी एवं पिनकोड पर बातचीत/प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे।

जैसे–डाक पेटी किस काम में प्रयोग होती है ?

- पिनकोड में कितने अंक होते है? आदि प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करें और अपने विद्यालय के पिनकोड के विषय में शिक्षक के माध्यम से विस्तार से बताएँगें। बच्चों को अभ्यास पुस्तिका में लिखने को कहेंगे।
- छोटे समूह में बच्चों को **डाक पेटी** एवं **पिनकोड** पढ़ने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से पूछें –
1.डाकपेटी कहाँ पर होती है?
2.डाकपेटी किस काम आती है?
3.आप राखी आदि कैसे भेजते हैं?

गृहकार्य – बच्चे अपने घर वालों की मदद से एक पत्र लिखकर लाएँगे। साथ ही अपने घर का पता लिखा एक लिफाफा भी बनाकर लाएँगे।



भारत में डाक विभाग की स्थापना सन् 1854 में हुई। इसके बाद देशभर में डाकघर खोले गए। आज इस यात्रा में स्पीड पोस्ट जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

पाठ -6 जयपुर से पत्र (8/11)

लर्निंग आउटकम– H412, H413
शिक्षण उद्देश्य– पत्र लेखन का अभ्यास कराना
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र कार्ड, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- बच्चे घर से जो पत्र लिखकर एवं लिफाफा बनाकर लाए हैं उसे देखकर बच्चों का उत्साहवर्धन करेंगे।
- डाक विभाग के अन्य कार्ड एवं संदेशवाहक (पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्रकार्ड, रजिस्ट्री,स्पीड पोस्ट आदि) के विषय पर भी सामान्य जानकारी देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ के अभ्यास में दिए **चिट्ठी आई है** में पत्र कैसे लिखें को पढ़ेंगे एवं बच्चों में समझ विकसित करेंगे।
- पत्र लिखने का क्या क्रम होगा उसे शिक्षक बच्चों को समझाएँगे।
- एक पत्र का प्रारूप शिक्षक बोर्ड पर लिखकर दिखाएँगे अथवा ICT संसाधन का उपयोग करते हुए दिखाएँगे।
- छोटे समूह में बच्चों को पढ़ने को कहेंगे।

समूह में पढ़ने के बाद बच्चे **पत्र कैसे लिखें** में दिए निर्देश के अनुसार समूह में चर्चा करके एक पत्र भाई को समूह में लिखेंगे एवं लिखे गए पत्र का प्रस्तुतीकरण कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

बच्चे पाठ के अभ्यास **अभिवादन** के प्रश्न 1 को करेंगे।
पिता के लिए 'सादर प्रणाम' लिखा है तो निम्नलिखित के पत्र में क्या लिखेंगे?

(क) अपने मित्र को पत्र लिखते समय .....
(ख) अपनी बहन को पत्र लिखते समय .....
(ग) अपनी माँ को पत्र लिखते समय .....
(घ) अपने अध्यापक को पत्र लिखते समय .....

प्रश्न 2 आप अपने मित्र को पत्र लिखिए। पत्र में आस–पास के भ्रमण–स्थलों और प्रसिद्ध व्यंजनों के बारे में बताइए। शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे, बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करेंगे।

गृहकार्य – भाषा की बात के प्रश्न 1 को पढ़कर आएँ। उपसर्ग लगाकर नया शब्द बनाने और वाक्य प्रयोग करने का प्रयास करेंगे।

पाठ -6 जयपुर से पत्र (9/11)

लर्निंग आउटकम– H416
शिक्षण उद्देश्य– शब्दों से वाक्य बनाना एवं शब्दों को ढूँढना। उपसर्ग एवं प्रत्यय लगाकर शब्द बनवाना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, पोस्ट कार्ड, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से दो शब्दों के मेल से बने शब्दों के उदाहरण देते हुए शब्द पूछेंगे और दोनों शब्दों का अर्थ बताते हुए चर्चा आगे बढ़ाएँगे साथ ही उपसर्ग एवं प्रत्यय के बारे में बच्चों को बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के अभ्यास **भाषा की बात** के सभी 1 से 5 तक के कार्यों को उदाहरण देकर समझाएँगे फिर बच्चों को लिखने के लिए कहेंगे। शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे।

प्रश्न 1– नए शब्द बनाकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए– पाठ्यपुस्तक से कराएँगे।
प्रश्न 2– नीचे दिए वाक्य को ध्यान से पढ़िए ––
हमने घूम–घूमकर जंतर मंतर देखा
अब इन्हें आगे बढ़ाइए –
(i) हमने झूम–झूमकर .....
(ii) हमने कूद–कूदकर .....
(iii) हमने उछल–उछलकर .....
(iv) हमने .....
प्रश्न 3– **तालिका को ध्यान से पढ़कर उपयुक्त वाक्य लिखिए–** पाठ्यपुस्तक से कराएँगे
बच्चों को तीनों प्रश्नों के अभ्यास कार्य को समझाने के बाद बच्चों को उसे पूरा करने को कहेंगे एवं जाँचेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

प्रश्न 4– पत्र में आए शब्दों को वर्ग पहेली से खोजकर लिखिए– बच्चों को पुस्तक से ढूँढ़ने को कहेंगे।
प्रश्न 5– पत्र में संग्रहालय शब्द आया है। ऐसे और भी शब्द पता कराएँगे।

गृहकार्य – पाठ्यपुस्तक के **पता लगाइए** के दोनों प्रश्न घरवालों की मदद से करके लाएँगे।
प्रश्न 1– जंतर–मंतर क्या है ? भारत में यह जयपुर के अतरिक्त और कहाँ–कहाँ स्थित है।
प्रश्न 2– आपके राज्य में कौन–कौन से दर्शनीय स्थल हैं ? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

जयपुर से पत्र (10/11)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

- जयपुर के संग्रहालय में क्या–क्या रखा गया है?
- राजस्थान का विशेष व्यंजन क्या है?
- आमेर के दुर्ग को बहुत बड़ा और पुराना क्यों कहा गया है।
- वेधशाला किसे कहते हैं?
- आपके राज्य में कौन–कौन से दर्शनीय स्थल हैं। उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

2. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

पिनकोड, डाकपेटी, राजा सवाई मान सिंह, संग्रहालय

- लाल रंग की एक पेटी होती है। इसमें चिट्ठियों का संग्रह किया जाता है।.....
- यह छः अंकों की संख्या होती है। इसे किसी विशेष क्षेत्र के पहचान के लिए प्रयोग किया जाता है।.....
- यह एक ऐसा सार्वजनिक भवन है जहाँ सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, एवं कलात्मक महत्त्व की वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाता है।.....
- इन्होंने वेधशाला का निर्माण कराया था.....

3. नीचे दिये गये वाक्य के आधार पर निम्न शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

शब्द	वाक्य प्रयोग
हमने घूम–घूमकर →	घूमकर मेला देखा।
गरज– गरजकर →	
दौड़– दौड़कर →	
हाँफ– हाँफ कर →	
उछल– उछलकर →	

4. आप अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। पत्र में अपने विद्यालय और अपने अन्य मित्रों के बारे में लिखिए ।

नोट– शिक्षक 11/11 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

- **'डेजी की डायरी' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'जयपुर से पत्र' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।**

आकलन प्रपत्र

कितना सीखा (2)

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए

- आप के लिए आहार क्यों महत्त्वपूर्ण है?
- खाने में सावधानी रखना क्यों आवश्यक है?
- माइकल बड़ा होकर संगीतज्ञ और उसका दोस्त शिक्षक बन गया। आप बड़े होकर क्या बनना चाहेंगे और क्यों?
- यातायात के नियमों को जानना और उसका पालन करना क्यों आवश्यक है?
- अमर ने जयपुर में क्या–क्या देखा?
- उसने आमेर के दुर्ग को बहुत बड़ा और पुराना क्यों कहा है?

2. निम्न शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए।

नियमीत, परचलित, प्रतीयोगिता, अभीवादन, एतिहासिक

3. निम्नलिखित शब्द –युग्म की सहायता से एक–एक वाक्य लिखिए–

इधर–उधर ..... कभी–कभी .....

हमने झूम–झूमकर ..... हमने उछल–उछलकर .....

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर पर सही का चिह्न लगाइए–

- ट्रैफिक सिग्नल में कौन–सी लाइट नही होती है?

लाल ☐ **पीली** ☐ **हरी** ☐ **नीली** ☐

- **शीशमहल है–**

शिला देवी मन्दिर के पास ☐ आमेर के दुर्ग ☐

हवामहल के पास ☐ रामनिवास बाग में ☐

- **गरमी के मौसम में इनमे से किसका अधिक सेवन नहीं करना चाहिए**

तरबूज ☐ **खीरा** ☐ **ककड़ी** ☐ **चाय कॉफ़ी** ☐

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए–

मुहावरा	अर्थ	वाक्य प्रयोग
हौसला हारना		
आँखों का तारा		
हौसला बुलंद करना		

6. आप अपने मित्र को पत्र लिखिए। पत्र में आस –पास के भ्रमण–स्थलों और प्रसिद्ध व्यंजनों के बारे में बताइए।

7. बूझो तो जानें–

कड़वी भाजी मैं कहलाता
रहता सदा अकेला
मध्य हटे कला बन जाऊँ
प्रथम हटे तो रेला

नोट– यह आकलन प्रपत्र मात्र एक उदाहरण है। शिक्षक अपनी आवश्कतानुसार पाठ में दिए गए सम्बोधों के आधार पर आकलन प्रपत्र बनाकर बच्चों का आकलन कर सकते हैं।

पाठ -7 नकली हीरे (1/10)

लर्निंग आउटकम– H401

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को चित्रकथा विधा से परिचित कराना।
- पूर्व में सुनी गई कहानी बच्चों से सुनना।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, पाठ्यपुस्तक, बिगबुक, प्रिंटरिच सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से उनके परिवेश में प्रचलित कहानियों पर मौखिक बात करेंगे। उनसे सम्बन्धित पात्रों पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से दादी–नानी या परिवार के किसी सदस्य से सुनी हुई कहानी सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से भी कोई एक चर्चित लोक कथा बच्चों को सुनाएँगे। शिक्षक चित्र चार्ट या बिग बुक की मदद ले सकते हैं।
- इस लोककथा के पात्र एवं घटनाओं पर चर्चा करेंगे। (सभी बच्चों का प्रतिभाग रहेगा) सभी बच्चों को अपने–अपने स्तर से तर्क–वितर्क करने हेतु प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक 2–3 बच्चों को लोककथा कहानी सुनाने का अवसर देंगे।
- शिक्षक बच्चों का छोटा समूह बनाकर जो लोककथा सुना चुके हैं उसी से सम्बन्धित प्रश्न उत्तर लिखने को कहेंगे व समूहवार उनसे उत्तर सुनेंगे और उनका सहयोग करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- लोककथा से सम्बन्धित कुछ अन्य प्रश्न बच्चों से पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – सभी बच्चे घर से अपने माता–पिता या दादा–दादी से कहानी सुनकर आएँगे।

बंदर और मगरमच्छ



एक बार एक नदी में मगरमच्छ रहता था। नदी के किनारे सेब का पेड़ था। एक सुबह मगरमच्छ एक रसीले सेब को बड़ी लालसा से देख रहा था। काश मैं इसे खा पाता, उसने सोचा। तभी, एक बंदर दिखा, उसने सेब तोड़ा और मगरमच्छ पर फेंक दिया। वे जल्द ही अच्छे दोस्त बन गए। उनकी दोस्ती देखकर मगरमच्छ की पत्नी को जलन हुई। उसने उससे कहा, इतने मीठे और रसीले सेब खाने वाले बंदर का दिल कितना मीठा होगा! मैं उसका दिल खाना चाहती हूँ! मगरमच्छ ने अपनी पत्नी को समझाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अंत में, वह बंदर के पास गया और कहा, आओ दोस्त, मैं तुम्हें सैर पर ले चलता हूँ। बंदर खुशी–खुशी चढ़ गया। नदी के बीच में, मगरमच्छ ने उसे पूरी कहानी सुनाई। ओह! बंदर ने कहा, तुम्हें मुझे पहले ही बता देना चाहिए था। मैने अपना दिल पेड़ पर ही छोड़ दिया था। मूर्ख मगरमच्छ वापस पेड़ के पास ले गया । बंदर पेड़ पर कूद गया और मगरमच्छ से फिर कभी बात नहीं की।

पाठ -7 नकली हीरे (2/10)

लर्निंग आउटकम– H403, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी का आदर्श वाचन और बच्चों के साथ छोटे –छोटे समूह में स्वतंत्र पठन।
- प्रश्न उत्तर के माध्यम से लेखन कार्य।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, मार्कर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक घर से सुनी कहानी को बच्चों से सुनेंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे ।

शिक्षक बच्चों से नकली हीरे पाठ में दिए गए चित्रों पर बात करेंगे । जैसे–

- चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है?
- राजा का मुख्य कार्य क्या होता है?
- राजा को निर्णय लेते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- शिक्षक बच्चों के साथ पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को पठन करने हेतु समूह बनाएँगे सभी बच्चे छोटे समूह में स्वतंत्र पठन करेंगे तथा आवश्यकतानुसार एक दूसरे की मदद करेंगे।
- बड़े समूह में 2–3 बच्चों को पाठ पढ़कर सुनाने को कहेंगे।
- बच्चों को छोटे समूह में विभाजित कर आपस में बातचीत कर पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहेंगे।

(i). राजा कहाँ के रहने वाले थे?

(ii). राजा ने क्या–क्या प्रश्न पूछा?

(iii). सभी दरबारियों ने क्या उत्तर दिया?

(iv). सभी दरबारियों को राजा ने क्या दिया?

- उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर बच्चों से सुनेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

पाठ से सम्बन्धित अन्य प्रश्न पूछकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य – बच्चों को घर पर "नकली हीरे" पाठ अपने अभिभावक को सुनाने को कहेंगे ।

पाठ -7 नकली हीरे (3/10)

लर्निंग आउटकम– H402, H403, H404

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में दिए गए QR Code को स्कैन करके बच्चों को पाठ सुनाना और बच्चों से सारांश लिखवाना।
- पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों पर कार्य।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, मार्कर, ICT प्रयोग हेतु QR Code, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

पाठ पर चर्चा करते हुए बच्चों से प्रश्न पूछेंगे।

जैसे–

- राजा ने अपने पुत्र का सलाहकार किसे और क्यों चुना?
- दरबारियों ने राजा के उपहार की जौहरी से जाँच करवाई। इससे उसके बारे में कौन–कौन सी बातें पता चलती है ?

शिक्षक इसी प्रकार के अन्य सवाल बच्चों से पाठ के **"बातचीत के लिए"** भाग से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

QR Code के माध्यम से बच्चो को "नकली हीरे" लोककथा को दिखाएँगे।

- चित्र कथा के इस अंश में कुल कितने चित्र खण्ड है?
- यहाँ केवल चित्रों को देखकर कौन–कौन सी बातें पता चल रही हैं?
- चित्रकथा के मुख्य पात्र कौन–कौन हैं?
- चित्रकथा के बीच वाले चित्र खण्ड में क्या हो रहा है?
- शिक्षक उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर पर चर्चा करते हुए बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर प्रश्नों के उत्तर लेखन की गतिविधि कराएँगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में प्रश्नों का वितरण कर आपस में बातचीत करके प्रश्नों का उत्तर लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करेंगे। समूह द्वारा उत्तर लिख जाने पर समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक से **"बातचीत के लिए"** भाग में से पहले व दूसरे प्रश्नों के उत्तर को बच्चों से पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – दिये गये पाठ से बच्चे दो–दो प्रश्नों का निर्माण करके लाने को कहेंगे।

पाठ -7 नकली हीरे (4/10)

लर्निंग आउटकम– H403, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को आदर्श वाचन के माध्यम से पाठ की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक वीणा, बोर्ड, मार्कर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृह कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे ।
- कुछ बच्चों से पाठ को अपनी भाषा में सुनाने को कहेंगे और फिर चर्चा को आगे बढ़ाएँगे।
- शिक्षक, बच्चों से चर्चा करेंगे कि नकली और असली क्या होता है? खिलौने वाला आम जो प्लास्टिक का होता है जबकि पेड़ पर लगा आम असली होता है। नकली का मूल्य कुछ नहीं होता है जबकि असली की बहुत कीमत होती है। इस प्रकार चर्चा को आगे बढ़ाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ को हाव–भाव के साथ पढ़कर सुनाएँगे। 3–4 बच्चों को पाठ पढने के लिए कहेंगे।
- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में पढ़ने का अवसर देंगे। शिक्षक मार्ग दर्शक की भूमिका में रहेंगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में प्रश्नों का वितरण कर आपस में बातचीत करके प्रश्नों का उत्तर लिखवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। समूह द्वारा उत्तर लिख जाने पर समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- **सोचिए और लिखिए भाग से प्रश्न 2, 3 और 4**

1. राजा ने नकली हीरों का पुरस्कार किन्हें और क्यों दिया?
2. इस चित्र कथा का नाम "नकली हीरे" क्यों रखा गया है? आप भी इस चित्रकथा का कोई उपयुक्त शीर्षक दीजिए।
3. राजा ने एक को छोड़कर अन्य सभी दरबारियों को "नकली हीरे" क्यों दिए? अपने उत्तर का कारण भी लिखिए।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए **बातचीत के लिए** भाग से प्रश्न 3, 4 व 5 के प्रश्न को बच्चों से पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – बच्चे घर से हीरे का चित्र बना कर उस पर एक छोटी कहानी अभिभावक की मदद से लिखकर लाएँगे।

पाठ -7 नकली हीरे (5/10)

लर्निंग आउटकम– H405, H408, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए अपरिचित शब्दों के अर्थो की जानकारी देना ।
- शब्दों से वाक्य निर्माण।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, मार्कर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ पर चर्चा करते हुए बच्चों से प्रश्न पूछेंगे।
- नवयुवक दरबारी राजा का प्रश्न सुनकर भी चुपचाप क्यों खड़ा था?
- चित्र कथा के अनुसार काननपुर का राजा बहुत बुद्धिमान था। क्या आप इस बात से सहमत हैं? आप को ऐसा क्यों लगता है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ में आए नए शब्दों को बच्चों के जीवन से जोड़ते हुए उनसे चर्चा करेंगे, उन्हें सहज करेंगे जैसे– संसार, समझदार, सलाहकार
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर अपरिचित शब्दों का अर्थ लिखकर नए वाक्यों का निर्माण करेंगे।

जैसे– संसार को स्थानीय भाषा में दुनिया/जगत बोलेंगे और उसका वाक्य प्रयोग बच्चों के द्वारा कराएँगे।

- शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। समूह द्वारा अर्थ लिख जाने पर समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए शब्दों को उनके उपयुक्त अर्थो के साथ रेखाएँ खीचकर मिलाने को कहें –

वृद्ध	उत्तम
निस्संदेह	रुकना
बुद्धिमान	बूढ़ा
श्रेष्ठ	संदेह न होना
ठहरना	विवेकशील

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए अपरिचित, ठहरना, श्रेष्ठ, निःसंदेह शब्दों के अर्थ को बच्चों से पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – शिक्षक बच्चों से पाठ में से कुछ शब्दों को चुनकर वाक्य बनाकर लाने के लिए कहेंगे ।

पाठ -7 नकली हीरे (6/10)

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- हाव –भाव के साथ अभिनय और स्थानीय भाषा में छोटे–छोटे संवाद निर्माण करना।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, मार्कर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ पर चर्चा करते हुए बच्चों से प्रश्न पूछेंगे ।
- राजा ने अपने पुत्र के सलाहकार की घोषणा की तब सभी दरबारियों को कैसा लगा होगा? उन्होंने क्या–क्या सोचा होगा?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को स्वतंत्र पठन के लिए कहेंगे ।
- बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाकर कहानी के पात्रों पर चर्चा करेंगे।
- चयनित बच्चों को उनके पात्रों के अनुसार संवाद लिखने और याद करने को कहेंगे। शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करेंगे। शिक्षक समूह द्वारा संवाद लिखे जाने पर समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे ।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए **हमारी समझ** के प्रश्न क, ख को बच्चों से करवाएँगे।

(क) नवयुवक दरबारी का उत्तर सुनकर राजा –

प्रसन्न हो गया। ☐

अप्रसन्न हो गया। ☐

भयभीत हो गया। ☐

चिंतित हो गया। ☐

(ख) सबसे अलग उत्तर देने वाले दरबारी के लिए निम्नलिखित में से कौन–सा वाक्य सही है?

वह सदैव झूठ बोलता था। ☐

वह राजा के पुत्र का सलाहकार बनना चाहता था। ☐

वह अन्य दरबारियों से अलग दिखना चाहता था। ☐

वह एक विनम्र नवयुवक था। ☐

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक आपकी चित्रकथा के ''संवाद'' बच्चों से लिखवाकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – दादा–दादी, नाना–नानी से लोककथाएँ सुनकर उन्हें अपने शब्दों में लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -7 नकली हीरे (7/10)

लर्निंग आउटकम– H405, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय से पढ़ी गई लोककथा पर आधारित रचनात्मकता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पुस्तकालय में उपलब्ध लोककथा आधारित पुस्तकें, लोककथा से सम्बन्धित चित्र, चार्ट पेपर, फेविकोल, कैची, रंग आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ से सम्बन्धित खुले एवं बन्द छोर के 2–3 प्रश्न बच्चों से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों को समूह में बाँटकर पुस्तकालय से लोककथाओं की पुस्तकों का पठन कराएँगे।
- बच्चे समूह में लोककथाओं पर आधारित पात्रों के फिंगर/स्टिक पपेट शिक्षक के सहयोग से चर्चा के पश्चात बनाएँगे।
- प्रत्येक समूह अपनी पठित लोककथाओं का फिंगर/स्टिक पपेट का प्रयोग करते हुए प्रस्तुतीकरण करेंगे।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए भाषा की बात के प्रश्न 1, 2, 3 को कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

भाषा की बात के प्रश्न 4 सब दरबारियों ने बारी–बारी से सही उत्तर दिए। आप भी नीचे दिये ऐसे शब्दों से वाक्य बनाइए –

धीरे–धीरे .....

भिन्न–भिन्न .....

साथ–साथ .....

बार–बार .....

- पठित लोककथाओं पर अपने विचार/समझ को शब्दों और वाक्यों में व्यक्त करने को कहेंगे।

गृहकार्य – शिक्षक बच्चों से राजा के दरबार का चित्र बनाकर व उसमें रंग भरकर लाने को कहेंगे।

पाठ -7 नकली हीरे (8/10)

लर्निंग आउटकम– H404, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्रकथा का नाटय प्रस्तुतीकरण और चित्रकथा में आए पात्रों की विशेषताओं की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, राजा का मुखौटा, मंत्री का मुखौटा, हीरे का चित्र, बोर्ड, मार्कर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से कहानी के पात्रों के बारे में पूछा जाएगा। बच्चों को कहानी के पात्रों का अभिनय करने के लिए तैयार करेंगे।
- अभिनय करने वाले बच्चों से पात्र आधारित संवाद पूछे जाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाकर कहानी के पात्रों पर चर्चा करेंगे।
- वे बच्चे जो किसी न किसी पात्र की भूमिका में हैं वह सब अपने–अपने पात्रानुसार संवाद बोलेंगे।
- शिक्षक की मदद से सभी पात्र अपनी–अपनी भूमिका में अच्छे से अभिनय करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में **भाषा की बात** के प्रश्न नम्बर 5 ''कृपा करके स्पष्ट उत्तर दीजिएगा'' कृपा जैसे शब्दों का प्रयोग विनम्रता दर्शाने के लिए किया जाता है।
- नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए और अपने समूह में एक दूसरे से बातचीत करते हुए उनका प्रयोग कराएँगे।

धन्यवाद .....

आप का आभार .....

कृपया .....

क्षमा कीजिए .....

गृहकार्य – पाठ्यपुस्तक में दिए गए **खोजिए और आनन्द लीजिए** प्रश्न 1 के नीचे दिए गए एक जैसे चित्रों में पाँच अंतर खोजकर अपनी कॉपी में लिखिए।

नकली हीरे (9/10)

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- राजा ने दरबारियों से क्या पूछा?
- राजा ने अपने पुत्र का सलाहकार किसे और क्यों चुना?
- राजा ने नकली हीरे का पुरस्कार किसे और क्यों दिया?
- नवयुवक दरबारी ने राजा के प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

2. निम्न शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए।

शब्द	शुद्ध वर्तनी
दिजिएगा →	
बुद्धिमान →	
नीस्संदेह →	
विस्वश्त →	

3. 'सब दरबारियों ने बारी–बारी से यही उत्तर दिया।'

उपर्युक्त पंक्ति में 'बारी' शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है। आप भी नीचे दिए गए ऐसे शब्दों से वाक्य बनाइए।

आधा–आधा, साफ–साफ, बार–बार, धीरे–धीरे

4. निम्न शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए।

सलाहकार, प्रसन्नता, बुद्धिमत्ता, दरबारी

5. उपयुक्त शब्द को चुनकर खाली स्थान की पूर्ति कीजिए ।

एक–एक, दरबार, जीवित, प्रश्न

मैं अधिक दिन ..... नहीं रहूँगा।

मैं आपसे एक ..... पूछना चाहता हूँ।

अगली सुबह, काननपुर के सारे दरबारी ..... वापस आए।

हर दरबारी को राजा ने ..... हीरा दिया।

6. नीचे दिए गए शब्दों को उनके उपयुक्त अर्थों के साथ रेखाएँ खींचकर मिलाइए।

वृद्ध	रुकना
श्रेष्ठ	विवेकशील
ठहरना	उत्तम
बुद्धिमान	बूढ़ा

नोट– शिक्षक 10/10 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

- **'सत्य की जीत' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'नकली हीरे' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।**

पाठ -8 ओणम के रंग (1/12)

लर्निंग आउटकम– H406, H402

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को निबन्ध विधा से परिचित कराना ।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, होली के चित्र चार्ट द्वारा आंचलिक त्योहारों (छठ, तीज, हरेला ,बैसाखी आदि) के यूट्यूब से संकलित वीडियो एवं त्योहारों के भोजन, वेशभूषा आदि के फ़्लैशकार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से होली के चित्र चार्ट के बारे में बातचीत करेंगे। शिक्षक चित्र चार्ट का अवलोकन करने के लिए कहेंगे एवं चित्र में दिख रही गतिविधियों/वस्तुओं/घटनाओं के बारे में खुले एवं बन्द छोर के प्रश्न पूछेंगे।

जैसे –

- यह चित्र किस त्योहार से सम्बन्धित है?
- चित्र में क्या–क्या हो रहा है?
- शिक्षक अपने प्रश्न में सभी बच्चों को सम्मिलित करें ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक चयनित त्योहार से सम्बन्धित प्रश्न बोर्ड पर लिखेंगे।

जैसे –

- यह त्योहार कब मनाया जाता है?
- इस त्योहार में हम क्या –क्या करते है?
- इस त्योहार पर हमारे घर पर कौन–कौन से पकवान/मिठाइयाँ बनाई जाती हैं?

शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर उपर्युक्त प्रश्न का उत्तर आपस में बातचीत करके लिखने को कहेंगे। बच्चों से समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक संबंधित त्योहार से प्रश्न पूछकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – अपने अभिभावकों की मदद से 2–4 वाक्यों में लिखकर लाएँ कि वे अपने बचपन में त्योहार कैसे मनाते थे।

पाठ -8 ओणम के रंग (2/12)

लर्निंग आउटकम– H405, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- आदर्श वाचन करना।
- प्राकृतिक सौंदर्य की जानकारी देना।
- पाठ पर समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, चार्ट पेपर, प्रश्न पट्टीका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे एवं बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे ।

शिक्षक पाठ में दिए चित्र को दिखाकर चर्चा को आगे बढ़ाएँगे एवं चित्र से संबंधित कुछ प्रश्न बच्चों से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे एवं बच्चों से अनुकरण वाचन करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर पाठ्यपुस्तक का पठन करवाएँगे तथा आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करेंगे।
- शिक्षक पाठ में आए अपरिचित शब्दों का अर्थ बोर्ड पर लिखकर बताएँगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा पढ़े गये पाठ्यांश में से कुछ प्रश्न बनाकर बोर्ड पर लिखेंगे एवं बच्चों से उनका उत्तर उनकी पुस्तिका में लिखवाएँगे।

प्रश्न का प्रकार निम्न प्रकार से हो सकता है –

(i) केरल में किस त्योहार पर नौका दौड़ होती है?

(ii) पूक्कलम का क्या अर्थ होता है?

(ii) महाबली राजा का शासन कहाँ तक था?

शिक्षक प्रश्नों के उत्तर का प्रस्तुतीकरण करवाएँ एवं उसमें सुधारात्मक सहयोग प्रदान करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से कुछ शब्दों के अर्थ एवं कुछ छोटे प्रश्न पूछकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य – बच्चे अपने अभिभावक की सहायता से पाठ को पढ़कर आएँगे ।

पाठ -8 ओणम के रंग (3/12)

लर्निंग आउटकम– H406, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए कठिन शब्दों से परिचित कराना।
- पाठ की समझ विकसित करना।
- पर्यावरण से सम्बन्ध स्थापित करना।
- त्योहारों के बारे में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, मार्कर, शब्द पट्टिका, प्रश्न पट्टिका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से पूर्व दिवस में कराए गए कार्य के आधार पर आंचलिक त्योहारों से सम्बन्धित प्रश्न पूछेंगे।

जैसे–

- आप कौन–कौन से त्योहार मनाते हैं?
- आप को कौन–सा त्योहार सबसे अधिक अच्छा लगता है और क्यों?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए **बातचीत के लिए** शीर्षक से प्रश्नों को लेकर बच्चों से चर्चा करें ।
- बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर शब्द पट्टिका के माध्यम शब्दों का उनके अर्थों से मिलान करवाएँगे ।
- शिक्षक प्रश्न पट्टिका के माध्यम से बच्चों को प्रश्नों का उत्तर लिखने को कहेंगे ।
- शिक्षक **पाठ के भीतर** शीर्षक को लेकर बच्चों से अभ्यास कार्य करवाएँगे ।
- शिक्षक बच्चों से समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे ।

आओ मिलकर करें–

शब्द पट्टिका का निर्माण शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर कर सकते हैं। बच्चे चार्ट पेपर पर रंगीन स्केच या कलर से शब्द लिखकर उसे काटकर अलग–अलग शब्द बनाएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से कुछ प्रश्न एवं शब्दों का अर्थ पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य – बच्चे अपने अभिभावक की सहायता से गाँव में मनाये जाने वाले त्योहारों की जानकारी एकत्र करेंगे और लिखकर लाएँगे ।

विशेष सामग्री –शब्द पट्टिका

पूक्कलम	द्रोण पुष्प	तलपंतुकली	कैकोट्टिकलि	तिरुवोणम

इसी प्रकार से शिक्षक प्रश्न पट्टिका स्वयं से निर्माण करें।

पाठ -8 ओणम के रंग (4/12)

लर्निंग आउटकम– H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- अपने देश के विभिन्न राज्यों के शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की पहचान करना ।
- लोक नृत्य के बारे में जानकारी देना ।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, लोक नृत्य के चित्र कार्ड प्रदेशों के नाम के रंगीन कार्ड चार्ट पेपर, बोर्ड, डस्टर, मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
शिक्षक बच्चों को **हमारे देश के नृत्य** का चित्र दिखाकर इनके बारे में बातचीत करेंगे ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर विभिन्न राज्यों के शास्त्रीय नृत्य एवं लोक नृत्य पर चर्चा करवाएँगे।
- शिक्षक शास्त्रीय एवं लोक नृत्यों के बारे में स्वयं जानकारी का संग्रह कर बच्चों में साझा करें एवं उन्हें अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखवाएँ।
- शिक्षक शास्त्रीय एवं लोक नृत्यों के बारे में जानकारी का प्रस्तुतीकरण करवाएँ एवं इसमें सुधारात्मक सहयोग करेंगे ।
- शिक्षक बच्चों से उनके अब तक के सबसे यादगार दिन जब वो बहुत प्रसन्न होते है उस पर कुछ वाक्य अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखने को कहेंगे।

हमारे देश के नृत्य



शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से शास्त्रीय नृत्य एवं लोक नृत्य से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर उसकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – बच्चों को अपने मन पसन्द के शास्त्रीय नृत्य या लोक नृत्य का चित्र बनाकर लाने को कहेंगे ।

पाठ -8 ओणम के रंग (5/12)

लर्निंग आउटकम– H406, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- खेतों की उपज से जुड़े त्योहारों के बारे में जानकारी प्रदान करना ।
- पर्यावरण और त्योहारों में सन्बन्ध के बारे में जानकारी देना ।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, भारत का मानचित्र, त्योहार एवं फसल के नाम पट्टी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
शिक्षक बच्चों से फसलों के नाम पूछकर बोर्ड पर लिखेंगे। सभी बच्चों को एक–एक फसल का नाम बताने का अवसर अवश्य देंगे।
शिक्षक पुनः त्योहारों का नाम बोर्ड पर लिखकर बच्चों से बातचीत को आगे बढ़ाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर फसलों और उनसे सम्बन्धित त्योहारों पर चर्चा करवाएँगे। चर्चा के आधार पर बच्चे फसलों के सामने उससे संबंधित त्योहारों को लिखेंगे तथा उसे अपनी कक्षा में पढ़कर सुनाएँगे।
- शिक्षक बड़े समूह में भारत का मानचित्र सबको दिखाएँगे। मानचित्र में प्रदेशों की स्थिति को बताएँगे।
- प्रत्येक प्रदेश में मनाये जाने वाले त्योहारों को प्रदेश के स्थान में दिए गए रंगों के आधार लिखवाएँगे।

ओणम	लोहड़ी	पोंगल	साङकेन	बिहू	छठ	फूलदेई
पीला	लाल	हरा	नीला	भूरा	नारंगी	गुलाबी

इस गतिविधि को पूरा करने में शिक्षक बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करेंगे ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से कुछ फसलों के नाम और उनसे संबंधित त्योहार के बारे में पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य – ओणम त्योहार पर गाये जाने वाले गीत को पढ़कर आने को कहेंगे ।

- बच्चे आसपास मनाये जाने वाले त्योहार के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत/गीत घर के लोगों से पूछकर लिखकर लाएँगे।

पाठ -8 ओणम के रंग (6/12)

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- दोहरे प्रयोग वाले शब्दों की समझ बनाना ।
- चिन्तन क्षमता का विकास करना ।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, दोहरे प्रयोग वाले शब्द पट्टी, विशेषण चार्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए ओणम पर गाए जाने वाले गीत को सुनेंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक दोहरे प्रयोग वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखेंगे और बच्चों को ध्यान से देखने को कहेंगे।
- शब्द निम्न प्रकार से हो सकते हैं– आगे–आगे, मीठी–मीठी, छोटी–छोटी।
- शिक्षक बच्चों से इसी तरह के शब्द पूछकर बोर्ड पर लिखें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर लिखे गये शब्दों का वाक्य प्रयोग करके बच्चों को बताएँ।
- जैसे– वह आगे–आगे चलता है।
- छोटी–छोटी लड़कियाँ पढ़ने जाती है।
- स्नेहा मीठी–मीठी बातें करती है।
- शिक्षक बच्चों से इसी तरह के कई प्रयोग करवाएँ।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर दोहरे प्रयोग वाले शब्द पट्टी देकर आपस में बातचीत करके लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक समूहवार बच्चों को सहयोग करेंगे एवं उनकी समझ विकसित करेंगे।
- बच्चों द्वारा लिखे गये वाक्यों का प्रस्तुतीकरण करवाएँगे और बच्चों का उत्साह बढ़ाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ अन्य दोहरे शब्द ग्रीन बोर्ड पर लिखकर कुछ बच्चों से प्रयोग करवाकर उनकी समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य – शिक्षक बच्चों को अपने पाठ में आये दोहरे शब्दों को लिखकर आने को कहेंगे ।

शब्द पट्टी

मधुर–मधुर	धीरे–धीरे	सस्ता–सस्ता	अच्छा–अच्छा
कठिन–कठिन	सरल–सरल	खटर–खटर	टप–टप

निर्देश – शिक्षक बच्चों से अपने अभिभावक के सहयोग से ऐसी पट्टिकाएँ बनवाएँ।

पाठ -8 ओणम के रंग (7/12)

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- विशेषण शब्दों की समझ बनाना।
- बच्चों में लेखन कौशल का विकास करना।
- शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, विशेषण शब्दों का शब्द कार्ड, शब्द चार्ट, चॉक ,डस्टर, बोर्ड, मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से विशेषता बताने वाले शब्द को वाक्य में रखकर चर्चा को आगे बढ़ाएँगे।

जैसे– गर्म चाय अच्छी लगती है।

बच्चे मूर्तियों को सफेद द्रोण पुष्पों से सजा रहे हैं।

- शिक्षक **शब्दों का चमत्कार** शीर्षक के प्रश्न संख्या 2 और 3 का सन्दर्भ लेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर अपनी पाठ्यपुस्तक से "ओणम के रंग" पाठ से विशेषण शब्द छाँटकर लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक समूह में बच्चों की आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करेंगे।
- शिक्षक छाँटे हुए विशेषण शब्दों में से कुछ शब्दों का स्वयं वाक्य प्रयोग करके बोर्ड पर लिखेंगे।
- पुनः छाँटे गये अन्य शब्दों का वाक्य प्रयोग बच्चों को स्वयं करके अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से कुछ विशेषण शब्द पूछकर एवं उनका वाक्य प्रयोग करवाकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – बच्चे अपने अभिभावक से बातचीत करके घर में या आस–पास की बातचीत में प्रयोग होने वाले विशेषण शब्दों को लिखकर लाएँगे।

जैसे– काली गाय, पीला फूल, हरी सब्जी आदि।

पाठ -8 ओणम के रंग (8/12)

लर्निंग आउटकम– H406, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- शब्दकोष में वृद्धि करना।
- भाषाई कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, शब्द पट्टी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक दोनों तरफ से पढ़े जाने वाले समान उच्चारण के शब्दों को बोर्ड पर लिखेंगे । जैसे– सरस, नयन, कनक, लाला, मामा, नाना आदि।
- शिक्षक बच्चों से इन शब्दों को दोनों तरफ से पढ़ने को कहेंगे ।
- शिक्षक **शब्दों के चमत्कार** से प्रश्न संख्या 4 का सन्दर्भ लें ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर दोनों तरफ से पढ़े जाने वाले शब्दों की सूची बनवाने की गतिविधि करवाएँगे।
- शिक्षक समूह में जाकर शब्द खोजने में बच्चों की सहायता करेंगे।
- शिक्षक समूहवार बच्चों से शब्दों को पढवाएँगे तथा अन्य समूह के बच्चे उन शब्दों को लिख लेंगे जो शब्द वे नही लिख पायें है। इससे उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- शिक्षक बच्चों को शब्द देकर शब्दों से वाक्य बनवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को कुछ शब्द जो दोनों तरफ से पढ़े जाएँ उसे बोर्ड पर लिखवाकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – बच्चे अपने अभिभावक की सहायता से दोनों तरफ से पढ़े जाने वाले शब्दों को खोजकर लिखकर लाएँगे।

शब्द पट्टी

रबर	पापा	चाचा	रडार	कनक	जहाज

पाठ -8 ओणम के रंग (9/12)

लर्निंग आउटकम– H401, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों में सामाजिकता एवं सामूहिकता की भावना का विकास करना।
- उत्तरदायित्व निर्वहन की क्षमता संवर्धन करना।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, मेला एवं त्योहारों का चित्र, प्रश्न पट्टी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे एवं बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से कुछ त्योहारों एवं उत्सवों के नाम पूछेंगे।
- प्रश्न निन्न प्रकार से हो सकते है।

(I). हम कौन– कौन से त्योहार मनाते हैं?

(ii). इन त्योहारों को हम किन लोगों के साथ मनाते है?

(iii). अपने विद्यालय में आयोजित किसी महोत्सव के बारे में बताएँगे।

- प्रश्नों के उत्तर में शिक्षक अपना सुझावात्मक सहयोग प्रदान करेंगे।
- शिक्षक अपने पाठ के **"त्योहार और सामूहिकता"** के प्रश्न संख्या 1 से लेकर 4 तक का सन्दर्भ ग्रहण करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर प्रश्न संख्या 1, 2, एवं 4 का उत्तर अपनी कापी में लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक आवश्यकतानुसार बच्चों का सहयोग करेंगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखे गये उत्तरों का प्रस्तुतीकरण करवाएँगे एवं सुधारात्मक सहयोग प्रदान करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से वन महोत्सव एवं त्योहारों को मनाने के सम्बन्ध में प्रश्न पूछकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य –शिक्षक बच्चों को अभ्यास कार्य **''त्योहार और सामूहिकता''** प्रश्न संख्या 3 में दिए गए स्थान पर पुक्कलम (रंगोली) बनाकर लाने को कहेंगे।

पाठ -8 ओणम के रंग (10/12)

लर्निंग आउटकम– H406, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय से पुस्तक पठन की आदत का विकास करना ।
- पुस्तकालय से " सफल" दिव्यांग व्यक्तियों के साहित्य का पठन करना ।

आवश्यक सामग्री– वीणा पाठ्यपुस्तक, केरल और भारत का मानचित्र, पुस्तकालय की पुस्तकें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे एवं बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को पुस्तकालय से पुस्तकें लेने में मदद करते हुए केरल के बारे में जानकारी जुटाने का तरीका बताएँगे।
- कुछ बच्चों को सफल दिव्यांग लोगों जैसे– अरुणिमा सिन्हा .सुधा चंद्रन, सुहास एलवाई, रवीन्द्र जैन आदि के बारे में जानकारी जुटाने का निर्देश देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर पाठ्यपुस्तक के **यह भी जानिए** के प्रश्न संख्या 1और 2 के अनुसार बच्चों की जानकारी जुटाने में सहयोग करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से केरल के बारे में शास्त्रीय नृत्य, भाषा, परिधान, मुख्य फसल, राजधानी, त्योहार, और सीमांत प्रदेश के बारे में सूची बनवाएँगे।
- अन्य समूह से दिव्यांग सफल व्यक्तियों की सूची नाम और उनका सफलता का क्षेत्र के आधार पर बनवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से उनके कार्यों का समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक केरल एवं सफल दिव्यांग व्यक्तियों के बारे में प्रश्न पूछकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य– बच्चे अपने आभिभावक से पूछकर गाँव के दिव्यांग व्यक्ति और उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों की सूची बनाकर लाएँगे।

ओणम के रंग (11/12)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- आप कौन–कौन से त्योहार मनाते हैं?
- ओणम का त्योहार कब मनाया जाता है?
- पाठ में आए किस उल्लेख के आधार पर कहा जा सकता है कि महाबली अपनी प्रजा से बहुत प्रेम करते थे?

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए।

पूक्कलम	द्रोण पुष्प	तलपंतुकली	कैको टिटकलि	तिरुवोणम

3. निम्नलिखित लोकनृत्यों के राज्यों के नाम बताइये।

लोक नृत्य का नाम	राज्य का नाम
भरतनाट्यम	
कथक	
भांगड़ा	
गरबा	

4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्रतियोगिता, सुबह–सुबह, महोत्सव, त्रिविक्रम

5. उपज से जुड़े निम्नलिखित त्योहार भारत के किन–किन राज्यों में मनाये जाते हैं। उनके नाम बताइए।

लोहड़ी, पोंगल, बिहू, छठ आदि।

6. कुछ ऐसे शब्दों को बताइये जो आगे–पीछे से पढ़ने पर एक समान रहते हैं।

जैसे – मलयालम, रबर

7. उपयुक्त शब्दों को चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(अठखेलियाँ, महाबली, नौका, ठंडी–ठंडी)

(I) ओणम के त्योहार पर.....दौड़ आयोजित होती है। (ii) वर्षा के बादल छूटते ही.....तेज हवाएँ थम जाती हैं।

(iii) चहचहाते पक्षी आसमान में उड़ते हुए.....करते हैं।

(iv) तिरुवोणम के तीसरे दिन.....पाताल लोक लौट जाते हैं।

नोट– शिक्षक 12/12 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (1/11)

लर्निंग आउटकम– H416

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को विभिन्न प्रकार की मिठाइयों से परिचित कराना।
- अपनी लोक संस्कृति / खान–पान से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, मिठाइयों का चित्र चार्ट, पाठ्यपुस्तक, प्रिंटरिच सामग्री, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए मिठाइयों की दुकान दिखाकर ध्यानपूर्वक अवलोकन करने को कहें। निम्नांकित तरह के प्रश्न पूछ कर उनसे चर्चा करें।

1. चित्र में आपको कौन–2 सी मिठाइयाँ दिखाई दे रहीं हैं?
2. आपको कौन–कौन सी मिठाइयाँ अच्छी लगती हैं?
3. आपके घर पर मिठाइयाँ कब–कब आती हैं?
4. आपके घर पर मिठाइयाँ कब–कब बनाई जाती हैं?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों द्वारा बताई गई मिठाइयों का नाम शिक्षक बोर्ड पर लिखते जाएँ। प्रयास यह रहे कि सभी बच्चे मिठाई के नाम बताने में साम्मिलित रहें। (बड़े समूह)
- बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर मिठाइयों का नाम लिखने को कहें। शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करेंगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखे गये मिठाइयों के नाम को समूहवार पढ़वाएँगे तथा अन्य समूह को ध्यान से सुनने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से उन मिठाइयों के नाम अपने समूह में जोड़ने को कहेंगे जिन मिठाइयों के नाम दूसरे समूह के लोगों ने बताया है लेकिन अन्य समूहों ने न लिखा हो ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से बोर्ड पर उनकी मनपसंद मिठाइयों के नाम लिखवाएँगे।
- प्रत्येक स्तर के बच्चों को अवसर देंगे।

गृहकार्य –बच्चे अपने माता–पिता या दादा–दादी से पूछकर उन मिठाइयों के नाम लिखें जो उनके बचपन में मिलती थीं।

पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (2/11)

लर्निंग आउटकम– H416

शिक्षण उद्देश्य–

- शिक्षक द्वारा एकांकी को कहानी की तरह हाव–भाव से सुनाना, एवं बच्चों से एकांकी के सारांश को सुनना।
- सुनी हुई एकाकी का सारांश लेखन।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, पाठ्यपुस्तक, प्रिन्ट रिच सामग्री, पाठ्यपुस्तक, ICT, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से उनके घर पर बनने वाली मिठाइयों के बारे में बातचीत करें एवं उनके नाम पूछें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक दिए गए पाठ का आदर्श वाचन करें एवं बच्चों से ध्यानपूर्वक अपनी पाठ्यपुस्तक में देखने को कहें।

- पाठ में आए कठिन शब्दों (अपरिचित शब्दों) को चिह्नित करते जाएँ।
- चिह्नित शब्दों को बोर्ड पर लिखकर उसका अर्थ लिखें एवं बच्चों द्वारा उन्हें अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखवाएँगे।
- बच्चों द्वारा अनुकरण वाचन करवाना। (एकल) वाचन के लिए सभी स्तर के बच्चों को अवसर उपलब्ध करवाएँगे।
- छोटे समूह में बच्चों द्वारा कहानी का सारांश लिखवाएँगे।
- अध्यापक द्वारा आवश्यकतानुसार बच्चों के समूह में जाकर उनकी सहायता करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा कहानी का सारांश बच्चों से सुनना। सभी स्तर के बच्चों को अवसर देना है।

गृहकार्य –बच्चे अपने माता–पिता या दादा–दादी से अपनी मन पसन्द मिठाई बनाने के तरीके पूछकर उसे अपने शब्दों में लिखकर लाएँगे।

पहेलियाँ

नन्हा–मुन्ना घर का तारा,
सबका लाडला, सबका प्यारा।
खेल–खेल में दिन बिताता,
बताओ वह क्या कहलाता?

माँ के जैसे प्यार लुटाए,
पापा को भी खूब सिखाए।
घर में सबसे बड़ी कहलाती,
बताओ वह कौन बताती?

जीभ चटोरी न सुने माँगे मीठा मोर।
मीठा–मीठा खाय के, लोग न होवें बोर।।

पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (3/11)

लर्निंग आउटकम– H403, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- मिठाइयों का सम्मेलन' पाठ की समझ पर कार्य।
- पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों पर कार्य।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्र चार्ट, प्रश्न पट्टी, बोर्ड, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे। बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ पर चर्चा करते हुए बच्चों से साधारण से प्रश्न पूछेंगे। **जैसे–** हलवाई का क्या नाम था?
- मिठाइयों के सम्मेलन का अध्यक्ष किसे बनाया गया?
- डॉक्टर मिठाई खाने से लोगों को क्यों रोकते हैं?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर पर चर्चा करते हुए बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर प्रश्नों के उत्तर लेखन की गतिविधि कराएँगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में प्रश्नपट्टिका के माध्यम से प्रश्नों का वितरण कर आपस में बातचीत करके प्रश्नों का उत्तर लिखवाएँ। शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। समूह द्वारा उत्तर लिख जाने पर समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिए गए **बातचीत के लिए** प्रश्नों को बच्चों से पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य –दिए गए पाठ से प्रत्येक छात्र दो–दो प्रश्नों का निर्माण करके लाएँगे।

प्रश्न पट्टिका–

- यह एक ऐसी पट्टिका होती है जिस पर रंगीन स्केच कलर से प्रश्न लिखे होते हैं।
- यह एक तरह का प्रश्न कार्ड होता है जिसे उत्तर लेखन की गतिविधि में बच्चे पढ़कर प्रश्नों का उत्तर देते हैं।

उदाहरण –

- आपको कौन सी मिठाई सबसे अधिक पसंद है, और क्यों?
- घर से विद्यालय जाते हुए आपको किन–किन वस्तुओं की दुकाने मिलती हैं?

पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (4/11)

लर्निंग आउटकम– H403, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- मिठाइयों का नामकरण करना।
- अलग–अलग प्रदेशों की मिठाइयों की जानकारी देना।
- लोक संस्कृति व कला से परचित कराना।

आवश्यक सामग्री– मिठाइयों के नाम एवं चित्र का कार्ड, प्रदेश का नाम एवं उनकी प्रसिद्ध मिठाई का शब्द कार्ड, बोर्ड, चॉक, डस्टर, सम्बन्धित प्रिन्टरिच सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सहयोग देंगे। बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- मिठाइयों के नामकरण पर चर्चा करेंगे।
- अलग–अलग प्रदेशों में बनने वाली मिठाई के बारे में बच्चों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों से मिठाइयों के नामकरण पर चर्चा करते हुए उनका छोटा समूह बनवाकर मिठाइयों का नाम लिखकर चित्र बनवाएँगे।

समूह–1– गुलाब जामुन मामा,
समूह–2 – काजूकतली दीदी
समूह–3– गुझिया रानी
समूह–4– मैसूरपाक भैया (शिक्षक मोबाइल से बच्चों को मैसूर पाक मिठाई का चित्र दिखाएँ)

- छोटे समूह में प्रदेश के नाम एवं उनकी प्रसिद्ध मिठाइयों के नाम के कार्ड देकर, उनके सही जोड़े बनवाकर उत्तर पुस्तिका में नोट करवाना।
- समूह द्वारा प्रस्तुतीकरण करवाना।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से प्रदेश का नाम बताकर वहाँ की प्रसिद्ध मिठाई का नाम बोर्ड पर लिखवाकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य –शिक्षक बच्चों को कुछ मिठाइयों का चित्र बनाकर उसमें रंग भरकर लाने को देंगे।

पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (5/11)

लर्निंग आउटकम– H405, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- शब्द निर्माण करना
- मिठाइयों पर बने मुहावरों की जानकारी देना।
- **आवश्यक सामग्री–** शब्द कार्ड, मुहावरा कार्ड, पाठ्यपुस्तक, प्रिन्ट रिच सामग्री, बोर्ड, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सहयोग देंगे बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- मुहावरों के बारे में बातचीत करते हुए फलों, सब्जियों, अनाजों, मसालों पर मुहावरों के बारे में बताना।

जैसे – एक अनार सौ बीमार, आम के आम गुठलियों के दाम, एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा, छाती पर मूँग दलना, आदि।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से बड़े समूह में फलों, सब्जियों, अनाजों, एवं मिठाइयों पर बने मुहावरों पर बातचीत करते हुए कुछ मुहावरों को बोर्ड पर लिखेंगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग की गतिविधि कराएँगे।
- मुहावरों का समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

शिक्षक स्वादानुसार शब्द लेकर उससे शब्द निर्माण करवाएँगे एवं उस स्वाद से संबंधित किसी वस्तु का नाम लिखवाएँगे।

जैसे–

मीठा – मिठास – रसगुल्ला

खट्टा – खटास – इमली

नमक – ..... – .....

कड़वा – ..... – . .....

शिक्षक बच्चों के छोटे समूह में उपर्युक्त शब्द देकर शब्द निर्माण करवाकर अपनी पुस्तिका में लिखने को कहेंगे। समूहवार शब्दों का प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

उपर्युक्त दिए गए मुहावरों में से कुछ मुहावरों को बच्चों से पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य –पृष्ठ संख्या – 110 से प्रश्न सं 3 को अपने अभिभावक की सहायता से करके लाने के लिए कहेंगे।

पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (6/11)

लर्निंग आउटकम– H403, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- वचन की जानकारी देना
- मिठाइयों पर बने मुहावरों की जानकारी देना।
- **आवश्यक सामग्री–** शब्द कार्ड, पाठ्यपुस्तक, प्रिन्टरिच सामग्री, बोर्ड, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सहयोग देंगे। बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।

- शिक्षक बच्चों से बोल–चाल की भाषा में प्रयोग होने वाले एक वचन एवं बहुवचन शब्दों के बारे में बातचीत करेंगे।

जैसे – रोटी – रोटियाँ,
बकरी – बकरियाँ
लड़का – लड़के
लड़की – लड़कियाँ

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर एक वचन के शब्द देकर बहुवचन शब्द बनवाने की गतिविधि करवाएँगे। शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार सहायता करें। समूहवार बच्चों के प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को दो शब्द लेकर एक शब्द बनवाने का अभ्यास करवाएँगे।
- **जैसे–**

रस + मलाई = रसमलाई
गुलाब + जामुन = गुलाबजामुन
बालू + शाही = बालूशाही
शयन + कक्ष = शयनकक्ष

- शिक्षक बच्चों के छोटे समूह में उपर्युक्त प्रकार के अनेक शब्द देकर नये शब्द निर्माण की गतिविधि करवाएँगे। समूहवार बच्चों से प्रस्तुतीकरण कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से कुछ एक वचन शब्द का बहुवचन बनवाकर एवं दो शब्द मिलाकर एक नया शब्द बनवाकर उनकी समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य –शिक्षक बच्चों को उनके घर के आस–पास दिखाई देने वाली वस्तुओं के एक वचन एवं बहुवचन रूप लिखकर आने को कहेंगे।

पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (7/11)

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी के पात्रों का संवाद निर्माण
- संवाद को हाव–भाव के साथ कहना

•आवश्यक सामग्री– सब्जियों के चित्र या मुखौटे, पाठ्यपुस्तक, प्रिन्ट रिच सामग्री, बोर्ड, चॉक डस्टर इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सहयोग देंगे। बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से मिठाइयों द्वारा बोले गए संवाद पर बातचीत करेंगे। कुछ मिठाइयों का संवाद स्वयं बोलेंगे तथा कुछ संवाद बच्चों से बोलने को कहेंगे।
- चर्चा को आगे बढ़ाते हुए यह बात करेंगे कि यदि मिठाइयों के स्थान पर सब्जियों का सम्मेलन हो तो सब्जियाँ किस तरह से बातचीत करेंगी।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर सब्जियों के नाम लिखकर एक या दो सब्जी का संवाद हाव भाव के साथ बच्चों को बताएँगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में विभाजित करके सब्जियों का सम्मेलन विषय पर संवाद लिखने को कहेंगे। शिक्षक बच्चों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों के किसी एक समूह से सब्जियों का मुखौटा लगवाकर सम्मेलन का अभिनय करवाएँगे। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से किसी मिठाई या सब्जी का संवाद पूछकर उसकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य –शिक्षक बच्चों से अपने माता–पिता या दादा–दादी की सहायता से 'जानवरों का सम्मेलन' (भेड़ बकरियाँ, मुर्गा, मुर्गी, गाय, भैंस आदि) का संवाद अपनी भाषा में लिखकर आने को कहेंगे।

सी–सी–सीटी

एक ठेले पर बहुत सारी सब्ज़ियाँ रखी हुई थीं। सब्ज़ियाँ आपस में बातें कर रही थीं।
लेकिन भिंडी आज बहुत उदास थी।
भिंडी को खुश करने के लिए लौकी ने लेटे–लेटे बाँसुरी बजाई। भिंडी नहीं हँसी।
बैंगन ने बैठे–बैठे तबला बजाया। भिंडी फिर भी नहीं हँसी।
मिर्ची सोचने लगी। उसे न गाना आता था और न बजाना। मिर्ची सी–सी करके सीटी बजाने लगी। मिर्ची की सीटी सुनते ही भिंडी हँस पड़ी। सभी सब्ज़ियाँ खुश हो गईं और नाचने लगीं।



पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (8/11)

लर्निंग आउटकम– H401, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- किसी विषयवस्तु पर अपने विचार को अपनी भाषा में व्यक्त करना तथा उसे सरल वाक्यों में लिखना।

•आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, बोर्ड, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सहयोग प्रदान करेंगे। बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से उनकी दैनिक दिनचर्या में होने वाले कार्यों पर चर्चा करेंगे। हम प्रतिदिन कौन–कौन से काम करते हैं और क्यों करते हैं?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से चर्चा करके प्रतिदिन होने वाले कार्यों की सूची बोर्ड पर लिखेंगे।
- बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर स्वस्थ रहने के लिए हम क्या–क्या करते हैं, विषय पर पाँच वाक्य लिखने के लिए देंगे।
- शिक्षक समूह में जाकर आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करेंगे।

बच्चों के उसी समूह में "जहाँ अति होती है, वहाँ क्षति होती है"। विषय पर बातचीत करके उनसे–उनके अनुभव कक्षा में साझा करने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से उनके विचार सुनकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य –'यदि आप ग्राम प्रधान होते तो अपने गाँव के स्कूल में क्या–क्या करवाते', विषय पर बच्चों से अपने माता–पिता या दादा–दादी की सहायता से 10 वाक्य लिखकर लाने को कहेंगे।



पाठ -9 मिठाइयों का सम्मेलन (9/11)

लर्निंग आउटकम– H401, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- पहेलियों के बारे में जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री– पहेली चार्ट, ICT पर पहेली का वीडियो, पाठ्यपुस्तक, बोर्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से पहेलियों के बारे में बातचीत करेंगे।
- एक पहेली को बोर्ड पर लिखेंगे और बच्चों से उसका उत्तर सोचने के लिए कहेंगे।
- बच्चों की प्रतिक्रिया को बोर्ड पर लिखेंगे। सही उत्तर आने पर सबकी सराहना करेंगे।
- बच्चों से कुछ पहेलियाँ पूछकर बोर्ड पर लिखेंगे। सभी बच्चों की सहभागिता करवाएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर, पहेलियों को हल करने पर चर्चा करवाएँगे बच्चे पहेलियों और उनके उत्तर को अपनी कापी में नोट करेंगे ।
- शिक्षक बच्चों के एक समूह से पहेली पूछने को कहें, दूसरा समूह उसका उत्तर देगा शिक्षक बच्चों का आवश्यकतानुसार सहयोग करते रहें।
- शिक्षक बच्चों से पाठ्यपुस्तक में दी गयी 'भूल– भूलैया' गतिविधि करवाएँ। बच्चे पेंसिल की सहायता से गिनती के बढ़ते क्रम में रास्ता बनाकर भाई–बहन को उनके घर तक पहुँचाने की गतिविधि करें। बच्चों को गतिविधि का आनन्द लेने दें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से कुछ पहेलियाँ पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे ।

गृहकार्य –बच्चे परिवार की मदद से पहेलियाँ लिखकर लाएँगे।

पहेलियाँ

न मैं दिख सकती हूँ।
न मैं बिक सकती हूँ और
न ही मैं गिर सकती हूँ।
बताओ मैं कौन हूँ?

गोल–गोल कुंडल बनाऊँ,
चाशनी में मैं नहाऊँ।
गरम–गरम सबको भाऊँ,
बताओ क्या कहलाऊँ?



मिठाइयों का सम्मेलन (10/11)

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- आपके गाँव व आस–पास की दुकानों पर कौन–कौन सी मिठाइयाँ मिलती है? उनके नाम लिखिए।
- इस पाठ में जीभ पर नियन्त्रण रखने की बात क्यों कहीं गई है?
- यदि जंगली जानवरों का सम्मेलन होगा तो उसमें कौन–कौन जानवर आएँगे।

2. निम्न शब्दों के बहुवचन बनाइए।

शब्द	बहुवचन
जलेबी	
पेड़ा	
मिठाई	
दाल	

3. निम्न मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

शब्द	वाक्य प्रयोग
मन में लड्डू फूटना →	
दाल न गलना →	
कद्दू में तीर मारना →	
गाजर मूली समझना →	
उछल– उछलकर →	

4. चाय बनाने के लिए क्या–क्या चाहिए? चाय बनाने की विधि लिखिए।

5. हम सब स्वस्थ रहने के लिए क्या–क्या करते है। इससे सम्बन्धित 4 वाक्य लिखिए।

आवश्यकतानुसार शिक्षक प्रश्न बढ़ा या घटा सकते हैं।

नोट– शिक्षक 11/11 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

- **'जलेबी' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'मिठाइयों का सम्मेलन' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।**

कितना सीखा (3)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

- राजा ने अपने पुत्र का सलाहकार किसे और क्यों चुना?
- ओणम का त्योहार कब मनाया जाता है?
- आपको कौन–सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है और क्यों?
- आपके घर में मिठाई कब–कब बनाई और बाँटी जाती है?

2. नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन लिखिए –

मिठाई, इमरती, टोकरी, पेड़, नदी, हीरा, बेटा आदि

3. ''सब दरबारियों ने बारी–बारी से यही उत्तर दिया।''

उपर्युक्त पक्ति में 'बारी' शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है। आप भी नीचे दिए ऐसे शब्दों से वाक्य बनाइए।

धीरे–धीरे .....

बार–बार .....

साथ–साथ .....

मीठे–मीठे .....

हल्की–हल्की .....

4. नीचे दिए गए शब्दों को उनके उपर्युक्त अर्थों के साथ रेखाएँ खींचकर मिलाइए।

शब्द	अर्थ
वृद्ध	बारिश
श्रेष्ठ	पहाड़
निस्संदेह	जगह
वर्षा	इस्तेमाल
पर्वत	उत्तम
स्थान	बिना संदेह
अवसर	बूढ़ा
सम्मेलन	मौका
सेवन	समारोह

पाठ -10 कैमरा (1/8)

लर्निंग आउटकम– H401, H402

शिक्षण उद्देश्य–

- "कैमरा" कविता के प्रति रुचि जागृत करना।
- पाठ में दिये चित्रों पर चर्चा करवाना।
- पाठ के शीर्षक पर चर्चा करवाना और वैज्ञानिक खोज के बारे में अवगत कराना।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, कैमरे का मॉडल या पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, ICT, QR Code आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक; सर्वप्रथम बच्चों को चित्र चार्ट दिखाएँगे और पूछेंगे कि इसमें क्या–क्या है? फिर कैमरे का मॉडल दिखाकर पूछेंगे कि यह क्या है कैसे कार्य करता हैं? इस प्रकार के प्रश्न पूछकर पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करेंगे।

पाठ्यपुस्तक के पेज नंबर 118 पर **बातचीत के लिए** दिए प्रश्नों का उपयोग करें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों को विभिन्न प्रकार के कैमरों का मॉडल दिखाएँगे– (ICT का प्रयोग भी कर सकते हैं) कैमरा से जुड़ी वैज्ञानिक खोजों के बारे में बात करते हुए बच्चों की जिज्ञासा को विस्तार देंगे। इसके लिए कुछ प्रश्नों की मदद भी ले सकते हैं। जैसे– पहला कैमरा कब आया? पहले और अब के कैमरे में क्या अन्तर है।

फोटो लेने या बनवाने के और कौन–कौन से साधन हैं?

कैमरा ना हो तो क्या होगा?

- शिक्षक बच्चों के चार समूह बनाकर उन्हें कैमरे और फोटो/तस्वीर से संबंधित दो–दो वाक्य लिखने का कार्य देंगे। (स्वयं का अनुभव आदि)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक समूह कार्य को पूरी कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करते हुए बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से कहेंगे कि कल हम कैमरे से सम्बंधित कविता का पाठ करेंगे।

गृहकार्य –सभी बच्चे अपने घर के बड़ों की मदद से पता करके आएँगे कि उनके घर में कैमरा है या नहीं और अगर है तो कितने प्रकार के हैं और उसका प्रयोग कब–कब करते हैं।





पाठ -10 कैमरा (2/8)

लर्निंग आउटकम– H402, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता वाचन और पठन का आनंद लेना तथा प्रश्नोत्तर/बातचीत से मौखिक–लिखित अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, चॉक, डस्टर, ICT, QR Code आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए कार्यों पर चर्चा कर बच्चों को **''कैमरा''** कविता से परिचित कराएँगे।
- **"कैमरा"** कविता का सस्वर वाचन करेंगे।
- अपरिचित शब्दों को बोर्ड पर लिखेंगे। फिर उसका भाव/अर्थ बच्चों को बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा उचित हाव–भाव व लय के साथ कविता का वाचन किया जाएगा।
- बच्चों द्वारा पुस्तक में लिखी– कविता की पक्तियों पर उँगली फिराते हुए अनुकरण वाचन किया जाएगा।
- बच्चों को समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह में बच्चों से कविता का पाठ करने को कहेंगे।
- शिक्षक द्वारा बच्चों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा कर पाठ को आगे ले जाएँगे।

जैसे –

- आपको अपनी बड़ी सी फोटो विद्यालय परिसर में देखकर कैसा लगेगा?
- कक्षा को दो समूह में बाँटकर चर्चा करने को कहें कि, क्या बिना कैमरे के फोटो ली जा सकती है या नहीं? क्यों?
- आपके विद्यालय के पुस्ताकालय में कैमरे से संबंधित कौन–कौन सी पुस्तकें हैं? उनके नाम बताइए।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों द्वारा लिखी बातों को हर समूह के किसी एक–एक बच्चे द्वारा कक्षा के समक्ष प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- पाठ्यपुस्तक के पेज न० 118 पर दिये गये "बातचीत के लिए" प्रश्नों को चर्चा हेतु उपयोग करें।

गृहकार्य –बच्चों से उनके घर के सदस्यों के नाम व उनकी कितनी फोटो हैं यह लिखकर लाने के लिए कहेंगे। किस सदस्य की सबसे ज्यादा फोटो हैं यह भी बताने के लिए कहेंगे।



पाठ -10 कैमरा (3/8)

लर्निंग आउटकम– H406, H402

शिक्षण उद्देश्य–

- कैमरा पाठ को सुरुचि के साथ पढ़कर समझ बनाना।
- अन्य वैज्ञानिक खोजों के बारे में भी जानना।

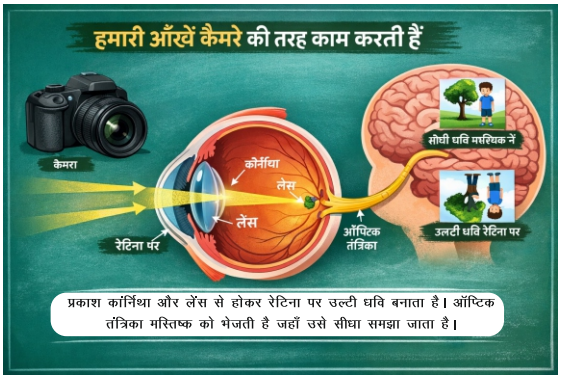
आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, ICT, QR Code आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर महत्त्वपूर्ण सुझाव देंगे।
- शिक्षक द्वारा कैमरा 'कविता' का किसी बच्चे द्वारा गायन कराया जाएगा फिर उस पर चर्चा कर कार्य आगे बढ़ाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों से चर्चा करेंगे कि कैमरा की ही तरह बहुत सारी चीजें वैज्ञानिकों द्वारा खोजी जाती रही हैं जिसका उपयोग आज सभी कर रहे हैं। जैसे–मोबाइल, टी.वी., रेडियो, कम्प्यूटर आदि। इनमें पहले और अब में बहुत अंतर है। समय–समय पर इनमें सुधार होता रहता है। इस प्रकार की चर्चा करते हुए शिक्षक प्रश्नोतर के माध्यम से भी बीच–बीच में बच्चों का जुड़ाव पाठ से बनाए रखेंगे।
- कैमरे से संवाद (पेज नंबर – 123) बच्चों को छोटे समूह में करने को कहेंगे।.
- हमारी आँखें कैमरे की तरह काम करती हैं इस पर शिक्षक द्वारा चर्चा की जाए। आँख में प्रकाश कार्निया और लेंस के माध्यम से प्रवेश करता है और पीछे के रेटिना पर एक स्पष्ट, उल्टी छवि बनाता है जिसे ऑप्टिक तंत्रिका मस्तिष्क को भेजती है जहाँ उसे सीधा समझा जाता है।



शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पेज न० 118 पर दिये गये अभ्यास **"पाठ के भीतर"** को कराएँगे।
- शिक्षक कार्यों का अवलोकन कर फीडबैक देंगे और अवधारणा को पुष्ट करेंगे।

गृहकार्य –अपने घर के सभी सदस्यों का नाम इस क्रम में लिखिए जिनका फोटो आप पहले लेंगे उसके बाद दूसरे का फिर तीसरे का ऐसे ही क्रम बढ़ा कर लिखकर लाना।

पाठ -10 कैमरा (4/8)

लर्निंग आउटकम– H402, H406, H404

शिक्षण उद्देश्य–

- कल्पनाशीलता का विकास, रचनात्मकता को बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री– कैमरे का मॉडल, या कैमरे का चित्र, एक बच्चा जो चाचा का रोल अदा करे, एक बच्चा जो छोटू का रोल करे। कुछ फोटोज़, चश्मा, कुर्ता पैजामा (उपलब्धता के आधार पर)

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए कार्यों का अवलोकन कर चर्चा करें और पाठ से जुड़ते हुए आगे बढ़ें।
- शिक्षक बच्चों को चर्चा के माध्यम से बताएँ कि किसी कविता/गीत को सुनने के साथ अगर देखा जाय तो ज्यादा प्रभावी व स्थायी होता है आओ करके देखें –

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक की मदद से बच्चे नाटक प्रस्तुत करेंगे।
- सर्वप्रथम चाचा बना बच्चा, दरवाजे से प्रवेश करेगा और छोटू–छोटू पुकारेगा फिर उसे बैठाकर फोटो खींचने का दिखावा करेगा और एक फोटो (जिसमें बच्चा हो) उसे देगा।
- फिर छोटू कहेगा– अरे वाह! यह तो बिल्कुल मेरे जैसा है। चाचा बना बच्चा कैमरे की कार्यप्रणाली समझाएगा।
- फिर दोनो खुशी–खुशी कैमरा को उठाकर झूम जाते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- उसके बाद शिक्षक कैमरे की उपयोगिता के बारे में बच्चों को बताते हैं और आनंद के साथ पाठ का अंत करते हैं।
- शिक्षक पेज न० 119 पर दिए गए अभ्यास **(सोचिए और लिखिए)** को कराएँ।

गृहकार्य –बच्चों अगर आप को कैमरे से बात करने का मौका मिलेगा तो क्या–क्या बातें करोगे लिखकर लाना।



पाठ -10 कैमरा (5/8)

लर्निंग आउटकम– H406, H402, H415

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को विलोम शब्दों से परिचित कराना।
- शब्द निर्माण करना।

आवश्यक सामग्री– विलोम चकरी (TLM) या विलोग शब्दो से संबंधित चार्ट, बोर्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को 'भाषा' के विविध रूपों से अवगत कराने हेतु चर्चा करेंगे। शिक्षक चर्चा शुरू करें कि अभी दिन है तो उजाला है, रात में अंधेरा होगा इसी प्रकार अन्य शब्दों के भी अर्थ है और उनके विपरीत अर्थ भी होते हैं। बच्चों से कुछ शब्दों को बोलने को कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक बच्चों द्वारा बोले गये शब्दों को बोर्ड पर लिखेंगे।

जैसे –

जल्दी से
आगे
बड़ा
जाना

शिक्षक बच्चों को बताएँगे कि इन शब्दों का विपरीत यानि उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

जैसे–

जल्दी से – देर से
आगे – पीछे
बड़ा – छोटा
जाना – आना (कुछ बच्चों से इसको पढ़वाएँगे)

- विलोम चकरी को बच्चों के समक्ष रखकर उनसे विलोम शब्द का अभ्यास करवाएँगे।
- बच्चों के समूह बनाकर खेल गतिविधि कराएँगे एक समूह एक शब्द बोलेगा दूसरा समूह उसका विलोम शब्द बताएगा और शिक्षक उसे बोर्ड पर लिखेंगे। बच्चे उसे अपनी–अपनी कापी में बाद में लिख लेंगे ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पेज न० 119 व 120 पर दिये गये **"भाषा की बात 1 और 3"** को बच्चों से कराएँगे।
- शिक्षक बच्चे से कुछ शब्दों के विलोम पूछकर उनकी समझ की जाँच करे।

गृहकार्य – "कैमरा" कविता में आए एक जैसे शब्दों को छाँटकर लिखिए और उनमें विलोम शब्दों को रेखांकित करिए।

पाठ -10 कैमरा (6/8)

लर्निंग आउटकम– H413

शिक्षण उद्देश्य–

- भाषा के विविध रूपों से बच्चों को परिचित कराना। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से अवगत कराना।

आवश्यक सामग्री– कुछ संज्ञा शब्दों से लिखा हुआ चार्ट चित्रों के साथ। विशेषण और सर्वनाम संबंधित TLM, बोर्ड, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से चर्चा करेंगे कि हम जो भी मुख से बोलते हैं वह शब्द का कोई न कोई रूप होता है, इन्हें हम अलग–अलग नामों से जानते हैं, आइए चर्चा करें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- सभी बच्चों से कहें कि आपके आसपास जो भी वस्तुएँ दिखाई दे रही हैं उनके नाम बताओ, बताए गए नामों को बोर्ड पर लिखें और फिर बच्चों को बताएँ कि नाम वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं। उनकी जगह पर प्रयुक्त शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।
- शिक्षक बच्चों द्वारा बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और एक–एक शब्द पर जोर देते हुए बताएँ कि यह एक–दूसरे से कैसे अलग–अलग है। (अखबार, पत्रिकाएँ, लाइब्रेरी की पुस्तकें, पाठ्यपुस्तक आदि का भी प्रयोग कर सकते हैं।

जैसे–

राम	अच्छा	लड़का है।	वह	जल्दी से	जा रहा है।
संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया विशेषण	

- शिक्षक बच्चों से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया–विशेषण की परिभाषा भी लिखवाएँगे बोर्ड पर कक्षा को दो समूह में बाँटकर वाक्य की एक पर्ची देंगे।

"सीता सुंदर है। वह समय से काम करती है।"

जो समूह जितनी जल्दी वाक्य में आए शब्दों के नाम लिखकर जमा करेगा वह विजेता होगा।

जैसे –

सीता	सुंदर है।	वह	समय से काम	करती है।
संज्ञा	विशेषण	सर्वनाम	क्रिया विशेषण	क्रिया

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पेज न० 120 पर दिये **भाषा की बात** "2" को बच्चों से कराए।
- शिक्षक कुछ बच्चों से वाक्य में आए शब्दों (संज्ञा) का नाम पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।
- पाठ्यपुस्तक के पेज नंबर 121 पर दिए **शब्द खेल** कराएँ।

गृहकार्य –कविता में आए संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि शब्दों को छाँटकर लिखो।

कैमरा (7/8)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- चाचा ने कैमरा लाकर सबसे पहले किसकी फोटो खींची?
- पेंटर का क्या काम होता है?
- प्रकाश और छाया के खेल से तुम क्या समझते हो?
- आपने कहाँ–कहाँ कैमरा देखा है? सोचकर बताओ।

2. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट करो।

यह क्या है चक्कर, छिपा हुआ क्या इसमें पेंटर?

जैसी शक्ल, हू ब हू चित्र, समझो इसको अपना मित्र।

3. संज्ञा और विशेषण शब्दों से आप क्या समझते हैं? नीचे लिखे शब्दों में से संज्ञा और विशेषण शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो –

कैमरा, चाचा, छोटू, फोडू, प्यारी, पतला, चित्र, मित्र, असली नकली, सुंदर, अच्छा

या

परसों रात को हम सकुशल जयपुर पहुँच गए। हमारी यात्रा बहुत अच्छी रही। यहाँ मौसम अच्छा था ।

4. आपको कब–कब सेल्फी लेना अच्छा लगता है ? सेल्फी लेते समय क्या–क्या सावधानी अपनाते हैं? बताइए।

निर्देश– शिक्षक अपनी आवश्यकतानुसार स्वयं आकलन प्रपत्र बनवा सकते हैं।

नोट– शिक्षक 8/8 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

- **'सुन, इमली के दाने एवं ठहाके' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'कैमरा' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।**



पाठ -11 कविता का कमाल (1/12)

लर्निंग आउटकम– H401
शिक्षण उद्देश्य– कहानी/लोककथा विधा से परिचित कराते हुए रोचक ढंग से सुनाना तथा कहानी की घटनाओं पर चर्चा करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक स्वयं एक छोटी कहानी रोचक तरीके से अपने शब्दों में सुनाएँगे।
- शिक्षक एक दो बच्चों से इसी तरह की एक छोटी कहानी अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को अर्ध गोलाकार अथवा गोल घेरा बनाकर बैठाएँगे। शिक्षक **कविता का कमाल** कहानी को हाव–भाव के साथ अपने शब्दों में सुनाएँगे और कहानी में आई घटनाओं पर प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पाठ के शीर्षक **कविता का कमाल** के नाम पर बातचीत करते हुए मदन की कविता के कारण हुए लाभ पर चर्चा करेंगे और बच्चों को बताने के लिए प्रेरित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को कहानी और कविता के अंतर को समझने की दृष्टि से पाठ में आई कविता का सस्वर वाचन करेंगे और बच्चों को कविता और कहानी का अंतर भी स्पष्ट करेंगे।
- बच्चों से अनुमान लगवाएँ कि यदि राजा मदन की कविता न दोहराता तो क्या कुछ हो सकता था ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

कहानी की घटनाओं पर कुछ खुले एवं बन्द छोर के निम्नवत प्रश्न शिक्षक स्वयं से बनाकर भी बच्चों से चर्चा करेंगे और उत्तर लिखने को कहेंगे।

(i). ढिंढोरा पीटने वाले ने क्या कहा?
(ii). सबसे पहले मदन को कौन दिखा?
(iii). कुत्ता जब पानी पीता है तो कैसी आवाज होती है?
(iv). कहानी में मदन को कौन–कौन मिले, लिखने को कहेंगे।

गृहकार्य –सभी बच्चे अपने–अपने अभिभावकों को यह कविता सुनाएँगे।

आसमान में चमके तारा,
सबसे प्यारा, सबसे न्यारा।
छोटा सा पर रोशन करता,
अंधियारा भी दूर भगाता।
हम भी ऐसे बन जाएँ,
दुनिया में उजियारा लाएँ।
मेहनत से आगे बढ़ते जाएँ,
सपनों को सच्चा बनाएँ।



पाठ -11 कविता का कमाल (2/12)

लर्निंग आउटकम– H405, H416

शिक्षण उद्देश्य– कहानी को उचित उतार–चढ़ाव, शुद्ध उच्चारण, गति एवं समझ के साथ पढ़ना।

- शब्द से वाक्य बनाकर लिखना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में एक दो बच्चों से कल सुनाई गई कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में एक अनुच्छेद को उचित उतार–चढ़ाव शुद्ध उच्चारण एवं गति के साथ पढ़ेंगे और बच्चों से दोहराव कराएँगे।
- शिक्षक कक्षा के छोटे–छोटे समूह बनाएँगे प्रत्येक समूह में पीयर लीडर के रूप में एक विद्यार्थी को रखेंगे।
- तत्पश्चात शिक्षक अपने पर्यवेक्षण में पाठ्यपुस्तक से कहानी को समूहों में पढ़ने का अवसर देंगे।
- शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे। बच्चे निर्देशित पठन करेंगे।
- शिक्षक यह ध्यान रखेंगे कि सभी बच्चों की प्रतिभागिता रहे।
- साथ–साथ शिक्षक कहानी में आए कठिन शब्द, उनका अर्थ एवं उनका वाक्य प्रयोग करते हुए बोर्ड पर लिखेंगे ताकि बच्चे नवीन/कठिन शब्दों का अर्थ भली भाँति समझ सकें।
- कठिन शब्द – चौकन्ना, अशर्फिया, ताका– झाँकी, हक्के–बक्के, विचित्र, मूर्ख, संयोग आदि।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक कहानी के किसी अनुच्छेद को बच्चों से पढवाएँगे एवं कहानी में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कर लिखने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य –सभी बच्चे पाठ में आए एक जैसे शब्दों को रेखांकित करेंगे और अपनी कापी पर लिखेंगे।

रिमी ने काग़ज़ लिया।
उससे एक पतंग बनाई।
उस पतंग पर रंग किया।
उस पर अपना नाम लिखा।

रोज़ी ने साइकिल ख़रीदी।
वह लाल रंग की है।
उसमें एक घंटी है।
घंटी टन–टन बजती है।

पाठ -11 कविता का कमाल (3/12)

लर्निंग आउटकम– H403
शिक्षण उद्देश्य– कहानी की घटनाओं पर अपने विचार बता पाएँगे।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ब्लैक / व्हाइट बोर्ड, चॉक / मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर कठिन शब्दों का अर्थ एवं वाक्य प्रयोग बताते हुए सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक पाठ में **"बातचीत के लिए"** भाग में दिये गये प्रश्नों –

1. क्या आपको कथा / कहानी सुनना / सुनाना पसंद है? अपने उत्तर का कारण बताइए।
2. इस लोक कथा का सबसे रोचक हिस्सा कौन सा है और क्यों ?
3. राजा का खजाना मदन की कविता के कारण बचा या राजा के कारण जो कविता को जोर–जोर से बोल रहे थे ?
4. राजमहल में जब मदन ने अपनी कविता सुनाई तो सुनने वाले एक दूसरे का मुंह क्यों ताकने लगे ?
5. आप इस कहानी का कोई और शीर्षक भी सुझाइए तथा बताइए कि यह शीर्षक आप क्यों देना चाहते हैं ?

शिक्षक ऐसे ही कुछ खुले व बन्द छोर के स्वनिर्मित प्रश्न भी बच्चों से करेंगे और उनके उत्तर अपनी कॉपी पर लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

इस कहानी से मिलती–जुलती कोई दूसरी घटना या कहानी बच्चों को लिखने के लिए कहेंगे ।

गृहकार्य –कहानी में जो पात्र आपको अच्छा लगा उस पात्र के ऊपर कोई और कहानी लिखकर लाएँ।

काली चिड़िया

एक बार पशु पक्षियों की सभा हो रही थी। बाज ने कहा– मैं पक्षियों का राजा हूँ, क्योंकि मैं सबसे तेज उड़ सकता हूँ।
"बड़ा आया! तुमसे ऊँचा तो मैं उड़ सकती हूँ।" काली चिड़िया ने बाज को ललकारा।
दोनों में बाजी लग गई और यह तय हुआ कि दोनों अपने सिर पर कोई चीज उठाकर उड़ें। बाज बहुत चालाक था। उसने अपने सिर पर रूई रख ली जो देखने में ज्यादा थी लेकिन बहुत हल्की थी। चिड़िया ने अपने सिर पर नमक की डली रख ली जो देखने में छोटी लेकिन भारी थी। दोनों ने उड़ना शुरू किया ऊँचे, और ऊँचे और भी ऊँचे। बाज तेजी से उड़ रहा था।
सबको लग रहा था कि बाज जीत जायेगा और काली चिड़िया हार मान लेगी। दोनों ऊँचे उड़ते–उड़ते बादलों में पहुँच गये। अचानक पानी बरसने लगा। पानी की बूंदों से रूई भीग गई और बाज का सिर भारी होने लगा। लेकिन चिड़िया के सिर पर रखा नमक घुलकर बहने लगा और उसका सिर हल्का होने लगा।
सिर का बोझ हल्का होने से काली चिड़िया और तेजी से उड़ने लगी। वह उड़ते–उड़ते बाज के बराबर आ गई। नीचे जमीन पर खड़े पशु–पक्षी तालियाँ बजाने लगे। बाज और काली चिड़िया और जोर से पंख फड़फड़ाने लगे। काली चिड़िया उड़कर बाज से भी ऊँचे निकल गई।
आखिर बाज ने अपनी हार मान ली। दोनों धरती पर उतर आये। सब पशु पक्षी काली चिड़िया जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे। उसे माला भी पहनाई गई।

पाठ -11 कविता का कमाल (4/12)

लर्निंग आउटकम– H411
शिक्षण उद्देश्य– कहानी/कविता की घटनाओं पर आधारित वाक्य निर्माण एवं मिलान करना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन करते हुए सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे। तत्पश्चात कहानी में मदन द्वारा राजा को सुनाई गयी कविता को सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- तत्पश्चात शिक्षक बोर्ड पर कविता की लाइन निम्नवत रिक्त स्थान छोड़ते हुए लिखेंगे और किसी एक लाइन में रिक्त स्थान पूर्ण करके दिखाते हुए बच्चों से पूछ कर रिक्त स्थान में आने वाले शब्दों को भरेंगे।

खुदुर–खुदुर का ..... है ?	सुरुर –..... का पीबत है ?
ताक –..... का खोजत है ?	हम ..... का ढूँढ़त है !
सरक –..... कहाँ भागत है ?	जानत हो हम ..... हैं।
हमसे न बच ..... है।	धन्नू शाह, भाई ..... शाह।

- इसी प्रकार कविता की बात में दिये गये प्रश्नों के उत्तर बच्चों से निकलवाकर उत्तर पुस्तिका/पाठ्यपुस्तक में लिखवाएँगे।
- शिक्षक कक्षा में छोटे– छोटे समूह बनाएँगे और शिक्षक बोर्ड पर कविता की पंक्तियों को निम्नवत ग़लत क्रम में लिखेंगे अथवा चार्ट पेपर पर एक–एक लाइन की पट्टिका बनाकर समूह के माध्यम से क्रमवार लगवायेंगे।

हमसे न बच सकत है।	खुदुर–खुदुर का खोदत है ?
जानत हो हम देखते हैं।	सुरुर–सुरुर का पीबत है ?
ताक–झाँक का खोजत है ?	हम जानत का ढूँढ़त है !
धन्नू शाह, भाई धन्नू शाह !	सरक–सरक कहाँ भागत है ?

- शिक्षक बच्चों को निर्देश देंगे कि वह प्रत्येक लाइन को प्रत्येक समूह से उसका क्रम पूछेंगे अथवा समूह से क्रम में पट्टिकाओं को लगवाएँगे यदि पहला समूह सही उत्तर नहीं दे पाएगा तो अगले समूह को वह प्रश्न पास करते हुए दूसरे समूह को मौका दिया जाएगा। जो समूह सही उत्तर बताएगा उसके लिए तालियाँ बजाएँगे। इस तरह से सभी समूह के साथ इस गतिविधि को करते हुए कविता को सही क्रम में स्थापित किया जाएगा।
- इसी प्रकार मिलान कीजिए में दिये गये प्रश्नों के उत्तर बच्चों से निकलवाकर उत्तर पुस्तिका/पाठ्यपुस्तक में लिखवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक कुछ ऐसे ही अन्य प्रश्न स्वयं से बनाकर भी बच्चों से चर्चा करते हुए लिखवाएँगे।

गृहकार्य –सभी बच्चे कुछ तुकांत शब्दों के साथ चार–चार लाइन की कविता बना कर लाएँगे।

पाठ -11 कविता का कमाल (5/12)

लर्निंग आउटकम– H409
शिक्षण उद्देश्य– पाठ में आई घटनाओं पात्रों आदि के विषय में अपनी समझ एवं अनुभव के आधार पर उत्तर दे पाना।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन करते हुए अपनी–अपनी कविता सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक छोटे–छोटे समूहों के साथ पाठ्यपुस्तक में दिये गये **"सोचिए और लिखिए"** भाग में आए निम्नलिखित प्रश्नों को बोर्ड पर लिखेंगे और बच्चों से समूह चर्चा के द्वारा अपनी समझ से अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखने के लिए कहेंगे।

1. "अब मैं तुझे और बिठाकर नहीं खिला सकती।" मदन की माँ ने ऐसा क्यों कहा?
2. जब मदन ने महल का रास्ता पूछा तो धन्नू शाह ने ऐसा क्यों कहा कि अगर वह नहीं तो और कौन जानेगा?
3. कहानी में मदन की कविता को विचित्र कहा गया है। क्या आपको भी ऐसा ही लगता है? कारण सहित लिखिए।
4. राजा को मदन की कविता पहेली जैसी लगी। आपको यह कैसी लगी?

तत्पश्चात् शिक्षक बच्चों के उत्तरों को जाँचते हुए सही करायेंगे।
तत्पश्चात् शिक्षक **"समझ और अनुभव"** में दिये गये निम्नलिखित प्रश्नों पर बड़े समूह में चर्चा करेंगे।

1. "सुरुर–सुरुर का पीबत है" पंक्ति में पीने के साथ "सुरुर–सुरुर" शब्द का ही प्रयोग क्यों किया गया है ?
2. राजदरबार में कवि–सम्मेलन हो रहा है। सबसे अच्छी कविता सुनाने वाले को सौ अशर्फियाँ पुरस्कार में मिलेंगी। सौ अशर्फियों से आप क्या समझते हैं?
3. "सरक–सरक कहाँ भागत है" पंक्ति में "सरक–सरक" किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? यहाँ "सरक–सरक" का ही प्रयोग क्यों किया गया है?
4. "अब कोई चारा नहीं। बस राजा साहब से दया की भीख माँग सकता हूँ।" ऐसा धन्नू शाह ने क्यों सोचा?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ खुले और बन्द छोर के प्रश्न करते हुए समेकित करेंगे।
- पाठ में आए बच्चों की पसन्द के पात्र पर उनके विचार 4 वाक्यों में लिखने के लिए कहेंगे और साथ–साथ जाँच भी करेंगे।

गृहकार्य –कहानी में आए कठिन शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाकर लाएँगे।

पाठ -11 कविता का कमाल (6/12)

लर्निंग आउटकम– H403
शिक्षण उद्देश्य– अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों का उत्तर दे पाता है।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, ब्लैक / व्हाइट बोर्ड, चॉक / मार्कर, चार्ट पेपर, प्रश्न पट्टिका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन करते हुए प्रोत्साहित करेंगे। कहानी कविता का कमाल का सारांश बच्चों से अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक छोटे–छोटे समूह बनाकर **"अनुमान और कल्पना"** में दिये गये निम्नलिखित प्रश्नों की प्रश्न पट्टिका का निर्माण कर हर समूह को एक प्रश्न की पट्टी देंगे और आपसी चर्चा के माध्यम से अपने समूह के प्रश्न पर चर्चा करते हुए उत्तर लिखने के लिए कहेंगे।

1. यदि मदन रोजगार की खोज में घर से बाहर नहीं निकलता तो क्या होता ?
2. अपनी कल्पना और अनुमान से बताइए कि राजमहल कैसा होता होगा ?
3. राजा के खजाने में क्या–क्या होता होगा ?
4. मदन की कविता से प्रसन्न होकर राजा ने उसे विदा करते समय क्या–क्या उपहार दिए होंगे ?
5. राजा ने मदन को बहुत सारा धन दिया होगा। उसे यह सब कहाँ–कहाँ खर्च करना चाहिए ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- इसी प्रकार शिक्षक कुछ स्वनिर्मित खुले व बन्द छोर के प्रश्न करते हुए समेकित करेंगे।

गृहकार्य –यदि आपको किसी प्रतियोगिता में सफलता पर 10000 रुपये मिलते हैं तो आप इसको कहाँ–कहाँ खर्च करेंगे। बच्चे अपनी पाठ्यपुस्तक में दी गयी तालिका में लिखकर लाएँगे।

अनुमान और कल्पना प्रश्न के उदाहरण–

प्रश्न 1: यदि मदन को नगर में ढिंढोरा (घोषणा) सुनाई न देता, तो वह पैसे कमाने के लिए और क्या–क्या प्रयास कर सकता था?

प्रश्न 2: मदन ने कभी कविता नहीं रची थी। आपके अनुसार, राजमहल की ओर जाते समय वह अपने मन में किस तरह की पंक्तियाँ बुन रहा होगा?

प्रश्न 3: यदि आप मदन की जगह होते और आपको अचानक किसी प्रतियोगिता के बारे में पता चलता जिसके बारे में आपको जानकारी नहीं है, तो क्या आप उसमें भाग लेने का साहस करते? क्यों?

प्रश्न 4: अनुमान लगाइए कि जब मदन सौ अशर्फियाँ जीतकर घर लौटा होगा, तो उसकी माँ की क्या प्रतिक्रिया रही होगी? उनके बीच क्या बातचीत हुई होगी?

प्रश्न 5: ''कविता का कमाल'' शीर्षक के अलावा, इस कहानी के लिए कोई दो अन्य उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखिए और उसका कारण भी बताइए।

पाठ -11 कविता का कमाल (7/12)

लर्निंग आउटकम– H411
शिक्षण उद्देश्य– अपने शब्दों/भाषा में कहानी सुना/गढ़ लेते हैं।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन करते हुए 10,000/– रुपये के खर्च पर चर्चा करेंगे, और बच्चों को धन के सदुपयोग एवं अपव्यय न करने के विषय में बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

तत्पश्चात शिक्षक कक्षा में आवश्यकतानुसार चार समूहों का निर्माण करते हुए पाठ में दिये गये **"कहो कहानी, सुनो कहानी"** भाग के अन्तर्गत दिये गये बदलावों को चार्ट पेपर की पट्टिकाओं पर लिखकर समूहों में देंगे और आपसी चर्चा के लिए निर्देश देंगे कि समूह 1 व 3 स्वयं को मदन की जगह रखकर यह कहानी अपनी मातृभाषा में सुनाएँगे समूह 2 व 4 यह मानते हुए कि मदन आपका मित्र है। मदन ने कुछ समय पहले आपको यह कहानी सुनाई थी। अब आप यह कहानी अपनी कक्षा में सुनाइए।

- इस गतिविधि हेतु शिक्षक पर्यवेक्षक की भूमिका में रहते हुए आपसी चर्चा के लिए दोनों समूहों को 5–7 मिनट का समय देंगे और फिर दोनों समूहों से एक, दो बच्चों को अपनी प्रस्तुति देते हुए कहानी सुनाने के लिए कहेंगे।
- तत्पश्चात् शिक्षक **"पाठ से आगे"** भाग में आये प्रश्नों को श्यामपट पर लिखकर समूहों को अपनी समझ एवं अनुभव के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखकर दिखाने के लिए कहेंगे।
- साँप रेंगकर चलते हैं। रेंगकर चलने वाले जीव–जंतुओं की सूची बनवाते हुए कक्षा में प्रदर्शित कराएँगे एवं चर्चा करेंगे।
- राजमहल में कवि–सम्मेलन की सूचना देने के लिए ढिंढोरा पीटा जा रहा था। आजकल ऐसी सूचनाएँ कैसे दी जाती हैं?
- आपके विद्यालय में कवि–सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आप इसकी सूचना कैसे देंगे?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अगर मदन को कुत्ते से पहले भैंस मिली होती तो कविता किस तरीके से बनती।
- अगर राजा मदन की कविता को न दोहराता तो क्या हो गया होता? आदि।

गृहकार्य –सभी बच्चे टेलीविजन अथवा मोबाइल पर आने वाले इन्टरव्यू को देखकर आएँगे। पत्रकार कैसे प्रश्न करते हैं और कैसे उनका उत्तर दिया जाता है।

पाठ -11 कविता का कमाल (8/12)

लर्निंग आउटकम– H404
शिक्षण उद्देश्य– पाठ में आई घटनाओं पात्रों आदि के विषय में अपने समूह के साथ अभिनय करते हुए प्रश्नों का उत्तर देते हैं।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक 5 मिनट का एक इंटरव्यू अपने मोबाइल पर या विद्यालय में उपलब्ध आईसीटी डिवाइस पर दिखाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक कक्षा में अभिनय करने वाले कुछ बच्चों अथवा स्वयं से अभिनय के लिए तैयार होने वाले बच्चों का चयन करेंगे और उनमें से एक बच्चे को मदन और एक बच्चे को पत्रकार बनाएँगे तथा दोनों के गले में पात्र के नाम की पट्टी लगा देंगे। यदि संभव हो सके तो विद्यालय में उपलब्ध स्पीकर एवं माइक आदि संसाधनों का उपयोग करते हुए अभिनय कराएँगे।
पत्रकार बने बच्चे को कुछ प्रश्न लिख कर दे देंगे।
जैसे –
1. आप इस उपलब्धि का श्रेय किसे देना चाहेंगे?
2. आपको राजदरबार में कविता सुनाकर कैसा लगा?
3. आगे आपकी क्या योजनाएँ हैं?

इंटरव्यू के पश्चात पत्रकार "बहुत–बहुत धन्यवाद मदन जी" कहेंगे।
शिक्षक इस इंटरव्यू के लिए इन प्रश्नों के साथ–साथ स्वनिर्मित अन्य प्रश्नों को भी जोड़ सकते हैं।
पाठ्यपुस्तक में दिए गये मीडिया और आप भाग में मदन के कथन हेतु दिये गये रिक्त स्थान में सभी बच्चों से मदन के कथन को लिखने के लिए भी कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ खुले और बन्द छोर के प्रश्न करते हुए बच्चों को उन प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहेंगे।

गृहकार्य –'कविता का कमाल' कहानी से मिलती जुलती कहानी अपने शब्दों में लिखकर लायेंगे तथा 'कविता का कमाल' पाठ में आए हुए मुहावरों को रेखांकित करके लाएँगे।

पाठ -11 कविता का कमाल (9/12)

लर्निंग आउटकम– H408, H414
शिक्षण उद्देश्य– पाठ मे आए मुहावरों का अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग एवं विराम चिह्नों का सही–सही प्रयोग कर पाते हैं।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का सुधारात्मक अवलोकन करेंगे। तत्पश्चात कुछ दैनिक बोलचाल में प्रयोग होने वाले मुहावरे के साथ बातचीत करेंगे ।

जैसे – 1. ऊँट के मुंह में जीरा। 2. आँख का तारा होना।।

शिक्षक इसके अतिरिक्त और भी मुहावरे ले सकते हैं।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक कक्षा में चार समूह बनाते हुए पाठ्यपुस्तक में 'आपकी कविता' भाग में दी गई कहानी को निम्नवत प्रस्तुत करेंगे और प्रत्येक समूह को कविता को पूरा करने का अवसर प्रदान करेंगे फिर प्रत्येक समूह से अपना–अपना प्रस्तुतीकरण कराएँगे।

रजनी, मदन की कविता को गाते हुए विद्यालय जा रही थी। उसे बहुत आनंद आ रहा था। चलते–चलते अचानक उसे एक पेड़ पर कुछ बंदर दिखाई दिए। वे एक डाल से दूसरी डाल पर कूद रहे थे। जब वह थोड़ा आगे बढ़ी तो उसे एक सियार दिखाई दिया। सियार 'हुआँ–हुआँ' कर रहा था। अब सियार को आधार बनाकर आप कविता को पूरा करने में रजनी की सहायता कीजिए।

डाल–डाल क्यों कूद रहा ? खों–खों–खों क्यों बोल रहा ? बंदर जी, भाई बंदर जी !

....

शिक्षक पाठ के **"भाषा की बात"** में दिये गये

1. मन में लड्डू फूटना 2. मुँह ताकना 3. काटो तो खून नहीं

मुहावरों एवं उनके अर्थ को बोर्ड पर लिखेंगे। फिर बच्चों से उनका वाक्य प्रयोग कराएँगे। सही वाक्य प्रयोगों में से एक एक वाक्य प्रयोग सम्बंधित मुहावरे के आगे लिखकर बच्चों से अपनी अभ्यास पुस्तिका पर लिखवाएँगे।

शिक्षक पाठ के **"भाषा की बात"** में दिये गये गद्यांश को चार्ट पेपर पर लिखकर समूहों में बाँट देंगे और उचित ठहराव के साथ पढ़वाएँगे।

उसे देखते ही मदन के मुँह से निकल पड़ा, "ताक–झाँक का खोजत है?" तीनों पंक्तियों को रटते हुए वह चलता गया। रटते–रटते उसे अपने आप एक और पंक्ति सूझ गई, "हम जानत का ढूँढ़त है।"

शिक्षक इसी प्रकार कुछ बिना विराम चिह्न लगे अनुच्छेद लिखकर छोटे समूह में देंगे और बच्चों से विराम चिह्न लगाकर कापी पर लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ में दिये गये **"भाषा की बात"** के वाक्यों में विराम चिह्न लगाकर पाठ्यपुस्तक के अभ्यास कार्य को पूरा करवाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को 5–7 लाइन का एक श्रुतलेख कापी पर लिखने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य –बच्चे स्वयं से मुहावरों के साथ विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए एक अनुच्छेद लिखकर लाएँगे।

पाठ -11 कविता का कमाल (10/12)

लर्निंग आउटकम– H404
शिक्षण उद्देश्य– पाठ मे आई घटनाओं से सम्बंधित अभिनय कर पाते हैं। कक्षा स्तरीय अधूरी कविता/कहानी को पूरा कर लेता है।
आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, संबंधित चित्र कार्ड, ICT, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व में दिए गए गृहकार्य का सुधारात्मक अवलोकन करेंगे। तत्पश्चात गांव में होने वाले कार्यक्रमों की सूचना देने के तरीके आदि पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा में से एक दो बच्चों को निम्नवत अभिनय करने के लिए कहेंगे।
- ढोल, नगाड़ा या अन्य कोई वाद्ययंत्र बजाते हुए बोलिए, "सुनो, सुनो, सुनो! राजदरबार में कवि–सम्मेलन हो रहा है। सबसे अच्छी कविता सुनाने वाले को सौ अशर्फियाँ इनाम में मिलेंगी।" अब इस संवाद को अपनी मातृभाषा/घर की भाषा में हाव–भाव के साथ बोलिए।
- बच्चों के अभिनय के ऊपर प्रोत्साहन के लिए कक्षा में तालियाँ जरूर बजवायी जायें।
- तत्पश्चात् शिक्षक पाठ में दिये गये **"आपकी सूझ–बूझ"** में दिये गये प्रश्न को चार्ट पेपर पर लिखकर समूहों में बाँट देंगे और उत्तर पूछेंगे।
- एक व्यक्ति के घर के बाहर दस मीटर ऊँचा एक खजूर का पेड़ था। एक बंदर उस पर चढ़ने लगा। वह पेड़ की चोटी पर पहुँचना चाहता था। समस्या यह थी कि वह दिन के समय तो 5 मीटर चढ़ जाता था परंतु जब रात होती तो वह 4 मीटर नीचे फिसल जाता था। क्या आप बता सकते हैं कि बंदर पेड़ की चोटी पर पहुँचने में कितने दिन में सफल होगा?
- शिक्षक बोर्ड पर चित्र बनाते हुए बच्चों को प्रश्न का उत्तर साझा करेंगें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से ग़लत विराम चिह्न के कुछ प्रश्न बनाकर समूह में बांट देंगे और उन्हें उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य –बच्चे पाठ को उचित उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़कर आएँगे।

कविता का कमाल (11/12)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- मदन घर से बाहर क्या करने के लिए निकला?
- किन–किन व्यक्तियों / परिस्थितियों को देखकर मदन ने कविता बनाई? बताओ।
- आपने 'कभी' राजमहल देखा है? या राजा से मिले हैं?
- विकट परिस्थिति या परेशानी में सूझ–बूझ से काम करना क्यों आवश्यक है?

2. निम्नलिखित मुहावरों का उनके अर्थ से मिलान करें –

मुहावरे		मुहावरों के अर्थ
फूले न समाना		अवाक् रह जाना
मन में लड्डू फूटना		हस्तक्षेप करना
मुँह ताकना		बहुत खुश हो जाना
ताकना–झाकना		उत्साहित होना

3. रगड़–रगड़, घिस–घिस या इस प्रकार से अन्य शब्दों का प्रयोग कर एक कविता बनाओ।

4. खेलते समय अगर बच्चों के बीच झगड़ा हो जाए तो तुम कैसे झगड़ा समाप्त कराओगे? बताओ।

(निर्देश) – शिक्षक आवश्यकतानुसार स्वयं से भी आकलन प्रपत्र तैयार कर सकते हैं।

नोट– शिक्षक 12 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

गमछा



पिताजी काम पर जा रहे थे। देर हो रही थी। पर गमछा नहीं मिल रहा था। मनु ने कहा– आज रुमाल से काम चला लीजिए। पिताजी मुस्कराए और बोले – बेटा, गमछा बहुत काम आता है– पसीना पोंछ लो, हवा कर लो, बिछाकर सो जाओ, सिर पर बाँध लो या पोटली बना लो। नहाने के बाद भी यह काम आता है।तभी उसका कुत्ता पीकू मुँह में गमछा दबाए दौड़ा आया। मनु हँसते हुए बोला – अपना कुत्ता पीकू भी बहुत काम आता है, पिताजी।







पाठ -12 शतरंज में मात (1/10)

लर्निंग आउटकम– H403, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- नाटक विधा से परिचित कराना
- नाटक को रोचक ढंग से सुनाना तथा नाटक की घटनाओं पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक नाटक विधा से परिचित कराएँ। उसके लिए बच्चों से देखे गए नाटक या पढ़े गए नाटक पर चर्चा करें। टेलीविजन पर देखे जाने वाले धारावाहिक पर चर्चा करके नाटक की समझ दें।

- आप लोगों ने कभी अपने आस–पास नाटक का मंचन होते देखा है? उसके बारे में बताएँ।

जैसे– रामलीला का मंचन और श्री कृष्ण लीला मंचन।

(बच्चों को ICT के माध्यम से शतरंज का खेल दिखाएँ।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा–कक्ष में पाठ ''शतरंज में मात'' का आदर्श वाचन करेंगे। (पहले दृश्य का वाचन करेंगे)
- सभी बच्चे छोटे–छोटे समूह में बैठकर पाठ ''शतरंज में मात'' के पहले दृश्य (भाग) का पठन करेंगे। शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे।
- सभी बच्चे ध्यान से सुनेंगे पाठ के पहले दृश्य में जो भी अपरिचित शब्द होंगे उनकी सूची बनाएँगे शिक्षक अर्थ बताते हुए परिचित कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन –

शिक्षक निम्न प्रश्नों के माध्यम से नाटक के पहले दृश्य में घटित घटनाओं पर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।

(I). पहले दृश्य की घटना कहाँ घटित हुई?

(ii). पहले दृश्य में कौन–कौन से पात्र हैं?

(iii). पहले दृश्य में क्या–क्या–हुआ बताएँ?

गृहकार्य –शिक्षक बच्चों से राजा के मुख्य कार्य क्या–क्या होते हैं? उसके बारे में अभिभावकों से बात करने के लिए व लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ -12 शतरंज में मात (2/10)

लर्निंग आउटकम– H403, H404, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- नाटक को हाव–भाव से सुनाना।
- नाटक के भाव समझकर उसके विषय में मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना।
- नाटक को रोचक ढंग से सुनाना तथा नाटक की घटनाओं पर चर्चा करना।
- पाठ में आए विभिन्न पात्रों के कार्यों पर चर्चा।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे। पिछले दिन में पढ़े पाठ का "पहला दृश्य" को अपने शब्दों में सुनाएँ। पहले दृश्य में आए अपरिचित शब्दों पर चर्चा करते हुए बच्चों को परिचित कराएँगे ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा–कक्ष में पाठ ''शतरंज में मात'' का आदर्श वाचन करेंगे। दूसरे दृश्य (भाग) का वाचन करेंगे।
- सभी बच्चे छोटे–छोटे समूह में बैठकर पाठ ''शतरंज में मात'' के दूसरे दृश्य (भाग) का पठन करेंगे शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे।
- बच्चों को समूह में बाँटकर किसी एक पात्र के कार्यों को संवाद के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे।
- बच्चे पहले संवाद को लिखेंगे फिर उसे प्रस्तुत करेंगे।
- इस प्रक्रिया में शिक्षक बच्चों के उत्तरों को सही दिशा देंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्न प्रश्नों के माध्यम से नाटक के दूसरे दृश्य में घटित घटनाओं पर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।

(i). घटना कहाँ घटित हुयी?
(ii). दूसरे दृश्य में क्या–क्या हुआ?
(iii). यदि तेनाली राम, राजा से जीत जाता तो क्या होता?

गृहकार्य – अभिभावाकों की मदद से पाठ ''शतरंज में मात'' में तेनाली राम के कार्यों पर 4–5 वाक्य लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -12 शतरंज में मात (3/10)

लर्निंग आउटकम– H403, H404, H407, H415

शिक्षण उद्देश्य–

- नाटक को हाव–भाव से सुनाना।
- नाटक के भाव समझकर उसके विषय में मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना।
- नाटक को रोचक ढंग से सुनाना तथा नाटक की घटनाओं पर चर्चा करना।
- बच्चों को शतरंज, लट्टू, साँप–सीढ़ी जैसे खेलों से परिचित कराना ।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर (यदि उपलब्ध हो तो) शतरंज/लट्टू/साँप–सीढ़ी के चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षक बच्चों से सहज बातचीत करेंगे –

- आप कौन–कौन से खेल खेलते हैं?
- क्या आपने शतरंज या साँप–सीढ़ी खेली है?
- बच्चों के उत्तरों के आधार पर खेलों के नाम बोर्ड पर लिखे जाएँगे। इसके बाद बताया जाएगा कि आज का पाठ "शतरंज में मात" एक ऐसे खेल से जुड़ा है जिसमें बुद्धि और सूझ–बूझ की आवश्यकता होती है।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा–कक्ष में पाठ शतरंज में मात का आदर्श वाचन करेंगे। तीसरे दृश्य (भाग) का वाचन करेंगे।
- सभी बच्चे छोटे–छोटे समूह में बैठकर पाठ शतरंज में मात के तीसरे दृश्य (भाग) का पठन करेंगे। शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे।
- शिक्षक शतरंज, लट्टू और साँप–सीढ़ी का संक्षिप्त परिचय देंगे –
- शतरंज एक बैद्धिक खेल है।
- लट्टू और साँप–सीढ़ी मनोरंजन एवं अभ्यास के खेल हैं।

पाठ से जुड़े अंश पढ़कर यह समझाया जाएगा कि शतरंज खेलने में सोच–समझकर चाल चलनी पड़ती है। शिक्षक ''सोचिए और लिखिए'' के आधार पर प्रश्न 1 का (क, ख, घ, ङ) कार्य बच्चों से करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से नाटक के तीसरे दृश्य में घटित घटनाओं पर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे। जैसे–

(i). तीसरे दृश्य की घटना कहाँ घटित हुई?
(ii). दृश्य में कौन–कौन से पात्र हैं?
(iii). यदि तेनाली राम शतरंज का खेल जानते तो नाटक का अंत क्या होता?
(iv). शिक्षक बच्चों से पूछेंगे कि उन्हें कौन–सा खेल अच्छा लगता है और क्यों?

गृहकार्य –बच्चे शतरंज, लट्टू या साँप–सीढ़ी में से किसी एक खेल के बारे में 4–5 वाक्य लिखकर लाएँगे।

पाठ -12 शतरंज में मात (4/10)

लर्निंग आउटकम– H403, H404, H407, H415

शिक्षण उद्देश्य–

- नाटक के मूल भावों/संदेशों पर बच्चों द्वारा चर्चा में उभरकर आए बिन्दुओं को लिपिबद्ध कराना।
- घर में खेले जाने वाले खेलों से बच्चों को परिचित कराना।
- रचनात्मकता का विकास करना

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT प्रयोग हेतु QR Code, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर (यदि उपलब्ध हो तो) घरेलू खेलों के चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षक बच्चों से मौखिक प्रश्न पूछेंगे –

- आपको यह नाटक कैसा लगा और क्यों?
- आपने तेनालीरामन के किस्सों की तरह और किसके बुद्धिमानी के किस्से सुने हैं? उनमें से कोई एक सुनाइए। जैसे– अकबर और बीरबल के किस्से।
- तेनालीरामन की तरह क्या आपने भी कभी किसी कठिन परिस्थिति को संभाला है? यदि संभाला है तो कैसे?
- यदि तेनालीरामन शतरंज का खेल जानते तो नाटक का अंत क्या होता?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक पाठ "शतरंज में मात" का संक्षिप्त अंश पढ़कर यह स्पष्ट करेंगे कि शतरंज घर में खेला जाने वाला एक आनन्ददायक एवं रोचक खेल है।

इसके साथ ही लट्टू, साँप–सीढ़ी, कैरम जैसे अन्य घरेलू खेलों पर चर्चा करवाएँगे।

बच्चों से पूछा जाएगा –

- कौन–सा खेल आपको सबसे अधिक पसंद है और क्यों?
- खेल खेलने से क्या लाभ होते हैं?
- बच्चे अपने अनुभव साझा करेंगे और शिक्षक उन्हें सही दिशा देंगे।
- सभी बच्चे समूह में बैठकर घर में खेले जाने वाले खेलों की सूची बनाएँगे। खेलों के बारे में कम से कम दो पंक्ति लिखेंगे।
- तत्पश्चात् उसे पढ़कर एक–दूसरे समूह को सुनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों के साथ "शतरंज की भूल–भुलैया" कराएँ –

गृहकार्य – पाठ के आगे प्रश्न 2 शिक्षक, बच्चों को घर से करने एवं उन खेलों के बारें में लिख कर लाने को कहेंगे।

पाठ -12 शतरंज में मात (5/10)

लर्निंग आउटकम– H403, H407, H415

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को कुछ बुद्धिमान व हाजिर जवाब चरित्रों से अवगत कराना। (जैसे– अकबर, बीरबल, मोटू, पतलू)

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT प्रयोग हेतु QR Code, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर (यदि उपलब्ध हो तो) अकबर–बीरबल/मोटू–पतलू के चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से कुछ बुद्धिमान व हाजिर जबाब चरित्रों के बारे में कुछ प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

जैसे–

(i). क्या आपने अकबर और बीरबल की कहानियाँ सुनी हैं?

(ii). मोटू–पतलू क्यों हाजिर जवाब कहलाते हैं?

(iii). बच्चों के उत्तरों के आधार पर बताया जाएगा कि आज हम पाठ "शतरंज में मात" के माध्यम से बुद्धिमत्ता और हाजिर जवाबी के बारे में जानेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ के उस भाग का वाचन करेंगे जहाँ बुद्धि और सूझ–बूझ दिखाई देती है।
- इसके बाद शिक्षक, बच्चों के साथ अकबर–बीरबल की किसी छोटी घटना का उदाहरण देकर बातचीत करेंगे।

शिक्षक बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों/बिन्दुओं को माध्यम से बातचीत करेंगे –

(i). किस पात्र ने समझदारी से निर्णय लिया?

(ii). बुद्धिमान व्यक्ति की क्या विशेषताएँ होती हैं? बच्चे अपने विचार साझा करेंगे?

- शिक्षक बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर राजा, तेनालीराम और नाई के संवादों को अपनी–अपनी कॉपी में नोट करेंगे। फिर उसे पढ़कर सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- **शिक्षक पाठ के–** किसने किससे कहा पृष्ठ– 149 को बच्चों से पूछेंगे, तत्पश्चात् अपनी–अपनी कॉपी में लिखने को कहेंगे।

	किसने	किससे
(क) "शतरंज? क्या तेनालीरामन शतरंज के शौकीन हैं?"	.....	.....
(ख) "और यह है मेरा दाँव।"	.....	.....
(ग) "अरे, इतने महान आदमी का मुंडन!"	.....	.....
(घ) "हाँ महाराज, बड़े–बड़ों को मात दी है तेनाली ने।"	.....	.....
(ङ) "उठो, उठो! तुम्हें कोई दंड नहीं मिल रहा है।"	.....	.....

गृहकार्य – किसी एक बुद्धिमान या हाजिर जवाब पात्र (अकबर, बीरबल, मोटू या पतलू) पर 4–5 वाक्य लिखिए।

पाठ -12 शतरंज में मात (6/10)

लर्निंग आउटकम– H404, H407, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- संवाद लेखन कराना व पाठ आधारित अभिनय कराना।
- विशेषण से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT प्रयोग हेतु QR Code, ब्लैक / व्हाइट बोर्ड, चॉक / मार्कर मुखौटा, चित्र चार्ट / पोस्टर ,प्रिंट सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे ।
- पाठ के पहले दृश्य, दूसरे दृश्य एवं तीसरे दृश्य में क्या–क्या हुआ है बच्चों से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से "शतरंज में मात" पाठ पर तैयार किए गए रोल प्ले के संवाद को बोलने का अभ्यास करवाएँगे।
- बच्चों से अभिनय करवाएँगे।
- अभिनय के उपरांत अभिनय कैसा रहा इस पर बातचीत भी करेंगे।
- तेनालीरामन ने मुंडन से बचने के लिए क्या चाल चली? बच्चों को सोच कर लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पात्रों के अनुभवों के बारे में बताएँगे।

जैसे– राजा ने प्रसन्न होकर कहा क्या सुझाव है। बराबर का खिलाड़ी मिले तभी आनंद आता है।

इसी तरह भाषा की बात के भाव– 3 (पृष्ठ संख्या 150) के उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को समझाएँगे।

- शिक्षक कक्षा में बच्चों से एक शब्द बोलें आम फिर बच्चों को बताएँ, कि आम मीठा होता है। आम रसीला होता है। आम पीला होता है। मीठा, रसीला, पीला यह आम की विशेषता है। ऐसे ही तेलानीराम की क्या–क्या विशेषताएँ थीं बताइए। ऐसे ही अन्य उदाहरण लेकर शिक्षक विशेषण शब्द सिखाएँगे तत्पश्चात् **''भाषा की बात''** के प्रश्न 2 का कार्य बच्चों की पाठ्यपुस्तक में करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

भाषा की बात प्रश्न 3 पर शिक्षक बच्चों से निम्नलिखित मनोभावों को संवाद के रूप चर्चा करने के बाद लिखने के लिए कहेंगे।

प्रसन्न : मेरी खोई हुई पुस्तक मिल गई है !

चकित : .....

शांत : .....

दुखी : .....

गृहकार्य –

- शिक्षक बच्चों को अपने सबसे मन पसंद पात्र के संवाद को लिख कर लाने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से "शतरंज में मात" पाठ को अपने अभिभावक / दोस्तों को सुनाने के लिए कहेंगे।

पाठ -12 शतरंज में मात (7/10)

लर्निंग आउटकम– H405, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को समानार्थी, विलोम शब्दों से परिचित कराना, शब्द निर्माण व शब्द भण्डार विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT प्रयोग हेतु QR Code, ब्लैक / व्हाइट बोर्ड, चॉक / मार्कर, फ्लैश कार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक 2–3 शब्द के फ्लैश कार्ड दिखाकर शब्द के समान अर्थ वाले शब्द बच्चों से बताने के लिए कहेंगे। जैसे – आकाश – नभ, आसमान, अम्बर, गगन आदि।
- शिक्षक 2–3 शब्द के फ्लैश कार्ड दिखाकर शब्द के उल्टे अर्थ वाले शब्द बच्चों से बताने के लिए कहेंगे। जैसे – आकाश – पाताल, ऊपर – नीचे आदि।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक 3–4 शब्द बोलकर उनके समान अर्थ वाले शब्द बताने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से दिए गए शब्दों का मिलान उनके सामान अर्थ वाले शब्द से करने के लिए कहेंगे।

शब्द	अर्थ
प्रशंसा	हार
युक्ति	आमत्रंण
मात	कुशल
घाघ	बड़ाई
माहिर	चालाक
न्योता	उपाय

- बच्चे समूह में चर्चा करते हुए लिखेंगे, कुछ और शब्दों के भी विलोम लिखेंगे। लिखने के पश्चात् बारी–बारी से पढ़कर सुनाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को विलोम शब्द की परिभाषा बताते हुए परिचित करवाएँगे।
- भाषा की बात प्रश्न 1 पर शिक्षक बच्चों से सत्य, प्रशंसा, राजा, दिन एवं आरम्भ का विलोम शब्द लिखने के लिए कहेंगे।

शतरंज में मात (7/10)

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्न प्रश्न के माध्यम से बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।
- नीचे दी गई सूचना के आधार पर नए शब्दों का निर्माण कीजिए।
- **भाषा की बात** प्रश्न 4 पर चर्चा करेंगे।

आ				
आ				
आ		र		
आ		म		
आ		श		क

(क) किसी को आने के लिए कहना
(ख) जाना का विपरीत अर्थ वाला शब्द
(ग) किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना
(घ) किसी व्यक्ति या वस्तु का आना या पहुँचना
(ङ) जो बहुत जरूरी हो

लिखे गए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य – शिक्षक बच्चों को आग, मित्र का दो–दो समानार्थी शब्द एवं आसान व मूर्ख का विलोम शब्द लिख कर लाने के लिए कहेंगे।



पाठ -12 शतरंज में मात (8/10)

लर्निंग आउटकम– H414

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को वाक्यों में लगने वाले चिह्नों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा, ICT, QR Code, ब्लैक/व्हाइट बोर्ड, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- क्या तुम जानते हो कि वाक्य के अंत में कौन सा चिह्न लगाया जाता है?
- प्रश्न पूछते समय वाक्य के अंत में क्या चिह्न आता है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक का एक पैराग्राफ। पेज देकर बच्चों से समूह में अलग–अलग चिह्नों वाले वाक्य छाँटकर लिखने के लिए कहेंगे।
- बच्चे समूह में लिखेंगे, तत्पश्चात् बारी–बारी से पढ़कर सुनाएँगे।
- पाठ के आगे के प्रश्न संख्या 1 पर छोटे समूह में बच्चों से चर्चा करने करने के लिए कहेंगे।
- समूह में चर्चा करने के बाद बच्चों को लिखने के लिए कहेंगे।

जैसे–

घोड़े की चाल	ढ़ाई कदम!
हाथी की चाल	.....
मंत्री की चाल	.....
राजा की चाल	.....
प्यादे, सिपाही की चाल	.....

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

पूर्ण विराम कहाँ लगाया जाता है ? लिखने के लिए कहेंगे।

- निम्नलिखित वाक्यों में (! ? ।) उचित विराम चिह्नों लगाने के लिए कहेंगे ।

(i). क्षमा करें महाराज .....

(ii). रे, इतने महँ आदमी का मुंडन .....

(iii). राम पढ़ रहा है .....

(iv). हाँ भई तेनाली, खेल आरम्भ हो .....

गृहकार्य –शिक्षक बच्चों को पाँच वाक्य लिखकर उनमें उचित चिह्न लगाकर लाने के लिए कहेंगे।

आकलन प्रपत्र

शतरंज में मात (9/10)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- शतरंज के बोर्ड में कितने खाने होते हैं?
- एक खिलाड़ी के पास कितने मोहरे होते हैं? नाम सहित लिखिए।
- शतरंज की बिसात में घोड़ा कितने कदम चलता है?
- तेनाली रामन ने मुंडन से बचने के लिए क्या चाल चली?

2. किसने, किससे कहा?

	किसने	किससे
• 'उड़ गया न तुम्हारा प्यादा!'	.....	.....
• ''तेनाली जी दाँव जरा सोचकर चलिएगा!''	.....	.....
• ''यह क्या ? चतुराई है या मुर्खता?''	.....	.....
• ''अच्छा तमाशा बन रहा है मेरा।''	.....	.....

3. दिए गए शब्दों का अर्थ लिखकर और शब्दों का वाक्य बनाए –

शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
युक्ति		
तुच्छ		
कुशाग्र		
न्योता		

4. निम्न शब्दों के तीन–तीन प्रयार्यवाची शब्द लिखिए –

शब्द	पर्यायवाची शब्द		
हाथी			
घोड़ा			
राजा			

नोट– शिक्षक 10 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

पाठ -13 हमारा आदित्य (1/10)

लर्निंग आउटकम– H402

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को सूर्य के विभिन्न नामों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, बोर्ड चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे।
- आपको आसमान में क्या–क्या दिखाई देता है?
- इनमें से किन–किन से हमें प्रकाश मिलता है?
- हमें दिन में प्रकाश किससे मिलता है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर बातचीत करते हुए शुरुआत करेंगे।

(i). सुबह सूर्य के निकलने पर क्या–क्या होता है?

(ii). आदित्य नाम का अर्थ क्या होता है?

(iii). सूर्य को हम किन–किन नामों से जानते हैं?

- शिक्षक 4–5 बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँगे।
- समूह में बच्चे से चर्चा करेंगे कि सूर्य को हम किस–किस नाम से जानते हैं? सूर्य का चार पर्यायवाची क्या है? जैसे– भानु, दिवाकर, आदित्य, अरुण, मार्तण्ड, दिनकर, प्रभाकर, भाष्कर आदि।
- चर्चा के पश्चात बच्चों ने जो भी शब्द बोले हैं उन शब्दों से वाक्य बनवाकर बच्चों से लिखवाएँगे।
- समूह ने जो भी वाक्य लिखे हैं, उसे पढ़कर सही करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखे गए वाक्यों को पढ़वाकर सुनेंगे और उन्हें प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से सूर्य के बारे में 3–4 वाक्य लिखने को कहेंगे।
- लिखने के पश्चात शिक्षक बच्चों द्वारा एक दूसरे बच्चे की कॉपी की समीक्षा करवाएँगे।

गृहकार्य – उगते हुए सूर्य या दोपहर के सूर्य का चित्र घर से बनाकर रंग भर कर लाने को कहें।

पहेली

गोल–मटोल सा लगता हूँ
बिना पैरों का चलता हूँ
कभी घरती पर नहीं आता हूँ
आग का गोला लगता हूँ
बताओ मैं कौन हूँ?



पाठ -13 हमारा आदित्य (2/10)

लर्निंग आउटकम– H401. H402, H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को सूर्य की प्रकृति से अवगत कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक वीणा, पोस्टर, चित्र चार्ट, बोर्ड, चॉक/मार्कर, ICT, QR Code आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से सूर्य का चित्र दिखाकर चर्चा करेंगे।
- सूर्य बहुत गरम क्यों रहता है?
- सूर्य इतना गरम न रहे तो क्या होगा?
- क्या सूर्य का रंग भी बदलता है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से पाठ के नाम "हमारा आदित्य" पर अनुमान लगाने को कहेंगे। "हमारा आदित्य" पाठ में क्या हुआ होगा ?
- शिक्षक "हमारा आदित्य" पाठ का बड़े समूह में आदर्श वाचन करेंगे।
- आदर्श वाचन के बाद बच्चों से उस पाठ पर खुले व बंद छोर के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

(i). सूर्य क्या है ?

(ii). सूर्य मुख्य रूप से किन दो गैसों का गोला है ?

(iii). सूर्य अगर नहीं होता तो क्या होता ?

(iv). आदित्य–एल 1 द्वारा सूर्य के कितने रंगों का चित्र भेजा गया है ?

- शिक्षक बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से पाठ से कुछ प्रश्न पूछेंगे और बच्चों से उनके उत्तर लिखने के लिए कहेंगे। (शिक्षक स्वयं प्रश्नों का निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से सूर्य के बारे में फिर से एक बार चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को सूर्य के बारे में 5 से 6 वाक्य लिखने के लिए कहेंगे। लिखने के बाद स्वयं से पढ़ कर सही करवाने के पश्चात् शिक्षक बच्चों द्वारा एक दूसरे बच्चे की कॉपी की समीक्षा करवाएँगे।

गृहकार्य – शिक्षक बच्चों से आदित्य–एल 1 द्वारा भेजे गए सूर्य का चित्र बनाकर व उसमें रंग भरकर लाने को कहेंगे।

पाठ -13 हमारा आदित्य (3/10)

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को सौर मंडल से परिचित कराना।
- पाठ पर समझ विकसित करना।
- भाषाई कौशल विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– चित्र कार्ड / पोस्टर, ICT हेतु QR Code, पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- आकाश में क्या–क्या दिखाई देता है? शिक्षक बच्चों से चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को सौर मंडल विषय पर चर्चा करते हुए सौर मंडल से परिचित कराएँगे।
- थर्माकोल या पेपर या मिट्टी से ग्रह बनाकर बच्चों को सौर मंडल से परिचित कराएँगे। बच्चों को आकार व क्रम से भी परिचित कराएँगे।

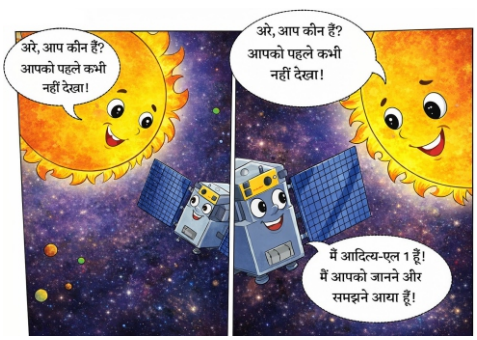
शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाकर "हमारा आदित्य" पाठ को पढ़ने का अभ्यास करवाएँगे।
- छोटे समूह में पढ़ने के बाद बच्चों से उस पाठ पर खुले व बंद छोर के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे। (प्रश्न 1 से 4)

(i) हमारे वैज्ञानिकों ने **आदित्य–एल 1** का निर्माण क्यों किया होगा?

(ii) **आदित्य–एल 1** मिशन का कार्य कौन–सी जानकारी जुटाना है?

(iii) यह अंतरिक्ष या अंतरिक्ष में कब भेजा गया था? आदि



- "हमारा आदित्य" पाठ में आए कठिन शब्दों को बच्चों से पढवाएँगे व कॉपी पर लिखवाएँगे।
- **आदित्य–एल 1** और सूर्य के बीच क्या बातचीत हुई होगी छोटे समूह में चर्चा कर अपनी–अपनी पाठ्यपुस्तक में लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से हमारे सौर मंडल में कितने ग्रह हैं उनके नाम लिखने को कहेंगे, तत्पश्चात बच्चों के लेखन की समीक्षा करेंगे।

गृहकार्य – घर के बड़ों की मदद से शिक्षक बच्चों को सौर मंडल का चित्र बनाकर एवं उनके नाम लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -13 हमारा आदित्य (4/10)

लर्निंग आउटकम– H405, H415

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को सूर्य और चंद्रमा से सम्बंधित त्योहारों से परिचित कराना।
- बच्चों को विलोम शब्दों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– चित्र कार्ड/पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, प्रिंट रिच सामग्री, बोर्ड,चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को छठ पूजा का चित्र दिखाकर चर्चा करेंगे।

जैसे–

(i) इस चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है?

(ii) अपने घर या आस–पड़ोस में आपने कभी किसी को ऐसा करते देखा है?

(iii) छठ पूजा में क्या–क्या होता है?

(iv) छठ पूजा में कौन–कौन सी सामग्री लगती है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर निम्नलिखित कार्य कराएँगे। सूर्य एवं चन्द्रमा को देख कर मनाये जाने वाले त्योहारों पर चर्चा कर उसका नाम व उनके बारे में 2–3 वाक्य लिखने के लिए कहेंगे। जैसे– छठ, ईद आदि।
- बच्चों को लिखने के पश्चात् शिक्षक समीक्षा करेंगे।
- शिक्षक **भाषा की बात** प्रश्न संख्या 5 (पेज न0 167) कराएँगे।

शब्द	विपरीत अर्थ	वाक्य प्रयोग
बहुत		
पुराना		
प्रकाश		
दूर		
बड़ा		

अं	पा	स	
ध		क	म
का	न	या	
र		छो	टा

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से आकाश, गरमी, आग, हानि, अच्छा आदि शब्दों के विलोम पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

गृहकार्य – सूर्य ग्रहण क्यों लगता है? इस अवसर पर कहाँ–कहाँ मेले लगते हैं? इस विषय में अभिभावकों और अन्य श्रोतों से जानकारी प्राप्त कर अपनी कॉपी में लिखिए व सहपाठियों से साझा कीजिए।

पाठ -13 हमारा आदित्य (5/10)

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए अंतरिक्ष अभियानों से परिचित कराना।
- संवाद लेखन से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक वीणा, मुखौटा, चित्र चार्ट/पोस्टर, प्रिंट सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- आपने कक्षा तीन की 'पाठ्यपुस्तक, वीणा भाग 1' में चंद्रयान के बारे पढ़ा है न! अपने सहपाठियों को चंद्रयान के बारे कुछ याद करके बताइए।
- चंद्रयान–3 की सफलता के बाद सूर्य का अध्ययन करने वाले यान आदित्य–एल 1 के विषय में आपने जो भी सुना, पढ़ा या देखा है, बताइए। (पाठ्यपुस्तक के पेज न0 160 पर बातचीत के लिए का प्रयोग करेंगे।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को बड़े समूह "हमारा आदित्य" पाठ को हाव–भाव के साथ सुनाएँगे।
- कक्षा के 2–3 बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहेंगे।
- बच्चों से "हमारा आदित्य" पाठ पर रोल प्ले की तैयारी करवाएँगे। कौन क्या बनेगा, क्या बोलेगा आदि।
- बच्चों से छोटे–छोटे समूह में पात्रों के संवाद लिखने के लिए कहेंगे।
- बच्चों द्वारा लिखे गए संवाद को पढ़ कर सुनाने के लिए कहेंगे।
- बच्चों को अपने–अपने संवाद की तैयारी करके आने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से **आदित्य–एल 1** व चन्द्रयान –3 अंतरिक्ष अभियानों से जुड़े कुछ प्रश्न पूछकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।

जैसे–

(I). हमारे वैज्ञानिको नें आदित्य एल–1 का निर्माण क्यों किया?

(ii). चाँद पर जाने के लिए किस यान का प्रयोग किया जाता है?

गृहकार्य –

- **आदित्य–एल 1** का चित्र बनवाएँगे और उसमें रंग भरकर लाने को कहेंगे।
- अपने द्वारा बनाये गए चित्र को दिखाते हुए **आदित्य–एल 1** के बारे में अपने घर वालों को बताकर आने के लिए कहेंगे।

पाठ -13 हमारा आदित्य (6/10)

लर्निंग आउटकम– H404, H405, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण से परिचित कराना।
- रोल–प्ले से परिचित कराना व अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक वीणा, मुखौटा, चित्र चार्ट / पोस्टर, प्रिंट सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बोर्ड पर उदाहरण देते हुए संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण शब्दों से बच्चों को परिचित कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से "हमारा आदित्य" पाठ पर तैयार किए गए रोलप्ले के संवाद को बोलने का अभ्यास करवाएँगे व रोलप्ले प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर छोटे–छोटे समूह में चर्चा करते हुए लिखने के लिए कहेंगे।

(I) सूर्य की गरमी से बचने के लिए किस तरह व्यवस्था करेंगे सोचकर लिखने को कहेंगे।

(ii) यदि आपको विद्यालय में **आदित्य–एल 1** के वैज्ञानिकों से मिलने का अवसर मिलता है तो आप उनसे कौन–से प्रश्न पूछना चाहेंगे? कोई चार प्रश्न लिखने के लिए कहेंगे। (पाठ्यपुस्तक के पेज न0 164 के प्रश्नों को बच्चों से उत्तर पुस्तिका पर लिखवाएँगे)।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों से शब्द–पिटारा में दिए गए शब्दों को नीचे दिए गए उनके सम्बंधित परिवार में लिखने को कहेंगे।

पाठ्यपुस्तक पेज न0 165 को शिक्षक कराएँगें।



गृहकार्य – आपके घर पर कौन–कौन मेहमान आते हैं? आप उनसे क्या–क्या बात करते हैं?

पाठ -13 हमारा आदित्य (7/10)

लर्निंग आउटकम– H405, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- उपसर्ग, प्रत्यय से परिचित कराना व शब्द निर्माण कराना।
- विराम चिह्नों से परिचित कराना व अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक वीणा, फ्लैश कार्ड, चित्र चार्ट/पोस्टर, प्रिंट सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से चर्चा करते हुए बोर्ड पर "स" उपसर्ग का प्रयोग करते हुए दो–तीन शब्द लिखेंगे। बच्चों से अलग–अलग उपसर्ग लगाकर शब्द बोलने के लिए कहें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों से छोटे–छोटे समूह में प्र, वि, अभि, सु उपसर्ग व ला,इक,दार प्रत्यय का प्रयोग करते हुए दो–दो शब्द बना कर लिखने एवं उसे पढ़ने के लिए कहेंगे।
- छोटे समूह में बनाए गए शब्दों से दो–दो वाक्य बनाकर लिखने एवं उसे पढ़ कर सही करने के लिए कहेंगे।
- निम्नलिखित वाक्यों में (, ! ? ।)उचित विराम चिह्न लगाने के लिए कहेंगे।

(i) यदि ऐसा है तो वहाँ आग किसने जलाई होगी .....

(ii) अध्यापक जी.....लगरांज 1 क्या होता है .....

(iii) अच्छा.....तभी तो इसका नाम आदित्य–एल 1 रखा गया.....

(iv) जी अध्यापक जी.....यह बहुत गरम है.....

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- प्रश्नों का उत्तर लिखने के लिए कहें।

(i). उपसर्ग एवं प्रत्यय लगे शब्दों से सम्बधित प्रश्न पूछकर बच्चों की समझ का आकलन करेंगे।

(ii). शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि किसी शब्द के अंत में 'हार' लगाकर नया शब्द बनाते हैं जैसे– पालन में हार अंत में लगाने पर नया शब्द बना पालनहार, होन में हार लगाने पर होनहार आदि। बच्चों से अलग–अलग प्रत्यय लगाकर शब्द बोलने के लिए कहें।

गृहकार्य –

- अति, उप उपसर्ग से दो–दो नए शब्द लिखकर लाने को कहेंगे।
- वान, ई प्रत्यय से दो–दो नए शब्द लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ -13 हमारा आदित्य (8/10)

लर्निंग आउटकम– H401, H415

शिक्षण उद्देश्य–

- स्त्रीलिंग व पुल्लिंग से परिचित कराना।
- पठन कौशल का विकास करना।
- शब्द निर्माण व शब्द भण्डार कौशल।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्र चार्ट, बोर्ड, चॉक/मार्कर, फ्लैश कार्ड, ICT, QR Code आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक "हमारा आदित्य" को बच्चों के शब्दों में सुनेंगे। पाठ में सबसे पहले क्या हुआ ? फिर क्या हुआ/मध्य में क्या हुआ? अंत में क्या हुआ ?
- दो टोकरी रखें–एक पर पुल्लिंग दूसरी पर स्त्रीलिंग लिखें।
- बच्चों को पर्चियाँ दें। उन्हें सही टोकरी में डालने के लिए कहें।
- स्त्रीलिंग व पुल्लिंग से गतिविधि के माध्यम से परिचित कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्त्रीलिंग व पुल्लिंग की परिभाषा उदाहरण के साथ बच्चों को बताएँगे।
- **भाषा की बात** के प्रश्न 4 पाठ में आया 'अध्यापक' शब्द पुल्लिंग है तथा 'नानी' शब्द स्त्रीलिंग है। इसके अतिरिक्त पाठ में आए अन्य पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग शब्दों को छोटे–छोटे समूह में बैठकर खोजने व लिखने के लिए कहेंगे।



- बच्चों को लिखने के बाद पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिखेंगे और बच्चों से दोहरवाएँगे एवं पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग स्वयं से लिखे गए शब्दों का मिलान करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को शिष्य, दादी, अध्यापक, शेरनी, मोर, बैल शब्द का लिंग बदलकर लिखने के लिए कहेंगे।
- लिखे गये शब्दों से वाक्य बना कर लिखने एवं उसे पढ़ कर सही करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य – भविष्य में जब आप वैज्ञानिक बनकर किसी ग्रह की यात्रा करेंगे तो आपका यान कैसा होगा? बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक के पाठ से सम्बन्धित **मेरी चित्रकारी** पेज पर यान का चित्र बनाकर रंग भरकर लाने को कहेंगे।

हमारा आदित्य (9/10)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने से हमें क्या–क्या लाभ होता है? बताओ।
- सूर्य को और किन–किन नामों से जाना जाता है? बताओ।
- सूर्य के बारे में खोजों और अध्ययन हेतु जो कार्यक्रम/मिशन अब तक हमारे देश में हुए हैं उसका नाम बताओ।
- बहुत तेज धूप से हमें क्या नुकसान है और उससे बचने के क्या उपाय है ?

2. उचित जगह पर निम्नलिखित विराम चिह्नों का प्रयोग कर वाक्य सही करें–



- यदि ऐसा है तो वहाँ आग किसने जलाई होगी.....
- अध्यापक जी.....लगरांज 1 क्या होता है.....
- अच्छा.....तभी इसका नाम आदित्य– एल 1 रखा गया है.....
- जी अध्यापक जी.....यह बहुत गरम है.....

3. नीचे लिखे अनुच्छेद में से पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर अलग करें ।

अध्यापक जी, मुझे सूर्य के बारे में और भी जानना है। मेरी नानी, और माँ ने बहुत सारी कहानियाँ सुनाई हैं। एक बार दीदी पुस्तकालय से एक पुस्तक लेकर आई थी जिसमें सूर्य के बारे में अद्‌भुत बातें लिखी थीं।

4. वैज्ञानिक, डाक्टर, किसान, अध्यापक इन सभी के मुख्य काम क्या होते हैं बताओ।

शिक्षक स्वयं भी आकलन प्रपत्र बना सकते हैं।

अनुच्छेद

सूरज निकल आया है।
चारों ओर उजाला फैला है।
अंधेरा मिट चुका है।
बच्चे स्कूल जा रहे हैं।

बहुत सुहाना मौसम है।
कोयल कुहू–कुहू कर रही है।
मीठा गीत गा रही है।
सभी को लुभा रही है।

नोट– शिक्षक 10/10 वें दिन की पुनरावृत्ति शिक्षण योजना आकलन के आधार पर स्वयं बनाकर शिक्षण कार्य करेंगे।

- **'हम सुमन एक उपवन के' पठन सामग्रियों का उपयोग शिक्षक 'हमारा आदित्य' पाठ के पश्चात आवश्यकता के अनुसार 1–2 दिवस तक पठन–अभ्यास के लिए करें। इस अवधि में विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण, प्रवाहपूर्ण एवं समझ के साथ पढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।**

कितना सीखा (4)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

- आप किन–किन अवसरों पर फोटो खिंचवाना पसंद करते हैं?
- आजकल विद्यालयों, बैंकों और घरों में कैमरों का प्रयोग होने लगा है। आपके अनुसार ऐसा क्यों हो रहा है?
- राजमहल में जब मदन ने अपनी कविता सुनाई तो सुनने वाले एक–दूसरे का मुँह क्यों ताकने लगे?
- लोककथा का सबसे रोचक हिस्सा कौन–सा है और क्यों?
- तेनालीराम ने मुंडन से बचने के लिए क्या चाल चली?
- घर में खेले जाने वाले खेलों में आपको सबसे अच्छा खेल कौन– सा लगता है? वह खेल कैसे खेला जाता है?
- हमारे वैज्ञानिक ने आदित्य– एल–1 का निर्माण क्यों किया?
- आदित्य– एल 1 में 'एल 1'क्या है और उसका क्या कार्य है?

2. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए।

कवीता, सिपाहीयों, घुमता, विचीत्र, राजधानि

3. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखिए–

(क). <u>जल्दी</u> आकर फोटो खिंचवाइए .....मत कीजिए।

(ख). <u>बड़े</u> भैया ने .....भाई को पुस्तक दी।

(ग). हमें किसी की <u>बुराई</u> न करके .....करनी चाहिए।

(घ) <u>शुत्र</u> को भी .....बना लेना महानता का गुण है।

4. उपर्युक्त शब्द का चयन कर वाक्य पूरा कीजिए–

सुरुर –सुरुर का .....है?

(क) पीयत (ख) खोजत (ग) पीबत (घ) चलत

.....का खोदत है?

(क) सरक–सरक (ख) हम जानत (ग) ताक–झाँक (घ) खुदुर–खुदुर

5. दिए गए शब्दों का मिलान उनके समान अर्थ वाले शब्दों से कीजिए–

शब्द	अर्थ
प्रसंशा	हार
युक्ति	आमन्त्रण
माला	कुशल
घाघ	बड़ाई
माहिर	चालाक
न्योता	उपाय

6. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए उनका वाक्य प्रयोग कीजिए।

(क) मन में लड्डू फूटना (ख) मुह ताकना (ग) कैमरे में कैद होना

7. यदि आप के विद्यालय में आदित्य– एल–1 के वैज्ञानिकों से मिलने का एक अवसर मिलता है तो आप उनसे कौन– से प्रश्न पूछना चाहेंगे? कोई चार प्रश्न लिखिए –

नोट – यह आकलन प्रपत्र मात्र एक उदाहरण है। शिक्षक अपने आवश्कतानुसार पाठ में दिए गए सम्बोधों के आधार पर आकलन प्रपत्र बनाकर बच्चों का आकलन करें।

परिशिष्ट

परिशिष्ट के प्रयोग हेतु निर्देश–

शिक्षक परिशिष्ट में दी गई सामग्री का उपयोग 'आओ बच्चों करें कमाल' तथा पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण में आवश्यकतानुसार करें। कहानी को स्पष्ट उच्चारण और उचित हाव–भाव के साथ बच्चों को पढ़कर सुनाएँ तथा उससे जुड़े प्रश्नों पर चर्चा करें, जिसमें सभी बच्चों को अपनी बात कहने का अवसर दें। चित्रों को ध्यानपूर्वक देखने के लिए प्रेरित करें, उन पर बातचीत करें और बच्चों को चित्र के आधार पर अपनी कहानी बनाने एवं सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों से पहेलियाँ पूछें, उन्हें सोचने के लिए पर्याप्त समय दें और स्वयं भी पहेलियाँ बनाकर साथियों से पूछने के लिए प्रेरित करें। बच्चों से अनुच्छेद पढ़वाकर पठन का अभ्यास कराएँ। 'आओ खेले खेल' के अंतर्गत दिए गए खेलों के नियम पहले सरल भाषा में समझाएँ और उन्हें बच्चों के स्तर एवं रुचि के अनुसार कराएँ। सभी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

कहानियाँ

1. दीपू जागा

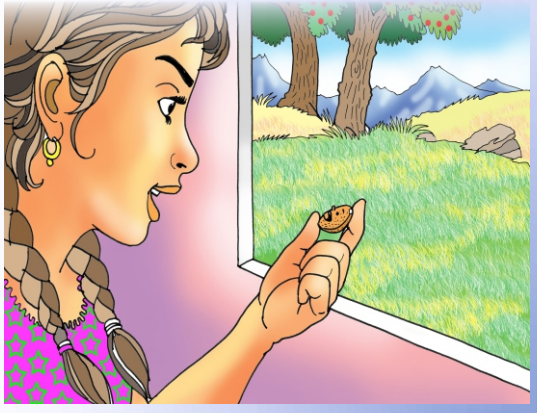
दीपू की नींद खुली। कमरे में कोई नहीं था। बाहर अँधेरा था। उसने घड़ी देखी। साढ़े सात बज रहे थे। वह जल्दी–जल्दी तैयार हो गया। बाहर जाकर उसने माँ से पूछा – माँ, देर हो गई! आपने जगाया क्यों नहीं?
माँ हँस पड़ी – बेटा, ये सुबह के नहीं, शाम के साढ़े सात बजे हैं! दीपू भी हँसने लगा।



चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता लेखन : प्रथम

2. मैं छोटा नहीं

हिना के पैर में कुछ चुभा। उसने देखा एक बीज था। हिना ने उसे हटाया और फेंकने लगी। तभी बीज बोला – मुझे मत फेंको, ज़मीन में दबा दो। हिना हैरान हुई। बीज बोला – मैं छोटा हूँ, लेकिन मेरे अंदर लंबी बेल, पत्ते और फल छिपे हैं। हिना ने उसे ज़मीन में दबा दिया। बीज बोला – अलविदा दोस्त! सूरज, हवा और पानी मेरी मदद करेंगे। मैं कुछ दिन अँधेरे में रहूँगा, फिर मिलूँगा। हिना ख़ुश हुई। अब वह बीज के उगने का इंतज़ार कर रही है।



चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता लेखन : मनोहर चमोली 'मनु'

3. काग़ज़ का टुकड़ा

अनु और मनु दोस्त थे। एक दिन दोनों में झगड़ा हो गया। वे एक–दूसरे से नाराज़ हो गए। अगले दिन दोनों स्कूल में मिले। अनु ने मनु को एक काग़ज़ का टुकड़ा दिया। मनु ने भी अनु को एक काग़ज़ का टुकड़ा दिया। फिर दोनों अपने–अपने घर चले गए। घर जाकर दोनों ने अपना–अपना काग़ज़ का टुकड़ा खोला। एक काग़ज़ पर लिखा था– माफ़ कर दो! दूसरे पर लिखा था– जाओ, माफ़ किया।

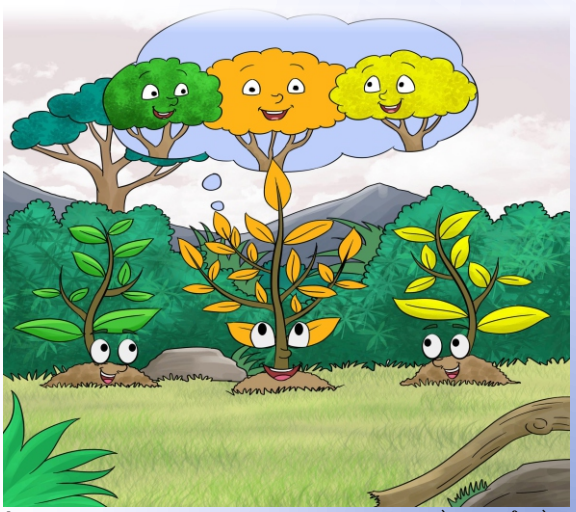


चित्रांकन : शुभाश्री

लेखन : चंचल शर्मा

4. दोस्ती

एक हरा पौधा था। एक पीला पौधा था। दोनों एक–दूसरे से थोड़े दूर–दूर थे। फिर भी वे आपस में मुस्कराते, झूमते और बारिश में नहाते। एक दिन उनके बीच में एक नारंगी पौधा उग आया। हरा पौधा उदास हो गया। उसे लगा कि अब पीला पौधा उसका दोस्त नहीं रहेगा। नारंगी पौधे ने वजह पूछी। हरे पौधे ने सब बता दिया। नारंगी पौधे ने समझाया – जब हम बड़े होंगे, हमारी टहनियाँ फैलेंगी तो हम और पास आ जाएँगे। हरे पौधे का मन हल्का हो गया। फिर से वह मुस्कराने लगा।



चित्रांकन : अमर सोनी

लेखन : जूबीन मेलर

5. बारिश और मस्ती

बादलों को देखकर बच्चे आम के बग़ीचे में पहुँचे। वे इंतज़ार करने लगे कि कब ज़ोरों की हवा चले? कब पके हुए आम नीचे टपकें? फिर उनको खाया जाए? तभी बारिश शुरू हो गई। धीरे–धीरे बारिश तेज़ हो गई। सारे बच्चे झूम–झूमकर नाचने और गाने लगे।

बच्चे बारिश में भीग रहे थे। उछल कूद रहे थे। पेड़ से आम भी टपक रहे थे, लेकिन किसी का ध्यान आमों पर नहीं था।



चित्रांकन : हबीब अली

लेखन : रंजना

6. मिट्टी का हाथी

राजू और सोनी आँगन में खेल रहे थे। सामने माँ और बापू मिट्टी के बरतन बना रहे थे। माँ ने दोनों के लिए मिट्टी का हाथी बनाया। बच्चे हाथी से खेलने लगे। खेलते–खेलते हाथी हाथ से गिरकर टूट गए। राजू और सोनी को बहुत बुरा लगा। रोते–रोते दोनों सो गए।



चित्रांकन : शुभम् लखेरा

लेखन : दीपक कुमार

वे सुबह उठे तो उनके सामने हाथी, घोड़ा और ऊँट थे। माँ ने बताया– ये सब तुम्हारे बाबा ने तुम्हारे लिए बनाए हैं। दोनों दौड़कर बाबा से लिपट गए।

7. बगुला और मछली

तालाब का पानी कम हो गया था। बगुला किनारे खड़ा था। उसकी नज़र मछलियों पर थी। वह सोच रहा था – अब तो शिकार आसान है!

मछलियाँ चालाक थीं। उन्होंने कहा – बगुले भाई, अगर तुम हमें खा लोगे, तो तुम्हारा साथी कौन बनेगा? क्यों न हम खेलें और बातें करें?



चित्रांकन : रोहित शुक्ल

लेखनः शिव दयाल

बगुला चुप हो गया। वह सोचने लगा– दोस्ती करना अच्छा है या किसी को खा जाना?

8.अलग–अलग खेल

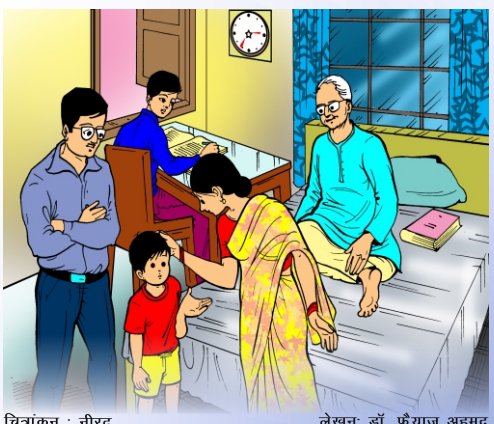
बाहर से आकर रोहन चुपचाप बैठ गया। वह किसी से बात नहीं कर रहा था। माँ पास आईं। सिर पर हाथ फेरा और बोलीं – क्या हुआ बेटा?

रोहन बोला – मैं सायमा के साथ नहीं खेलूँगा। हर बार मैं हार जाता हूँ।

पापा ने कहा – अगली बार दूसरा खेल खेलना।

भाई ने पूछा – तुम्हें कौन–सा खेल खेलना अच्छा लगता है?

दादाजी ने याद दिलाया – तुम तो कहानी बनाने वाला खेल अच्छा खेलते हो।



चित्रांकन : नीरद

लेखनः डॉ. फ़ैयाज अहमद

रोहन का चेहरा खिल उठा। वह दौड़कर सायमा को खोजने निकल गया।

9. प्याज़ का बदला

बहुत साल पहले की बात है। प्याज़ जंगल में मज़े से रहता था। आसपास के पौधे उसके दोस्त थे। पेड़, फूल और झरनों के पास रहना उसे अच्छा लगता था।

एक दिन कुछ लोग जंगल आए। उन लोगों ने प्याज़ के पौधे को काटकर मिट्टी से उखाड़ दिया। प्याज़ ने बहुत विनती की। मगर किसी ने उसकी बात नहीं सुनी।

उस दिन प्याज़ ने ठान लिया – जो भी अब उसे काटेगा, वो ज़रूर रोएगा।



चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

लेखन : शैलेन्द्र सिंह

तभी से जो प्याज़ को काटता है, उसकी आँखों में आँसू आने लगते हैं।

10. सूझबूझ

एक मछुआरा तालाब पर आया। तालाब में मछलियाँ उछल रही थीं।

मछुआरा बोला – अरे वाह! यहाँ तो ख़ूब सारी मछलियाँ हैं। कल जाल लाऊँगा।

सुनहरी मछली ने मछुआरे की बात सुन ली। उसने बाकी मछलियों को भी बताया। सभी घबरा गईं। सुनहरी मछली बोली – हम सभी पास की नदी में चले जाते हैं। सब दूसरे रास्ते से नदी में चली गईं।

अगले दिन मछुआरा जाल लेकर आया। उसे एक भी मछली नहीं मिली। वह हैरान रह गया कि सब मछलियाँ कहाँ गईं?

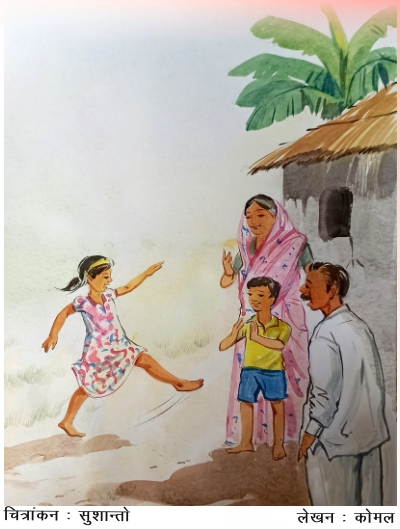


चित्रांकन : हबीब अली

लेखन : बाल्मिकी चौहान

11. फ़ुटबॉल

घर के पास बाज़ार लगा है। रेहाना ने अपने भाई राशिद से कहा, "भैया, कुछ लेकर आते हैं।" राशिद तैयार हो गया। दोनों दादी जी के पास पहुँचे। दादी जी ने उनसे पूछा, "क्या लाओगे तुम दोनों?"



चित्रांकन : सुशान्तो

लेखन : कोमल

राशिद बोला, मुझे मोटर कार पसंद है। मैं मोटर कार लूँगा। रेहाना को गुड़िया पसंद है तो इसके लिए गुड़िया ही लेंगे।" "तुम्हें कैसे पता कि मैं गुड़िया ही लूँगी?" रेहाना ने पूछा। "लड़कियाँ गुड़ियों से ही खेलती हैं।" राशिद बोला।

"मैं तो फ़ुटबॉल लूँगी।" यह कहते हुए रेहाना ने पाँव से हवा में किक लगाई और ऊपर देखा। दादी जी मुस्कराई। फिर उन्होंने दोनों को उनकी पसंद के सामान ख़रीदने के लिए पैसे दिए।

12. शहर में भालू

एक दिन घूमते–घूमते भालू शहर पहुँचा। उसने ऊँची इमारतें देखीं। रास्ते पर भीड़ देखा। गाड़ी, बस, साइकिल देखा। इमारतों के पास बच्चे खेल रहे थे। बच्चों ने उसे देखा और चिल्लाने लगे – भागो–भागो, भालू! सब डरकर भागने लगे। भालू हैरान हो गया – वह जहाँ जाता, लोग चीख़ते। अब भालू ख़ुद भी डर गया। वह छिपने की जगह ढूँढने लगा। सड़क पर भीड़ लग गई। वन विभाग की गाड़ी आ गई। भालू भागता रहा। आख़िर उसे जंगल का रास्ता मिल गया। जंगल पहुँचते ही उसकी आँखों में आँसू थे। उसको कुछ समझ में नहीं आया। भालू वापस जंगल पहुँचा। उसने अपने दोस्तों को पूरी कहानी बताई। जंगल के दोस्तों ने उसके आँसू पोंछे।



चित्रांकन : नीरद

लेखन : डॉ. साजिद खान

13. गमछा



पिताजी काम पर जा रहे थे। देर हो रही थी। पर गमछा नहीं मिल रहा था। मनु ने कहा – आज रुमाल से काम चला लीजिए। पिताजी मुस्कराए और बोले – बेटा, गमछा बहुत काम आता है – पसीना पोंछ लो, हवा कर लो, बिछाकर सो जाओ, सिर पर बाँध लो या पोटली बना लो। नहाने के बाद भी यह काम आता है।तभी उसका कुत्ता पीकू मुँह में गमछा दबाए दौड़ा आया। मनु हँसते हुए बोला – अपना कुत्ता पीकू भी बहुत काम आता है, पिताजी।





चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता



लेखन : संदीप बैनर्जी

14. मलाई

पतीले से मलाई गायब थी। दादी ने सबसे पूछा। किसी ने नहीं खाई। रोहित ने भी इनकार किया। दादी बिल्ली के पास गईं और बोली – म्याऊँ! बिल्ली दादी की तरफ़ ताकती रह गई।

घर के सब लोग सोने चले गए। रोहित के मुँह से चीख़ निकल आई। आज दूध में किसी ने लाल मिर्च मिला दिया था। रोहित की चीख़ सुनकर सब लोग भागकर रसोई में आ गए। बिल्ली भी दौड़ी–दौड़ी आई। इस बार बिल्ली ने दादी की तरफ़ देखा और बोली–म्याऊँ, म्याऊँ।



चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता

लेखन : चंचल शर्मा

15. टिंकू हिरण



जंगल में एक हिरण रहता था। एक दिन वह घास खा रहा था। तभी पास से सरसराहट सुनाई दी। हिरण के कान खड़े हुए। वह भाग खड़ा हुआ। पीछे मुड़कर देखा तो बाघ दौड़ कर आ रहा था। हिरण तेज़ भागने लगा। कभी दाएँ, कभी बाएँ भागता रहा। बाघ पकड़ नहीं पाया। बाघ ने सोचा – अगली बार हिरण बाएँ मुड़ेगा, वहीं दबोच लूँगा। लेकिन इस बार हिरण दाएँ मुड़ गया। घने जंगल में बाघ हिरण का पीछा ठीक से नहीं कर पाया। हिरण बच गया। अपने साथियों को उसने यह बात सुनाई। धीरे–धीरे सब हिरण चालाक बन गए।



चित्रांकन : पार्थो सेन गुप्ता लेखन : शिव कुमार

16. गाय और बछड़ा

गाँव में चार दोस्त थे। एक दिन रास्ते में उन्हें एक बछड़ा मिला। बछड़ा सफ़ेद था, उस पर काले धब्बे थे। बच्चों ने देखा और सब हँस पड़े।

किसी ने उसके कान सहलाए। किसी ने उसकी पीठ थपथपाई। बछड़ा भी मज़े से उछलने लगा।

अब खेल शुरू हो गया। कभी बच्चे भागते, कभी बछड़ा। कभी बच्चे छुपते, कभी बछड़ा ढूँढता।

गाँव का मैदान हँसी से भर गया। दोस्त और बछड़ा थककर घास पर बैठ गए। सभी हाँफ रहे थे, पर उनके चेहरों पर मुस्कान थी।

बच्चे बोले – क्या बछड़ा है!

और बछड़ा जैसे मुस्कुराकर बोला – क्या दोस्त हैं!



चित्रांकन : हबीब अली लेखन : डॉ फ़ैयाज़ अहमद

17. रंगीन फूल किसके हैं?

एक बग़ीचा था। वहाँ चिड़ियाँ चीं–चीं कर रही थीं। कुछ तितलियाँ बग़ीचे में आ गईं। वे फूलों पर मँडराने लगीं। तभी एक टिड्डा चिल्लाया, "ख़बरदार! इस बग़ीचे के सभी फूल मेरे हैं। चलो, भागो यहाँ से!"



चित्रांकन : अमर सोनी लेखन : अनिल भारती

तितलियाँ डर गईं। एक तितली हिम्मत जुटाकर बोली, "तुम्हारी तरह हमें भी रंगीन फूल पसंद हैं।"

"नहीं, यहाँ सिर्फ़ मैं खेल सकता हूँ।" टिड्डा कड़क आवाज़ में बोला।

तभी एक बड़ा भौंरा उड़ता हुआ आ गया। भौंरे को देखते ही टिड्डा घबरा गया। उसे भौंरे का ज़हरीला डंक दिखा! टिड्डा फ़ौरन वहाँ से भाग गया। सभी तितलियाँ फूलों के साथ खेलने लगीं।

18. जन्मदिन

एक बार की बात है। धरती ने चुपके से तितली के कान में कुछ कहा। तितली ख़ुशी से उछल पड़ी। तितली ने पंख फैलाए और पेड़ के कान में कुछ कहा। पेड़ मुस्कराने लगा।



चित्रांकन : हबीब अली लेखन : रंजना

फिर वह फूलों के पास गई और कुछ कहा। फूल भी मुस्कराने लगे। वह नदी के पास भी गई। नदी ख़ुशी से मुस्करा दी। इस तरह तितली ने सबको यह ख़बर पहुँचाई।

आज धरती का जन्मदिन है। पेड़ ने झूम–झूमकर धरती को जन्मदिन की बधाई दी। तितली रंग–बिरंगे पंख फैलाकर उड़ी और ख़ूब नाची। फूल धरती पर बरसने लगे। नदी ने लहरा–लहरा कर अठखेलियाँ की। सबने मिलकर धरती के लिए गाना गाया। धरती के लिए आज का दिन बहुत ख़ास था।

4

मिलकर पढ़िए

रानी भी

रमा और रानी दो बहनें हैं।
रानी हमेशा रमा के साथ रहती है।





रमा ने अपने बालों मे कंघी की।
रानी ने भी अपने बालों में कंघी की।



रमा ने चप्पल पहनी।
रानी ने भी चप्पल पहन ली।



रमा ने अपना बस्ता उठाया।
रानी ने भी एक झोला उठा लिया।



रमा स्कूल जाने लगी।
माँ ने रानी को स्कूल नहीं जाने दिया।
रानी अभी बहुत छोटी है।

माँ ने रानी को समझाया, "रानी बेटी, तुम अभी बहुत छोटी हो। थोड़ी-सी बड़ी हो जाओ, तब तुम भी स्कूल चली जाना।"

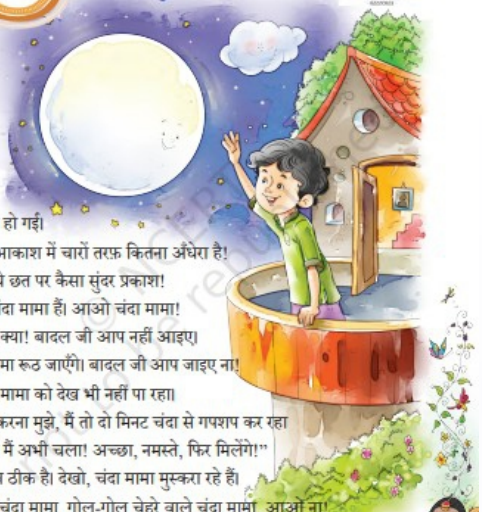
साभार – बस्ता क्रमिक पुस्तकमाला, एस.सी.ई.आर.टी.

Reprint 2025-26

23

मिलकर पढ़िए

चंदा मामा



लो रात हो गई।
देखो, आकाश में चारों तरफ़ कितना अँधेरा है!
अहा! ये छत पर कैसा सुंदर प्रकाश!
तो ये चंदा मामा हैं। आओ चंदा मामा!
अरे, ये क्या! बादल जी आप नहीं आइए।
चंदा मामा रूठ जाएँगे। बादल जी आप जाइए ना!
मैं चंदा मामा को देख भी नहीं पा रहा।
"माफ़ करना मुझे, मैं तो दो मिनट चंदा से गपशप कर रहा था। लो मैं अभी चला! अच्छा, नमस्ते, फिर मिलेंगे!"
हाँ, अब ठीक है। देखो, चंदा मामा मुस्करा रहे हैं।
आओ चंदा मामा, गोल-गोल चेहरे वाले चंदा मामा, आओ ना!

—आकिको हायाशी; हिंदी अनुवाद — मंजुला माथुर

Reprint 2025-26

14

मिलकर पढ़िए

बीज



मुझे एक बीज मिला।
मैंने उसको गमले में डाला।
मैंने उसे पानी दिया और बहुत सारी धूप।
क्या यह पेड़ है?
क्या यह झाड़ी है?
क्या इसमें फूल होंगे?
क्या इसमें फल होंगे?
क्या यह लम्बा ऊँचा होगा?
क्या यह छोटा ही रहेगा?
मुझे नहीं पता।
कोई फ़र्क नहीं पड़ता!

—दीपा बलसावर

खोजें-जानें

किसी पुराने बर्तन या गमले में काले चनों को बोएँ। कुछ ही दिनों बाद चनों से हरे-भरे, छोटे-छोटे डंठल और पत्ते उगने लगेंगे। देखें, उन्हें उगने में कितना समय लगता है और कितना पानी और धूप।

Reprint 2025-26



कविता





21

आनंदमयी कविता

हाथी साइकिल चला रहा था

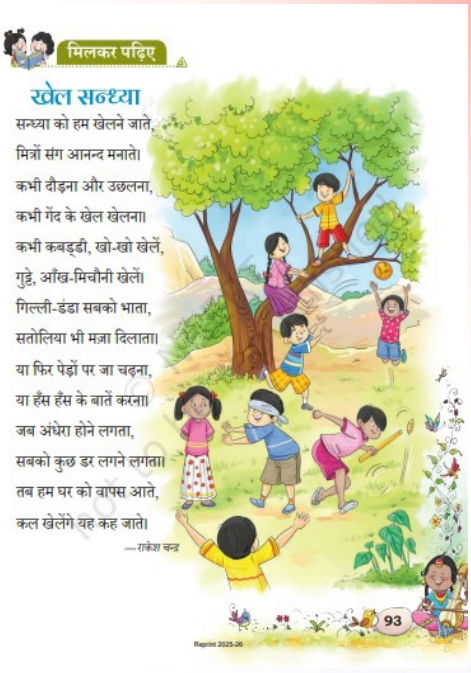
हाथी साइकिल चला रहा था,
पीछे चींटी बैठी थी,
झूम रहा था हवा में हाथी,
चींटी शान से ऐंठी थी।

तभी चढ़ाई सीधी आई,
लगे हाँफने हाथी दद्दा,
चरर-मरर-चूँ रुकी साइकिल,
लगा सरकने पीछे चक्का।

चींटी चट कूदी साइकिल से,
बोली-मत घबराना दद्दा,
आप पाँव पैडल पर मारो,
मैं हूँ न, देती हूँ धक्का!

—श्याम सुशील

© NCERT not to be republished



मिलकर पढ़िए

खेल सन्ध्या

सन्ध्या को हम खेलने जाते,
मित्रों संग आनन्द मनाते।
कभी दौड़ना और उछलना,
कभी गेंद के खेल खेलना।
कभी कबड्डी, खो-खो खेलें,
गुड्डे, आँख-मिचौनी खेलें।
गिल्ली-डंडा सबको भाता,
सतोलिया भी मज़ा दिलाता।
या फिर पेड़ों पर जा चढ़ना,
या हँस हँस के बातें करना।
जब अंधेरा होने लगता,
सबको कुछ डर लगने लगता।
तब हम घर को वापस आते,
कल खेलेंगे यह कह जाते।

—राकेश चन्द्र



4

आनंदमयी कविता

बया हमारी चिड़िया रानी!

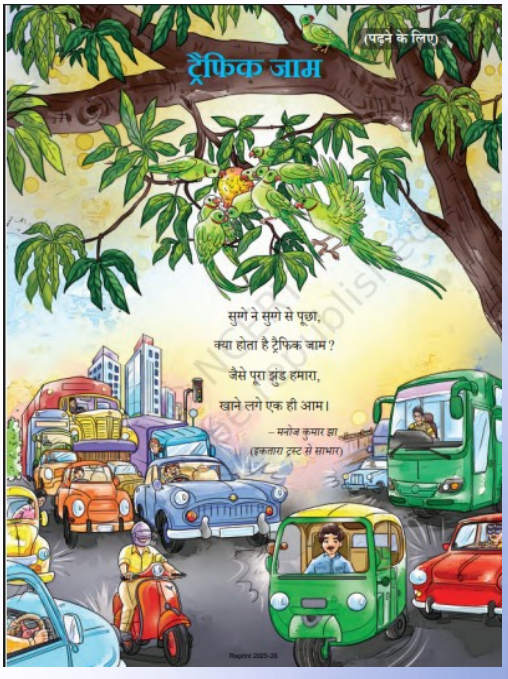
बया हमारी चिड़िया रानी!
तिनके लाकर महल बनाती,
ऊँची डाली पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती,
नदियों से भर लाती पानी।

तुझको दूर न जाने देंगे,
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज में भर देंगे हम,
मीठा-मीठा ठंडा पानी।

फिर अंडे सेवेगी तू जब,
निकलेंगे नन्हे बच्चे तब,
हम आकर बारी-बारी से,
कर लेंगे उनकी निगरानी।

फिर जब उनके पर निकलेंगे,
उड़ जाएँगे बया बनेंगे,
हम तब तेरे पास रहेंगे,
तू मत रोना चिड़िया रानी।

– महादेवी वर्मा



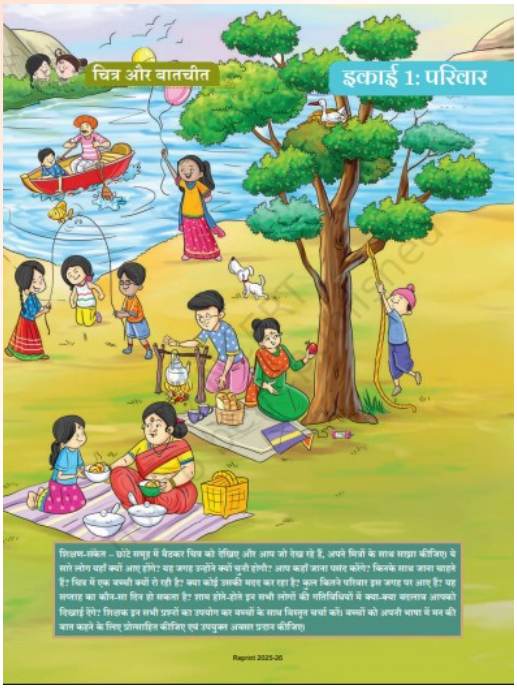
(पढ़ने के लिए)

ट्रैफिक जाम

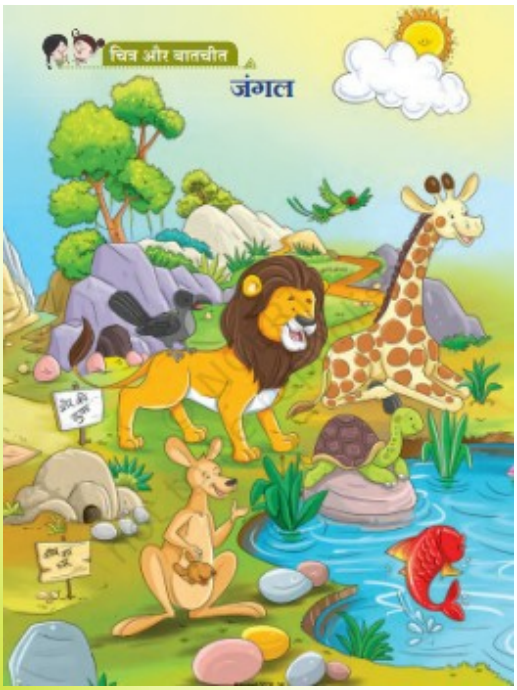
सुग्गे ने सुग्गे से पूछा,
क्या होता है ट्रैफिक जाम?
जैसे पूरा झुंड हमारा,
खाने लगे एक ही आम।

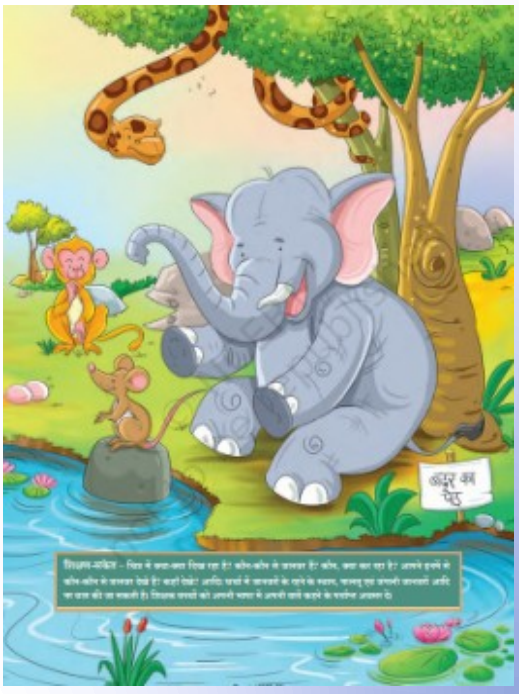
– मनोज कुमार झा
(इकतारा ट्रस्ट से साभार)

पोस्टर


चित्र और बातचीत
इकाई 1: परिवार
शिक्षण-संकेत – छोटे समूह में बैठकर चित्र को देखिए और आप जो देख रहे हैं, अपने मित्रों के साथ साझा कीजिए। ये सारे लोग यहाँ क्यों आए होंगे? यह जगह उन्होंने क्यों चुनी होगी? आप कहाँ जाना पसंद करेंगे? किनके साथ जाना चाहते हैं? चित्र में एक बच्ची क्यों रो रही है? क्या कोई उसकी मदद कर रहा है? कुल कितने परिवार इस जगह पर आए हैं? यह सप्ताह का कौन-सा दिन हो सकता है? साथ होने-होने इन सभी लोगों की गतिविधियों में क्या-क्या बदलाव आपको दिखाई देंगे? शिक्षक इन सभी प्रश्नों का उपयोग कर बच्चों के साथ विस्तृत चर्चा करें। बच्चों को अपनी भाषा में मन की बात कहने के लिए प्रोत्साहित कीजिए एवं उपयुक्त अवसर प्रदान कीजिए।
Reprint 2025-26


होली


चित्र और बातचीत
जंगल


शिक्षण-संकेत – चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? कौन-कौन से जानवर हैं? कौन, क्या कर रहा है? आपने इनमें से कौन-कौन से जानवर देखे हैं? कहाँ देखे? अगर घर में जानवरों के खाने के सामान, खासतौर पर अपनी जानकारी अनुसार क्या खाते हैं उस सामग्री हैं। शिक्षक बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के पर्याप्त अवसर दें।

पहेलियाँ

1

काली भूरी नीली है,
लाल गुलाबी पीली है,
बरखा से यही बचाती है,
धूप नहीं आ पाती है।
रहती है सिर के ऊपर,
फैली रहती है तन कर,
सुंदर सी है, जानो तुम,
अपने सिर पर तानो तुम।



2

ऊपर देखो उड़ जा रहा,
मुड़ा जा रहा अब ये,
लेकिन वापस भी आएगा,
मगर न जानें कब ये।
आसमान में उड़ जाता है,
डैने कितने भारी,
क्या चिड़िया है,
अरे नहीं, यह काफी बड़ी सवारी।

श्रीप्रसाद

3

बिना पंख ही उड़ जाती,
आकाश में डोरा।
बचे तो ऊपर चढ़ जाती,
ले हाथ में छोरा।

4

तोते का प्यारा खाना है,
लेकिन मेरी सी–सी है,
इसका उत्तर दे सकते हो,
यह तो बात जरा–सी है।

पहेलियाँ

5

चार पाँव पर चल न पाऊँ,
बिना हिलाए हिल न पाऊँ।
फिर भी सबको दूँ आराम,
झटपट बोलो मेरा नाम।

जयप्रकाश भारती, एन.सी.ई.आर.टी.

6

चलती ही रहती है हरदम,
दिन हो, चाहे रात,
टिक–टिक–टिक बोला करती,
कहती है कुछ बात।

श्रीप्रसाद

7

एक थाल मोती से भरा,
सिर के ऊपर औंधा धरा।
जैसे–जैसे थाल फिरे,
मोती उससे एक न गिरे।

अनुच्छेद

माँ ने सोनू को बुलाया।
सोनू दौड़कर आया।
उसने साबुन से हाथ धोए।
फिर मज़े से खाना खाया।

बहुत सुहाना मौसम है।
कोयल कुहू–कुहू कर रही है।
मीठा गीत गा रही है।
सभी को लुभा रही है।

फ़िज़ा बाहर बैठी थी।
तभी आँगन में पतंग गिरी।
पतंग देखकर वह उछली।
फिर पतंग उड़ाने लगी।

रमन लाया रबड़ी।
अमर लाया अचार।
पूनम कचौड़ी लाई।
सबने मिल कर खाई।

रिमी ने काग़ज़ लिया।
उससे एक पतंग बनाई।
उस पतंग पर रंग किया।
उस पर अपना नाम लिखा।

रोज़ी ने साइकिल ख़रीदी।
वह लाल रंग की है।
उसमें एक घंटी है।
घंटी टन–टन बजती है।

अनुच्छेद

आज पुलाव बन रहा है।
उसमें काजू भी डाले हैं।
ख़ुशबू घर में फैली है।
पुलाव चटनी के साथ खाएँगे।

आँगन में एक बिल्ली है।
उसकी लंबी मूँछें हैं।
चुपके से दूध पी जाती है।
उसे देखकर चूहे भागते हैं।

चादर पर दाल गिर गई।
चादर उदास हो गई।
पापा ने उसे धो दिया।
चादर ख़ुशी से चमक गई।

मीरा का घर पहाड़ पर है।
यह लकड़ी का बना है।
घर के चारों ओर पेड़ है।
घर बहुत सुन्दर है।

सड़क पर बस रुकी।
बस का रंग सफ़ेद था।
लोग उसमें चढ़ रहे थे।
सीटी बजी बस चल पड़ी।

सूरज निकल आया है।
चारों ओर उजाला फैला है।
अंधेरा मिट चुका है।
बच्चे स्कूल जा रहे हैं।

आओ खेले खेल

अलग–अलग आवाज़ों से चीज़ों के नाम

कुछ पर्चियाँ बनाएँ। उन पर अलग–अलग आवाज़ें लिखें। सभी पर्चियों को ज़मीन पर रख दें। सभी बच्चों को एक–एक पर्ची उठाने के लिए कहें। जिस बच्चे के हाथ में जिस आवाज़ की पर्ची आए, उस आवाज़ से शुरू होने वाली पाँच चीज़ों के नाम बताने के लिए कहें।



बच्चों से नाम ज़मीन या कॉपी पर लिखने के लिए कहें।

आवाज़ों की अंताक्षरी

बच्चों को दो समूह में बैठाएँ। कोई भी एक शब्द बोलिए, जैसे – चीनी। अब एक समूह से चीनी शब्द की आख़िरी आवाज़ से यानी 'नी' से कोई शब्द बताने के लिए कहें, जैसेः– 'नी' से 'नीला' या 'नीर' आदि। अब पहला समूह फिर से 'ला' या र से कोई नया शब्द बताए, जैसेः– 'ला' से लालटेन या 'र' से 'रेल' आदि। इस प्रकार खेल को आगे बढ़ाएँ।



अक्षर काटिए विजेता बनिए

बच्चों को दो समूह में बैठाएँ। अब बच्चों को उनकी पसंद के कोई भी 10–12 अक्षर कॉपी में लिखने के लिए कहें। अब आप सभी अक्षरों में से कुछ अक्षर बोलिए। आपके द्वारा बोले गए अक्षर को जिस समूह ने लिखा है वह उस अक्षर को काटते जाएँ। जो समूह सबसे पहले अक्षर काटेगा वह समूह विजेता होगा।



अंत–अनंत

इस खेल को अक्षरों की संख्या के आधार पर कराएँ। हरेक दिन अक्षरों की अलग–अलग संख्या बोलकर बच्चों को उनसे शब्द बनाने के लिए कहें, जैसे– किसी दिन बोलें आज कोई भी दो अक्षरों वाले शब्द बनाएँ। अन्य दिनों में तीन, चार आदि अक्षरों वाले शब्द बनाने के लिए कहें।

दो अक्षर वाले शब्द, जैसे– रोटी, काला, पेट, जग, लोटा इत्यादि।

तीन अक्षर वाले शब्द, जैसे–कमल, पहाड़, दैनिक, रोज़ाना इत्यादि।

शब्द ब्लैकबोर्ड पर लिखते जाएँ और बाद में बच्चों से उनका वर्गीकरण भी कराएँ।

गाओ और घुमाओ

इस खेल के लिए एक रुमाल, दुपट्टा या चॉक कोई भी ऐसी चीज़ लें, जो बच्चे एक–दूसरे को आसानी से दे सकें। बच्चों को घेरे में खड़े होने को कहें। आप उनकी तरफ़ पीठ करके ताली बजाना शुरू करें। ताली के साथ ही बच्चे भी रुमाल को एक हाथ से दूसरे बच्चे के हाथ में देते जाएँगे। आप जैसे ही ताली बजाना रोक देंगे, उस समय जिस बच्चे के हाथ में रुमाल होगा, उसे कोई गीत, कविता या चुटकुला सुनाना होगा।



सोचिए और बोलिए

हर बच्चे को किसी विषय पर बोलने के लिए अलग–अलग परिचित विषय दें। बच्चे अपना विषय भी सोच सकते हैं। बच्चों को 2–3 मिनट उस विषय पर सोचने को कहें। फिर एक मिनट उस विषय पर बोलने के लिए प्रेरित करें।



एक मिनट तक बोलिए

बच्चों को दस मिनट के लिए कक्षा से बाहर मैदान में टहलने के लिए कहें। टहलते समय बच्चे आसपास दिखने वाली चीज़ों को बहुत ग़ौर से देखें, जैसेः– पेड़, घास, आकाश, खेत, लकड़ी, पत्ता, घर और गाड़ी आदि।

बच्चों ने जो देखा है उनमें से किसी एक चीज़ के बारे में गहराई से सोचने के लिए कहें; आपने क्या देखा? कैसा था? अच्छा या बुरा था तो क्यों? अगर वह न हो तो क्या होगा या उस वस्तु पर कोई कहानी बन सकती है, तो वह क्या होगी? आदि। अब हर एक बच्चे को एक मिनट का समय दें और उसकी मनपसंद देखी चीज़ पर बोलने का मौक़ा दें।





मेरा साथी कौन?

अलग–अलग अक्षर कार्ड के दो सेट बनाएँ। दोनों सेट को मिलाकर एक जगह पर उलट कर रख दें। सभी बच्चों को एक–एक कार्ड उठाकर घूमते हुए यह गाना गाने के लिए कहें।

कभी दाएँ को जाएँ, कभी बाएँ को आएँ

कभी आगे को जाएँ, कभी पीछे को आएँ

मगर ये भूल न जाएँ

कौन है आगे–पीछे, कौन है दाएँ बाएँ?

इस गीत के पूरा होने पर सभी रुक जाएँगे और अपना साथी ढूँढकर लाएँगे। बच्चे एक–दूसरे को अपने अक्षर कार्ड दिखाएँ और पूछें, 'मेरा साथी कौन है?'



जिन दो बच्चों के पास एक जैसे अक्षर होंगे, वह जोड़ी बनाकर बोलिएगे, मेरा साथी मिल गया। फिर वे बताएँ कि मेरे और मेरे साथी के पास एक जैसे अक्षर हैं, जैसेः– 'क' 'क' या 'प' 'प'

एक से अनेक

बच्चों को कोई एक अक्षर दें। उनसे कहें कि इस अक्षर से शुरू होने वाले जितने शब्द बोल सकते हैं बताएँ, जैसे – एक बच्चे के पास अक्षर आया 'क'। वह बोले – कानपुर, कान, कान्ता, कुन्ती, कप, कविता। हर बार बच्चों को बारी–बारी से अलग अक्षर दें। इसके बाद इन शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं और बच्चे उन्हें सामूहिक रूप से पढ़ सकते हैं। है ना यह शब्दकोश तैयार करने का अनोखा तरीक़ा!



बारी–बारी बढ़ी कहानी

बच्चों को मिलकर एक मज़ेदार कहानी बनाने को कहें। हर वाक्य पहले वाक्य से किसी न किसी तरह जुड़ा हो। अब कहानी को आगे बढ़ाएँ। पहले बोलकर, फिर लिखकर कहानी बनाएँ। लिखने के साथ–साथ कुछ बच्चे उस कहानी के लिए चित्र और शीर्षक भी सोच सकते हैं। जब कहानी बनाने का अभ्यास हो जाए तो बच्चों के साथ लिखने से पहले कहानी के विषय पर चर्चा ज़रूर करें।



आओ खेले खेल

शब्द बनाइए

ज़मीन पर एक बड़ा–सा गोला बनाएँ। इस गोले के अंदर छोटे–छोटे दो गोले और बनाएँ। इन गोलों में अलग–अलग आवाज़ें लिखें, जैसे – ची, नू, को, पा आदि।

अब बारी–बारी बच्चों को बुलाएँ और गोले में कंकड़ डालने के लिए कहें। जिस गोले में कंकड़ गिरे उसमें जो आवाज़ें लिखी हैं, बच्चों को उन आवाज़ों से 5 शब्द बताने के लिए कहें। उदाहरण के लिए किसी बच्चे ने कंकड़ फेंका और वह 'ची' के गोले में, अब वह बच्चा शब्द बताए – चील, चीता, चीनी, चीकू और चींटी आदि।



वाह! वाह! वाक्य

एक सरल वाक्य से शुरू करें। – "यह लड़का है।" अगला बच्चा इस वाक्य को कुछ लंबा और बेहतर बनाते हुए कह सकता है, "यह अच्छा लड़का है।" उसके बाद का बच्चा वाक्य में नया शब्द जोड़ता जाएगा ... जैसे "यह अच्छा लड़का है और हँस रहा है।" उसके बाद : "यह अच्छा लड़का है और हँस रहा है क्योंकि कक्षा में मज़ेदार बातें हो रही हैं।" यह खेल उस वक़्त तक आगे बढ़ाएँ, जब तक वाक्य को बढ़ाया जा सक, लेकिन कुछ समय बाद आप देखेंगे कि उस वाक्य को एक सीमा के बाद और बढ़ाया नहीं किया जा सकता। तब दोबारा एक नए वाक्य से शुरूआत करें। इससे कहानी बनाने की क्रिया भी कर सकते हैं।



अक्षर कूद

ज़मीन पर कुछ ख़ाने बनाकर उनमें अलग–अलग अक्षर लिख दें। एक–एक करके बच्चों का नाम बोलिए । आप कोई एक अक्षर बोलिए। घेरे में खड़े बच्चे को बारी–बारी से उस अक्षर पर कूदने को कहें।



खुल जा सिमसिम

कुछ कार्ड बनाएँ। प्रत्येक कार्ड पर एक अक्षर लिखें। सभी कार्ड को एक थाली में रखें। अब बच्चों के दो समूह बनाएँ। हर समूह को चार–चार कार्ड लेने को कहें। उन्होंने जो कार्ड उठाए हैं, उनसे शब्द बनाने को कहें। जो समूह जल्दी से ज़्यादा से ज़्यादा शब्द बनाएगा वह जीत जाएगा। खेलते जाइए और शब्द बनाते जाइए।



मेरा नाम बताएँ?

अपने मन से कोई शब्द चुनें। आपने जितने अक्षर का शब्द चुना है, उतनी छोटी लाइन दाएँ से बाएँ ज़मीन या ब्लैकबोर्ड पर खींच दें। चुने हुए शब्द के हिसाब से अक्षर न लिखकर केवल मात्राएँ लिख दें। शब्द में जितने अक्षर हैं, उनसे दोगुने मौक़े बच्चों को दें।

बच्चों को बताएँ, मैंने एक शब्द चुना है जिसकी सिर्फ़ मात्राएँ यहाँ लगाई गई हैं। आपको देखकर, सोच–समझकर यह बताना है कि यह शब्द क्या हो सकता है? यह शब्द किसी जानवर, पक्षी, खाने की चीज़, मिठाई आदि का नाम हो सकता है।

बच्चों को अक्षर बताने के लिए कहें। वे अपने अंदाज़े से अक्षर बोल सकते हैं। अगर अक्षर सही हो तो ख़ाने में लिखें और ग़लत होने पर उसे अलग से लिखें। याद रहे हर एक ग़लत अक्षर बोलने पर आपका दिया गया मौक़ा कम होता जाएगा।

जैसे ही कुछ अक्षर सही होंगे बच्चे ख़ुद अंदाज़ा लगाकर पूरा शब्द बता सकते हैं। जो बच्चे सही शब्द बताएँ, उसे ब्लैकबोर्ड, कॉपी या ज़मीन पर लिखने के लिए कहें।



नाम, वस्तु और स्थान

सभी बच्चों को अपनी कॉपी में पाँच खड़ी लाइन खींचने के लिए कहें। इस प्रकार एक पन्ने पर पाँच कॉलम बन जाएँगे। पहले कॉलम में वर्ण, दूसरे में नाम, तीसरे में वस्तु, चौथे में स्थान और पाँचवें में कुल नंबर लिखने को कहें। बच्चों को कोई एक अक्षर दें।

उस अक्षर से किसी व्यक्ति, वस्तु या किसी जगह का नाम लिखने को कहें, जैसे – 'प' से पूनम (नाम), पत्थर (वस्तु), पहलगाम (जगह)।

जो बच्चे सबसे पहले लिख लेंगे वह स्टॉप बोलिएगे तब सब बच्चे रुक जाएँगे और जितने सही शब्द लिखे गए हैं, उतने कुल नंबर, नंबर वाले कॉलम में लिख देंगे। हर कॉलम के लिए 10 नंबर होंगे। अंत में जिसके कुल नंबर सबसे ज़्यादा होंगे, वह बच्चा विजेता होगा।

वर्ण	नाम	वस्तु	स्थान	नंबर
प	पूनम	पत्थर	पहलगाम	30
म				
ज				
ल				



अक्षर उलटकर शब्द बनाइए

(वीणा–1, कक्षा–3 के पृष्ठ संख्या–12)

नदी – दीन

बस.....

खीरा.....

नीरा.....

दवा.....

रीना.....

मैने लाल–लाल टमाटर देखें।

.....

.....

.....

इसी तरह शिक्षक बच्चों से अन्य शब्द पूछकर ढूँढ़वाकर वाक्य प्रयोग करवाएँ।

आओ खेले खेल

चरखा चलता जाए

कुछ पर्चियाँ बना लें और उन पर अलग–अलग अक्षर लिखकर एक कटोरे में डाल लें। उसे गोले के बीचों–बीच रख दें। फिर काग़ज़ की एक बड़ी–सी गेंद बना लें। सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठा दें। फिर यह गाना गाएँ।

चरखा मेरा चलता जाए, चर–चर–चर करता जाए
भाई! चरखा मेरा चलता जाए, जब चरखा रुक जाए
सबको काम बताए, चरखा मेरा चलता जाए



गाने के साथ गेंद को भी घेरे में बैठे बच्चों के हाथ में बढ़ाते जाएँ। गाना जब रुक जाए, तो जिसके पास गेंद हो, वह बच्चा एक पर्ची उठाए। उस पर लिखे अक्षर को पहचान कर उस अक्षर से शुरू होने वाले **पाँच शब्द** बताने के लिए कहें। इस प्रकार खेल आगे बढ़ता जाएगा।

हाथ में कार्ड

बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ। उनके हाथ में अलग–अलग अक्षर के कार्ड दें। अब वे अपने कार्ड को सामने दिखाएँ। फिर किसी भी बच्चे का नाम लेकर पूछें – रज़ा के दाईं तरफ़ बैठे बच्चे के पास कौन–सा अक्षर कार्ड है? या मीना और अकुल के बीच वाला बच्चा अपना अक्षर बताए। साथ ही, उस अक्षर से शुरू होने वाला कोई शब्द भी बताए। बच्चे को ध्यान देना होगा कि कौन कहाँ बैठा है? इस प्रकार इस खेल को बच्चों के साथ खेलें।



बिन्दु बढ़ाओ अक्षर बनाओ।

(सारंगी–1, कक्षा–1 के पृष्ठ संख्या–5)

दादा
दादी

अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाइए

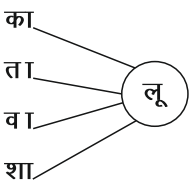
(सारंगी–1, कक्षा–1 के पृष्ठ संख्या–52)

घ	ड़ा	हा	ता
दी	ला	थी	ली
मि	ठा	ई	दी
गा	ड़ी	धा	ना

....
....
....
....

भालू शब्द में भा और लू अवाजे हैं। यदि भा की जगह का, ता, वा, शा जोड़े तो क्या शब्द बनेगा ?

(सारंगी–1, कक्षा–1 के पृष्ठ संख्या–59)



कालू
.....
.....
.....

शब्दों का खेल

त, घ, ड की ध्वनि वाले शब्दों को पहचानिए और लिखिए –

घोड़ा, ताला, पेड़, डाल, दाल, तोता, घर, धागा, सड़क

आओ खेले खेल

वार्मअप कविता
(सारंगी–1, कक्षा–1 के पृष्ठ संख्या–63)

एक थे भाई खट,
एक थे भाई पट।
पाई एक मटर,
दोनो दौड़े झट।
आधी खाए खट,
आधी खाए पट।
वो देखो खट पट,
सोए हैं सट सट।

नीचे दी गयी शब्द पहेली में रंगा के नाम पर घेरा बनाइए।
(सारंगी–2, कक्षा–2 के पृष्ठ संख्या–45)

दा	ता	नी	सा	ह	ती	स
ची	गु	ला	बी	त	फे	स
ना	छ	का	त	द	द	ला
रं	पाँ	च	रा	गु	पी	ल
गी	स	ह	द	ला	ए	पी
तु	ना	ती	न	नी	का	पा

शब्दो का खेल
(सारंगी–2, कक्षा–2 के पृष्ठ संख्या–69)

शब्दो से वाक्य बनाइए –

जुताई_____ निराई _____

बुवाई _____ कटाई _____

शब्दो अन्त्याक्षरी

शब्दो से वाक्य बनाइए –

खेल	लड्डू	डफली	.....	.....
पानी	नीला	.....	.....	.....
मोहित	तराजू	.....	.....	.....

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से पाँच से छः वाक्य लिखिए
(सारंगी–2, कक्षा–2 के पृष्ठ संख्या–121)

बारिश, झम–झम, छाता, मित्र, सहायता, दोपहर, घर, स्कूल, छुट्टी

मैं स्कूल से घर आ रही थी/ रहा था।

.....
.....
.....
.....
.....

पहेली (सारंगी–2, कक्षा–2 के पृष्ठ संख्या–121)

तोते का प्यारा खाना है,
लेकिन मेरी सी–सी है,
इसका उत्तर दे सकते हो,
यह तो बात ज़रा–सी है।

चलती ही रहती है हरदम,
दिन हो, चाहे रात,
टिक–टिक–टिक बोला करती,
कहती है कुछ बात।

शब्दों की तुकबंदी
(वीणा–1, कक्षा–3 के पृष्ठ संख्या–12)

दाना – गाना धूप.....

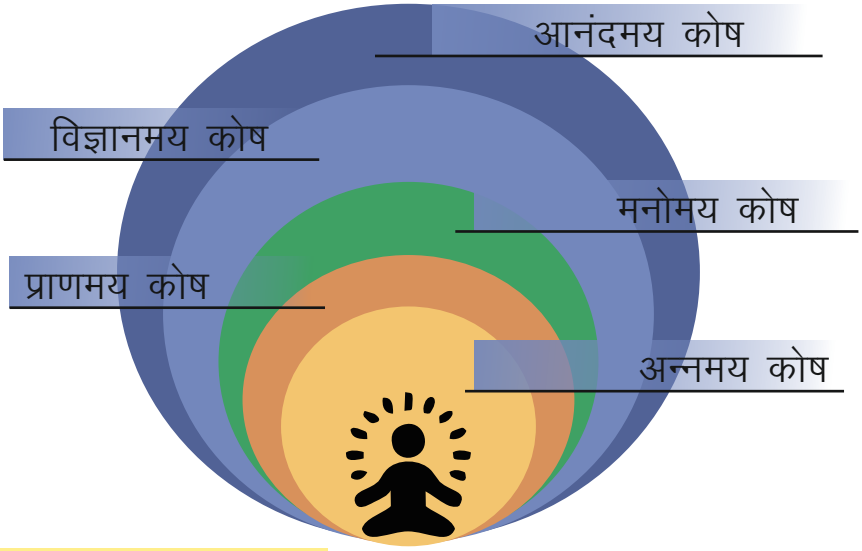
कड़ी..... राग.....

चींटी..... पानी.....

दोहरे शब्दों से वाक्य प्रयोग।

लाल–लाल, पीला–पीला, अच्छा–अच्छा, मोटा–मोटा, छोटा–छोटा

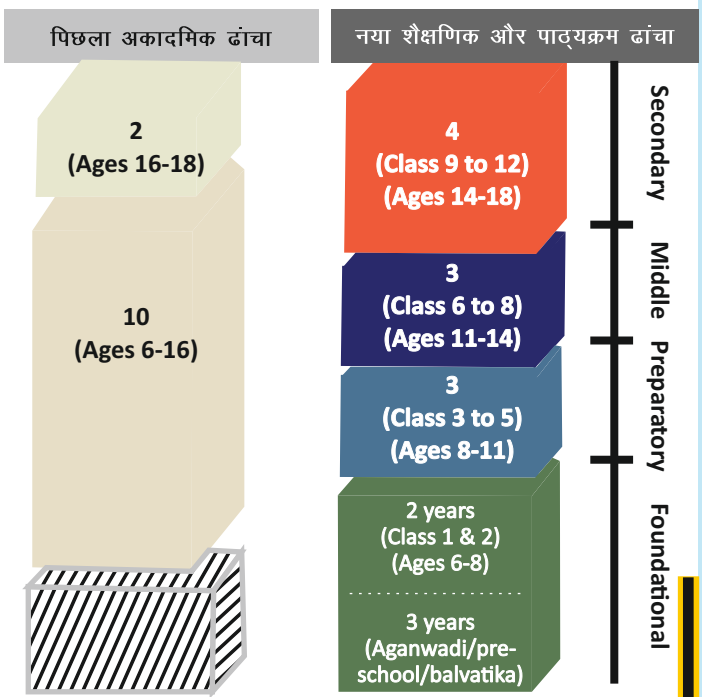
पंचकोष का विकास (Five fold Development)
भारतीय परम्परा का आधार स्तम्भ



सतत विकास लक्ष्य (SDGs)

1–गरीबी की पूर्णतः समाप्ति
2–भुखमरी की समाप्ति
3– अच्छा स्वास्थ्य और जीवन स्तर
4–गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
5– लैंगिक समानता
6– साफ पानी और स्वच्छता
7–सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा
8–अच्छा काम और आर्थिक विकास
9–उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा का विकास
10–असमानता में कमी
11–टिकाऊ शहरी और सामुदायिक विकास
12–जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन
13–जलवायु परिवर्तन
14–पानी में जीवन
15–भूमि पर जीवन
16–शांति और न्याय के लिए संस्थान
17–लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी

स्कूली शिक्षा



स्रोतः NEP2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, स्कूली शिक्षा 2023



वर्ष 2026-2027